राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, रविवार, 28 जून 2026
वर्ष 07, अंक 261, पृष्ट 12, मूल्य: 03 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

15 साल की उम्र मे मां बनी, अब ससुर, देवर लूट रहा इज्जत, गिरफ्तार नही कर रही पुलिस...02

युवक ने घर में फांसी लगाईं, गुजरात से लौटा था, पुलिस जांच में जुटीं....11

फेक न्यूज, स्टैंड-अप कॉमेडी और ओटीटी कंटेंट पर सवाल... नियंत्रण की मांग

● सुप्रीम कोर्ट में विशाल तिवारी ने फर्जी व अश्लील सोशल मीडिया, ओटीटी कंटेंट और स्टैंड-अप कॉमेडी शो के खिलाफ जनहित याचिका दायर की है

● इसमें बिरयानी विवाद, एमबीबीएस छात्रा की टिप्पणियों और सीजेआई से जुड़ी फेक न्यूज जैसे मामले उठाए गए हैं

● याचिका में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सार्वजनिक शालीनता के बीच संतुलन साधने के लिए न्यायिक आयोग के गठन की मांग की गई है।

सुप्रीम कोर्ट में विशाल तिवारी ने फर्जी व अश्लील सोशल मीडिया, ओटीटी कंटेंट और स्टैंड-अप कॉमेडी शो के खिलाफ जनहित याचिका दायर की है. इसमें बिरयानी विवाद, एमबीबीएस छात्रा की टिप्पणियों और सीजेआई से जुड़ी फेक न्यूज जैसे मामले उठाए गए हैं. याचिका में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सार्वजनिक शालीनता के बीच संतुलन साधने के लिए न्यायिक आयोग के गठन की मांग की गई है।

फर्जी व अश्लील सोशल मीडिया कंटेंट और स्टैंड-अप कॉमेडी शो के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गयी. याचिका में 370 रुपए की बिरयानी विवाद और स्टैंड-अप कॉमेडी शो का हवाला दिया गया है. याचिका में सोशल मीडिया, ओटीटी कंटेंट व स्टैंड-अप कॉमेडी शो के सीमा निर्धारित करने के लिए एक न्यायिक आयोग के गठन की मांग की गई है।

सुप्रीम कोर्ट के वकील विशाल तिवारी ने जनहित याचिका दायर की है. याचिका में एमबीबीएस छात्रा सेजल पवार द्वारा की गई असंवेदनशील टिप्पणियों की ओर अदालत का ध्यान आकर्षित किया गया है मेडिकल शिक्षा के लिए इस्तेमाल होने वाले पुरुष शवों से जुड़ी असंवेदनशील बातों का जिक्र करते हुए, जनहित याचिका में कहा गया है कि अक्सर शवों को मेडिकल साइंस की तरक्की में योगदान देने वाले चुपचाप काम करने वाले टीचर माना जाता है. जनहित याचिका में कहा गया है, इस विवाद से मरे हुए लोगों की इज्जत और पब्लिक कम्युनिकेशन में उम्मीद किए जाने वाले स्टैंडर्ड को लेकर लोगों में चिंता पैदा हुई।

स्टैंड-अप कॉमेडी पर सवाल

स्टैंड-अप कॉमेडी में अक्सर बदनाम करने वाले, बेइज्जती करने वाले, भद्दे, घटिया और बेकार कंटेंट पर चिंता जताते हुए, विशाल तिवारी की जनहित याचिका में कहा गया है कि एक तरफ बोलने की आजादी और आर्टिस्टिक एक्सप्रेशन के बीच और दूसरी तरफ पब्लिक डीसेंसी और सोशल अकाउंटेबिलिटी के बीच बैलेंस होना चाहिए।

नियंत्रण की मांग पर सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल दाखिल

उन्होंने कहा कि स्टैंड-अप कॉमेडी में असंवेदनशील टिप्पणियों का लगातार ट्रेंड दिखाता है कि रणवीर अल्लाहबादिया (उनके शो इंडियाज गॉट लेटेंट में अश्लील टिप्पणियों से संबंधित) और क्योर एसएमए फाउंडेशन मामलों में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों और निर्देशों का मनचाहा असर नहीं हुआ. इसके अलावा शो के एक अन्य सेगमेंट में गुरुग्राम के एक युवक हिमांशु जांगरा का यह कहना भी सामने आया है कि उसने अपनी गर्लफ्रेंड को प्रायोजित बिरयानी के 370 रुपए वसूलने के लिए शारीरिक अंतरंगता की उम्मीद की थी।

जनहित याचिका में फेक न्यूज का जिक्र

जनहित याचिका में सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही उन फर्जी खबरों और वीडियो का भी जिक्र किया गया है, जिनमें दावा किया गया है कि सीजेआई सूर्यकांत हाल ही में कानून मंत्री और 75 जजों के साथ ब्रिटेन गए थे और वहां एक बैडमिंटन टूर्नामेंट में भाग लिया था।

जनहित याचिका में सोशल मीडिया पर चल रही फेक न्यूज और वीडियो का भी जिक्र किया गया, जिसमें दावा किया गया कि भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत हाल ही में कानून मंत्री के साथ 75 जजों के साथ ब्रिटेन गए और एक बैडमिंटन टूर्नामेंट में हिस्सा लिया।

पिछले साल नवंबर 2025 में त्यागराज स्टेडियम में हुए टूर्नामेंट की फोटो और वीडियो को यूके में हुए बैडमिंटन मैच के तौर पर दिखाया गया, जिसमें सीजेआई सूर्यकांत और कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने हिस्सा लिया था. मिनिस्ट्री ऑफ लॉ एंड जस्टिस की तरफ से सफाई जारी होने के बाद भी, फेक न्यूज कंटेंट को हटाया नहीं गया।

सीपीए के स्टोर्स में बड़ी गड़बड़ी का खुलासा, 5 फार्मासिस्ट और 2 अधिकारी निलंबित

● सीपीए के विभिन्न स्टोर्स में निरीक्षण के दौरान गंभीर गड़बड़ियां सामने आने पर सरकार ने कड़ी कार्रवाई करते हुए पांच फार्मासिस्टों और दो अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्पष्ट किया कि उनकी सरकार भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है

केंद्रीय खरीद एजेंसी (सीपीए) के विभिन्न स्टोर्स में जांच के दौरान पाई गई गंभीर अनियमितताओं के मामले में 5 फार्मासिस्टों और 2 अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है. मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि सरकार में भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जांच में दवाओं की खरीद, भंडारण और प्रबंधन से संबंधित गंभीर अनियमितताएं और लापरवाहियां सामने आने के बाद यह कार्रवाई की गई. सीएम ने स्पष्ट किया है कि दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति है और सरकारी व्यवस्था में किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार, लापरवाही या अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

रेखा गुप्ता ने कहा कि जनता के हितों से जुड़े मामलों में जवाबदेही सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और दोषी पाए जाने वाले किसी भी अधिकारी या कर्मचारी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जारी रहेगी. दरअसल, इसी महीने की शुरुआत में दिल्ली सरकार ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अंतर्गत आने वाली केंद्रीय खरीद एजेंसी (सीपीए) में व्यापक प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 40 से अधिक मेडिकल, पैरामेडिकल और प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों का तबादला किया था।

इसके बाद रेखा गुप्ता ने कहा था कि इस कदम से राजधानी की स्वास्थ्य सेवाएं अधिक मजबूत, पारदर्शी, जवाबदेह और कुशल बनेंगी. उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया था कि दिल्लीवासियों को बेहतर मेडिकल सुविधाएं देना उनकी सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता है और इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

10 डॉक्टरों का हुआ ट्रांसफर

उन्होंने बताया था कि सीपीए के कार्यालय प्रमुख डॉ. विनोद कुमार रंगा समेत 10 डॉक्टरों, पैरामेडिकल सेवाओं को मजबूत करने के लिए 20 कर्मचारियों और प्रशासनिक कार्यों में दक्षता बढ़ाने के लिए सेक्शन ऑफिसर, सीनियर असिस्टेंट और जूनियर असिस्टेंट स्तर के 10 अन्य कर्मचारियों का ट्रांसफर किया गया है।

मेडिकल सामग्रियों की खरीद और आपूर्ति की देखरेख करता है सीपीए

मुख्यमंत्री ने कहा था कि सीपीए दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य सेवा ढांचे में एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में काम करता है, जो दवाओं, मेडिकल उपकरणों और अन्य जरूरी स्वास्थ्य संबंधी सामग्रियों की खरीद और आपूर्ति की देखरेख करता है. इस सिस्टम की दक्षता को और बढ़ाने के लिए विभिन्न अस्पतालों और विभागों के अनुभवी अधिकारियों और कर्मचारियों को इस एजेंसी में शामिल किया जा रहा है।

संक्षिप्त ख़बरें

पल्स पोलियो अभियान 28 जून से शुरू

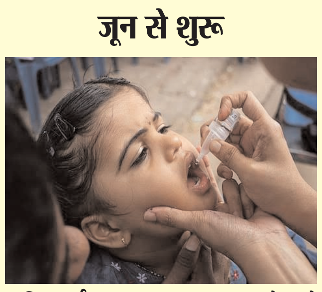

सिद्धार्थनगर। उसका बाजार क्षेत्र में रविवार को 28 जून से पल्स पोलियो अभियान शुरू किया जा रहा है। उसका बाजार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक डॉ. एसके पटेल ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य भारत से पोलियो (पोलियोमाइलाइटिस) का पूर्ण उन्मूलन करना है। अधीक्षक डॉ. एसके पटेल ने क्षेत्र के सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों को बचाने के लिए शून्य से लेकर पांच वर्ष तक के बच्चों को पल्स पोलियो की दवा अवश्य पिलाएं। उन्होंने कहा कि बूथ से छूटे हुए बच्चों को सोमवार से शुक्रवार घर -घर जाकर पोलियों की खुराक पिलाया जायेगा जिसके लिए छप्पन बूथ, सैंतीस टीम, चार ट्रांज़िट टीम, एक मोबाइल टीम और तेरह सुपरवाइजर बनाएं गए हैं जो कि कुल 23857 हजार बच्चों को खुराक देने का लक्ष्य रखा गया हैं।

श्रीकृष्ण जन्म की कथा सुन श्रोता हुए भाव विभोर

बिस्कोहर। ग्राम पंचायत खरिकवा केरवानिया में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा के पांचवें दिन शुक्रवार की रात्रि कथा व्यास पंडित काली प्रसाद ने भगवान श्रीकृष्ण के अवतार की मार्मिक कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि जब-जब अधर्म बढ़ता है, तब-तब भगवान धर्म की स्थापना के लिए अवतार लेते हैं। भगवान श्रीकृष्ण जन्म प्रसंग के दौरान श्रद्धालु भक्ति में सराबोर होकर भगवान श्रीकृष्ण जयघोष करते रहे। कथा के समापन पर आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर मुख्य यजमान मंत्र राम यादव व गीता यादव सहित सौदागर, मुरली मौर्य, शिवदेव, जगराम, चंद्रप्रकाश विश्वकर्मा, चंद्रिका प्रसाद मिश्रा, दिवाकर प्रसाद मिश्रा, राजाराम यादव, धनीराम यादव, बृजलाल यादव, ओपी यादव, कुलदीप यादव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

01 जुलाई से लागू होगी विकसित भारत-जी राम जी योजना

● ग्रामीण परिवारों को मिलेगा 125 दिन के रोजगार का अवसर, आत्मनिर्भर गांवों के निर्माण को मिलेगी नई गति

● उत्तर प्रदेश में योजना के शुभारंभ की जोरदार तैयारियां- केशव प्रसाद मौर्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि 'विकसित भारत- गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 (वीबी-जी राम जी)' ग्रामीण भारत के विकास और आत्मनिर्भर गांवों के निर्माण की दिशा में ऐतिहासिक पहल है। यह अधिनियम ग्रामीण परिवारों को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराएगा, उनकी आय सुरक्षा को सुदृढ़ करेगा तथा गांवों की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि 01 जुलाई, 2026 से लागू होने वाली इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उत्तर प्रदेश सरकार, ग्राम्य विकास विभाग द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा और प्रत्येक ग्रामीण परिवार को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण विकास के सशक्त संकल्प के साथ उत्तर प्रदेश निरंतर आत्मनिर्भर और समृद्ध गांवों के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहा है। अब ग्रामीण परिवारों को आजीविका के अधिक अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रोजगार की गारंटी अवधि को 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन किया गया है। यह निर्णय ग्रामीण श्रमिकों की आय वृद्धि, स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों के विस्तार और गांवों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि रोजगार के अतिरिक्त दिनों से ग्रामीण परिवारों की आजीविका मजबूत होगी, स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों को गति मिलेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा प्राप्त होगी। यह पहल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मौर्य ने कहा कि वीबी-जी राम जी अभियान ग्रामीण श्रमिकों को सम्मानजनक रोजगार, पारदर्शी प्रक्रिया और आजीविका के नए अवसरों से जोड़ने का माध्यम बनेगा। योजना के प्रभावी संचालन से गांवों में रोजगार के साथ-साथ विकास कार्यों को भी नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार गांवों को सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। विकसित भारत के निर्माण में प्रदेश के ग्रामीण परिवारों की भी भागीदारी सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है।

सम्पर्क सूत्र-बी0एल0यादव

सहरिया बस्ती में युवक पर लाठी-डंडों से हमला, गंभीर घायल

एससी-एसटी एक्ट समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज

नाराहट में दबंगई का मामला, जातिसूचक गालियां देने और जान से मारने की धमकी का भी आरोप

ललितपुर। थाना नाराहट क्षेत्र की सहरिया बस्ती में एक युवक के साथ मारपीट का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष की तहरीर के अनुसार गांव के एक युवक ने लाठी-डंडों से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बिरधा ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल ललितपुर रेफर कर दिया गया। मामले में पुलिस ने नामजद आरोपी के खिलाफ बीएनएस एवं एससी-एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना नाराहट निवासी लुखई पुत्र हरी अहिरवार द्वारा दी गई तहरीर में बताया गया है कि 23 जून 2026 की शाम लगभग 8 बजे उनका पुत्र वकील गांव के राहुल यादव पुत्र भानसिंह यादव के साथ सहरिया बस्ती में मौजूद था। इसी दौरान किसी बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि राहुल यादव ने गाली-गलौज करते हुए वकील पर लाठी-डंडों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

लो वोल्टेज और ट्रिपिंग से ग्रामीण बेहाल

● गांव में एक और ट्रांसफार्मर लगाने की मांग

कौलापुर। भीषण गर्मी और उमस के बीच बिजली की लगातार ट्रिपिंग एवं लो वोल्टेज की समस्या से डीघ ब्लॉक के बेरासपुर गांव के ग्रामीणों का जनजीवन प्रभावित हो गया है। गांव में पर्याप्त विद्युत आपूर्ति नहीं मिलने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने विभाग से गांव में एक और 100 केवीए क्षमता वाले ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में आए दिन बिजली ट्रिप होने और लो वोल्टेज की समस्या बनी रहती है। आरोप है कि कई बार ग्रामीण आपस में चंदा कर विद्युत कर्मियों से फाल्ट ठीक कराते हैं, लेकिन मरम्मत के बाद भी व्यवस्था एक-दो दिन से अधिक सुचारु नहीं रह पाती।

ग्रामीणों के अनुसार बेरासपुर में वर्तमान में 100 केवीए का ट्रांसफार्मर लगा है, जबकि गांव में बिजली की खपत लगातार बढ़ चुकी है। बढ़े हुए लोड के कारण ट्रांसफार्मर पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिससे बार-बार फाल्ट और लो वोल्टेज की समस्या उत्पन्न होती रहती है। भीषण गर्मी में बिजली व्यवस्था चरमराने से लोगों का घरों में रहना मुश्किल हो गया है। उमस के कारण बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को सबसे अधिक दिक्कत उठानी पड़ रही है। विजय कुमार मिश्रा, बेचन मिश्रा, लक्ष्मीकांत तिवारी, भगेडू प्रजापति, चंद्रेश शर्मा, शिव प्रजापति, विनय शर्मा समेत ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से शीघ्र क्षमता वृद्धि करते हुए नया ट्रांसफार्मर स्थापित कराने की मांग की है, ताकि गांववासियों को निर्बाध और पर्याप्त बिजली आपूर्ति मिल सके।

क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन पर कार्रवाई, फिर भी नहीं थम रहा अवैध खनन का खेल

उन्नाव। जिले के सोहरामऊ और अजगैन क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन का मामला लगातार चर्चा में बना हुआ है। बीती रात सोहरामऊ थाना क्षेत्र के गोआमापुर और चिलौली गांव में कथित अवैध मिट्टी खनन के खिलाफ खनिज विभाग ने कार्रवाई करते हुए सात डंपरों का चालान किया। इसके बावजूद विभिन्न क्षेत्रों में खनन गतिविधियां जारी रहने के आरोप सामने आ रहे हैं। जानकारी के अनुसार, माखी थाना क्षेत्र की ओर भी मिट्टी खनन जारी रहने की शिकायतें मिली हैं। वहीं सुबह थाना पुलिस ने बिना वैध रॉयल्टी के संचालन के संदेह में तीन डंपरों को रोककर जांच की। जांच के दौरान चालकों द्वारा प्रस्तुत रॉयल्टी पर्चियों की वैधता अवधि समाप्त पाई गई, जिसके बाद राजस्व चोरी और खनन नियमों के उल्लंघन की आशंका को लेकर मामला चर्चा का विषय बन गया।

स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि अवैध खनन के कारण सरकारी सड़कें, नहर की पटरी तथा चक मार्ग तेजी से क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। इसके साथ ही किसानों की भूमि और पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पाली, माखी सहित कई इलाकों में लंबे समय से अवैध खनन की शिकायतें की जा रही हैं, लेकिन प्रभावी रोक नहीं लग पा रही है।

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि अवैध खनन से जुड़े मामलों में कुछ राजस्व कर्मियों की भूमिका पर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। उनका कहना है कि खनन माफिया की गतिविधियों के चलते पुलिस और प्रशासन की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित विभागों द्वारा निष्पक्ष जांच एवं कठोर कार्रवाई आवश्यक होगी, ताकि राजस्व की चोरी पर रोक लग सके तथा पर्यावरण और सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

रियल एस्टेट फ्रॉड: बिल्डर संदीप सिंह के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी, दिल्ली-एनसीआर से कई अहम दस्तावेज किए जब्त

● ईडी ने कथित रियल एस्टेट धोखाधड़ी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में गाजियाबाद, नोएडा और दिल्ली में चार जगहों पर तलाशी ली

● ईडी का आरोप है कि बिल्डर संदीप सिंह ने 'सेवा सुरक्षा सहकारी आवास समिति' के सदस्यों को वादा किए गए फ्लैट नहीं दिए और जमीन किसी और को बेचकर उनके साथ धोखाधड़ी की

प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी (ईडी) के लखनऊ जोनल ऑफिस ने पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत गाजियाबाद, नोएडा और दिल्ली में 4 जगहों पर तलाशी अभियान चलाया. यह कार्रवाई गाजियाबाद में जमीन और रियल एस्टेट धोखाधड़ी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बिल्डर संदीप सिंह और 'सेवा सुरक्षा सहकारी आवास समिति' के पदाधिकारियों से जुड़ी जगहों पर की गई. ईडी ने यूपी पुलिस द्वारा दर्ज 3 एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की. ये एफआईआर आईपीसी, 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत अपराधों के लिए दर्ज की गई थीं, जो पीएमएलए, 2002 के तहत 'शेड्यूल्ड ऑफेंस' (निर्धारित अपराध) हैं एफआईआर के मुताबिक, संदीप सिंह (रूह्य श्रस्थ प्रॉपबिल्ड प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर) इस धोखाधड़ी के मुख्य लाभार्थी और मुख्य साजिशकर्ता थे. उन्होंने समिति के सदस्यों (जो सशस्त्र सीमा बल के रिटायर्ड अधिकारी हैं) को समिति की आधी जमीन पर 264 रिहायशी फ्लैट देने का वादा किया था, जिसके बदले में वो बाकी आधी जमीन बेचने या उसके डेवलपमेंट के अधिकार चाहते थे।

वादे के मुताबिक पूरा नहीं हुआ प्रोजेक्ट

एफआईआप से यह भी पता चला कि सदस्यों से तय समय में रिहायशी फ्लैट बनाने और देने या देरी होने पर हर महीने किराया देने का वादा किया गया था, लेकिन प्रोजेक्ट वादे के मुताबिक पूरा नहीं हुआ. इसके बजाय संदीप सिंह ने समझौते का गलत फायदा उठाया और सदस्यों के लिए फ्लैट पूरे किए बिना ही 41,544 वर्ग मीटर जमीन का आधा हिस्सा तीसरे पक्ष को बेच दिया. इस तरह उन्होंने गलत तरीके से फायदा उठाया और सदस्यों को उनके हक से वंचित कर दिया।

कई अहम दस्तावेज जब्त

ईडी इन निर्धारित अपराधों से हुई 'अपराध की कमाई' के बनने, छिपाने, कब्जे में रखने, हासिल करने और इस्तेमाल करने की जांच कर रही है. इसमें फंड का ट्रेल (लेन-देन का रास्ता) और उससे खरीदी गई संपत्तियां भी शामिल हैं. तलाशी के दौरान पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत मनी ट्रेल, संपत्तियों और कंपनी के फाइनेंशियल स्टेटमेंट आदि से जुड़े कई अहम दस्तावेज जब्त किए गए. इससे पहले 25 जून को भी प्रवर्तन निदेशालय ने गाजियाबाद में कथित भूमि और रियल एस्टेट धोखाधड़ी के मामले में धन शोधन की जांच के तहत उत्तर प्रदेश और दिल्ली में कई जगहों पर तलाशी अभियान चलाया था।

संक्षिप्त खबरें

बैरिहवां मोहल्ले मे मिली खून से लथपथ युवक की लाश

बस्ती। बस्ती जिले केकोतवाली थानान्तर्गत बैरिहवां मोहल्ले मे एक खाली मैदान मे अकेले बैठे युवक की गुरूवार रात धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। युवक के सिर व अन्य हिस्सों में चोट के निशान थे। मृतक की पहचान इसी मोहल्ले के शिवकुमार के रूप मे हुई। स्थानीय लोगों ने खुन से लथपथ शव देखा तो तत्काल पुलि को इसकी जानकारी दी। सीओ सदर, रौता चौकी इंचार्ज और कोतवाल टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने मौके से साक्ष्य इकट्ठा कर शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। पुलिस आशनाई और रंजिश के एंगल से जांच कर रही है। सूत्रों के मुताबिक एक व्यक्ति हिरासत मे लिया गया है जिससे पूछताछ चल रही है। सीओ सदर सत्येन्द्र भूषण त्रिपाठी ने बताया कि शीघ्र ही घटना का खुलासा किया जायेगा।

उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ थाना समाधान दिवस

बस्ती। बस्ती जिले के हरैया उपजिलाधिकारी उमाकांत तिवारी की अध्यक्षता में शनिवार को हरैया थाने में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी स्वर्णिमा सिंह, नवागत कोतवाल संजय कुमार सहित पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। थाना समाधान दिवस में राजस्व संबंधी कुल 13 शिकायतें प्राप्त हुई। अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे फरियादियों की शिकायतों को उपजिलाधिकारी एवं क्षेत्राधिकारी ने गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना।अधिकारियों ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रत्येक मामले का गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी प्रकरणों का शीघ्र और प्रभावी समाधान करने पर जोर दिया गया। यह थाना समाधान दिवस नवागत कोतवाल संजय कुमार की मौजूदगी में पहला आयोजन था। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि थाने में अपनी शिकायत लेकर आने वाले प्रत्येक फरियादी को न्याय दिलाना और उसकी संतुष्टि सुनिश्चित करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि पुलिस जनता की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी संवेदनशीलता और निष्पक्षता के साथ कार्य करेगी।

थानाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह के नेतृत्व में नगर पुलिस को सफलता

बस्ती। बस्ती जिले में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थानाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह के नेतृत्व में थाना नगर पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में लंबे समय से वांछित चल रहे एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी को पाल्हा के पहले मोड़ से दबोचकर विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय भेज दिया।पुलिस अधीक्षक डा. यशवीर सिंह के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक श्यामकान्त तथा क्षेत्राधिकारी कलवारी प्रदीप त्रिपाठी के निकट पर्यवेक्षण में चलाए जा रहे अभियान के दौरान थानाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने पूरी कार्रवाई का नेतृत्व किया। उनके निर्देशन में चौकी प्रभारी करहली एवं थाना नगर पुलिस टीम ने थाना नगर पर पंजीकृत मु0अ0सं0 125/2026 (धारा 109(1), 191(2), 118(1), 352, 115(2), 351(3) बीएनएस) से संबंधित वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त प्रिंस पुत्र छैल बिहारी, निवासी ग्राम कोपे, थाना लालगंज, जनपद बस्ती है। पुलिस ने उसे शनिवार सुबह करीब 09:05 बजे पाल्हा के पहले मोड़ से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद नियमानुसार कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय बस्ती भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह के साथ उपनिरीक्षक सर्वेश कुमार चौधरी (चौकी प्रभारी करहली), कांस्टेबल चन्द्रकान्त पाण्डेय तथा आरक्षी आदर्श कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

15 साल की उम्र मे मां बनी, अब ससुर, देवर लूट रहा इज्जत, गिरफ्तार नही कर रही पुलिस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले केदुबौलिया थाना क्षेत्र के एक गांव की युवती ने रेप के मामले मे आरोपियों के गिरफ्तारी की मांग किया है। युवती ने गिरफ्तारी न होने पर आत्मदाह की चेतावनी दिया है। आरोप ससुर अलीकमर और देवर अल्तमस पर है। युवती का शौहर दिल्ली मे रहकर पढ़ाई करता है। आपको बता दें युवती इससे पहले दो बार सुसाइड करने की कोशिश कर चुकी है।छुट्टियां व मौसमी आयोजन युवती की तहरीर एवं पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर दुबौलिया पुलिस ने 11 जून को बीएनएस की धारा 85,64, 115(2) के तहत मुकदमा पंजीकृत किया है। लेकिन अभियुक्तों की गिरफ्तारी करने मे कोई रूचि नही दिखाई। आरोपियों की धमकियों और जिल्लत से परेशान युवती ने 24 जून को एसपी से मुलाकात कर इंसाफ अभियुक्तों के गिरफ्तारी की मांग की। एसओ दुबौलियां से बात करने पर उन्होने बताया कि मामला महला थाने को ट्रांसफर कर दिया गया है।शहर और स्थानीय मार्गदर्शिका पूरा मामलायुवती के मुताबिक करीब 8 साल पहले 14 साल की उम्र मे गांव के ही आवेश पुत्र अलीकमर ने उसके साथ बलात्कार किया। वह गर्भवती हो गई। नाबालिग के साथ बलात्कार के जुर्म मे जेल न जाना पड़े इसलिये आवेश के परिजनों ने युवती और उसके परिजनों पर दबाव बनाकर उसका आवेश से निकाह करा दिया। इसके बाद आवेश पढ़ाई की बात कहकर दिल्ली गया और फिर वापस नही लौटा। 15 साल की उम्र मे युवती मां बन गई। लेकिन उसके शैहर ने उससे और बेटी से कोई सम्बन्ध नही रखा। यहां तक कि उसका और बेटी का आधार कार्ड तक नही बनवाया और कोई मिल्कियत भी नही खरीदी। युवती का आरोप है कि आवेश और उसके परिवार के लोग उसे जान से मारना चाहते हैं। मजबूरी का फायदा उठाकर ससुर अलीकमर और देवर अल्तमस ने उसके साथ कई बार बलात्कार किया। कभी नशीला पदार्थ खिलाकर तो कभी गरदन पर चाकू रखकर। कई बार सात साल की बेटी ने गलत तरीके से छूते और आपत्तिजनक स्थिति मे कमरे मे ले जाते हुये देखा है। इस अपमानजनक जीवन से छुटकारा पाने के लिये युवती दो बार सुसाइड करने की कोशिश कर चुकी। आरोप यह भी है युवती ने जब ससुर और देवर द्वारा की जा रही हैवानियत से अपनी सास शबनम को अवगत कराया तो उसने डंडे से मार दिया जिससे उसका हाथ टूट गया। पूरा मामला शौहर को फोन पर बताया तो उसने कहा तुम जियो या मरो, हमसे कोई मतलब नही है। युवती ने कहा उसकी बेटी और उसे जान का खतरा है। आरोपी, शौहर और सास शबनम लगातार मुकदमा उठाने का दबाव बना रहे हैं और कह रहे हैं मुकदमा उठा लो वरना जान से मार देंगे। इस मामले मे पुलिस ने अपना काम नही किया तो कोई भी वारदात हो सकती है इसलिये सतर्कता जरूरी है।

कोतवाली गैसड़ी पुलिस की कार्रवाई, न्यायालय भेजा गया आरोपी

बलरामपुर में पॉक्सो एक्ट का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर की कोतवाली गैसड़ी पुलिस ने पॉक्सो एक्ट एवं एससी/एसटी एक्ट से संबंधित एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देशन में वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पांडेय एवं क्षेत्राधिकारी तुलसीपुर अभय प्रताप मल्ल के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक कोतवाली गैसड़ी दुर्विजय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार थाना कोतवाली गैसड़ी पर पंजीकृत मुकदमा संख्या 36/2026 में धारा 64(2) भारतीय न्याय संहिता, धारा 3/4 पॉक्सो एक्ट तथा एससी/एसटी एक्ट की विभिन्न धाराओं में वांछित अभियुक्त सुभान पुत्र जुम्मन, निवासी ग्राम भोजपुर थारू, थाना कोतवाली गैसड़ी, जनपद बलरामपुर को शनिवार को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए उसे माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक गुलाब शाही, कांस्टेबल अमित कुशवाहा एवं कांस्टेबल विनीत वर्मा शामिल रहे।

कप्तानगंज बीडीओ का भ्रष्टाचार उजागर होते ही बौखला गए बीडियो मीडिया कर्मी की बदसलूकी

● प्रतिनिधि को भी याद दिलाया हैसियतकप्तानगंज ब्लाक मुख्यालय से जुड़ी घटना बनी चर्चा का विषय

अंतिम सांसों तक लूटने वाले भ्रष्टाचार की तालाब में डुबकी लगाने वाले खंड विकास अधिकारी के ऊपर जिला प्रशासन कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

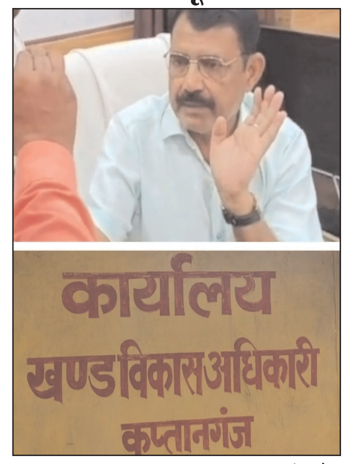

बस्ती। बस्ती जिले के भ्रष्ट खण्ड विकास अधिकारी कप्तानगंज के संरक्षण में मनरेगा में मचे भ्रष्टाचार व आनलाइन संदर्भों में चल रही कथित हेराफेरी को लेकर दिनाँक 25 जून 2026 को जब स्थानीय मीडिया कर्मियों ने बीडीओ का कच्छा खोलना शुरु किया तो फोन पर दहाड़ मारने वाले बीडीओ भीगी बिल्ली सा लाचार नजर आएं तो बीच बचाव पर उतरे प्रधान प्रतिनिधि को भी मीडिया कर्मियों ने उनकी हैसियत बताने में कोई कोताही नहीं बरती। मिली जानकारी के अनुसार खण्ड विकास अधिकारी कप्तानगंज का कार्यकाल सन्निकट है और इसी 30 जून को सेवा निवृत्त होने वाले हैं । विकास खण्ड की ग्राम पंचायतों में जिस द्रुतगामी तरीके से मनरेगा में भ्रष्टाचार व लूट मची हुई है उससे बीडीओ की भूमिका संदिग्ध बनी हुई है और उस पर बीडीओ के गैर जिम्मेदाराना बयान से स्थानीय मीडिया कर्मियों की आहत भावनाओ ने उन्हें मोर्चा खोलने पर विवश कर दिया । बीडीओ की कार्य प्रणाली से खफा मीडिया कर्मियों के प्रश्नों से निरुत्तर बीडीओ कार्यकाल की दुहाई देते नजर आए । वैसे भी पूरा ब्लाक परिसर दलालों से पटा पड़ा है और खण्ड विकास अधिकारी अपने हिस्से का माल समेटने में व्यस्त हैं और मनरेगा योजना अपने मूल उद्देश्यों से भटक गयी है और जिम्मेदार मूकदर्शक बने हुए हैं उस पर बीडीओ व मीडियाकर्मियों के बीच हुए नोकझोंक को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है ।

जगदीशपुर में भाजपा काशी क्षेत्र के नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया का भव्य स्वागत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जगदीशपुर/अमेठी। भारतीय जनता पार्टी काशी क्षेत्र के नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया के प्रथम आगमन पर जगदीशपुर औद्योगिक क्षेत्र,रोड नंबर-4 पर भव्य एवं आत्मीय स्वागत-अभिनंदन किया गया।स्वागत कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा प्रवक्ता चन्द्रमौलि सिंह ने किया। कार्यकर्ताओं ने पुष्पमालाओं एवं अंगवस्त्र से उनका अभिनंदन कर उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर पर क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया ने संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी तथा केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अपने समर्पित कार्यकर्ताओं की शक्ति से निरंतर संगठन का विस्तार कर राष्ट्रहित के संकल्पों को साकार कर रही है।स्वागत समारोह के उपरांत पूर्व जिला अध्यक्ष, भाजपा युवा मोर्चा राजीव शुक्ला की फैक्ट्री परिसर में जलपान एवं आत्मीय संवाद का कार्यक्रम आयोजित हुआ, जहाँ संगठनात्मक विषयों पर सार्थक चर्चा हुई।कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेश सिंह, जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र पासी, चंद्रभान पासवान, राहुल चौरसिया, रोहित चौरसिया, प्रवीण चौरसिया, प्रशांत चौरसिया, संदीप चौरसिया, सुधाकर सिंह, प्रवेश दीक्षित सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।कार्यक्रम का वातावरण उत्साह, संगठनात्मक ऊर्जा एवं राष्ट्रसेवा के संकल्प से ओत-प्रोत रहा।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के साक्षात्कार शुरू, पात्र कारीगर जल्द करें आवेदन

बढ़ई, दर्जी, नाई, लोहार, हलवाई, धोबी व राजमिस्त्री समेत पारंपरिक कारीगरों को मिलेगा लाभ

ललितपुर। उत्तर प्रदेश सरकार की विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत लाभार्थियों के चयन के लिए जनपद में साक्षात्कार (इंटरव्यू) की प्रक्रिया 22 जून 2026 से शुरू हो चुकी है। जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र ने पात्र पारंपरिक कारीगरों से शीघ्र आवेदन करने की अपील की है। उपायुक्त उद्योग ने बताया कि योजना के अंतर्गत आवेदन की प्रक्रिया अभी भी जारी है। ऐसे पारंपरिक कारीगर, जिन्होंने अब तक आवेदन नहीं किया है, वह विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना का उद्देश्य पारंपरिक कारीगरों को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करना तथा उन्हें आधुनिक उपकरण एवं प्रशिक्षण उपलब्ध कराकर उनकी आय में वृद्धि करना है। योजना का लाभ बढ़ई, दर्जी, नाई, लोहार, हलवाई, धोबी, राजमिस्त्री सहित अन्य पारंपरिक व्यवसायों से जुड़े पात्र कारीगरों को दिया जाएगा।

अपराध नियंत्रण को लेकर डीआईजी ने तीनों जिलों के पुलिस अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

● लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण, वांछितों की गिरफ्तारी और साइबर अपराध पर प्रभावी कार्रवाई के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्तीपरिक्षेत्र में अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से पुलिस उपमहानिरीक्षक बस्ती परिक्षेत्र बस्ती श्री संजीव त्यागी ने शनिवार को परिक्षेत्रीय कार्यालय सभागार में बस्ती, सिद्धार्थनगर और संतकबीरनगर जनपदों के पुलिस अधीक्षक व अपर पुलिस अधीक्षक के साथ मासिक अपराध समीक्षा गोष्ठी की। इस दौरान उन्होंने अपराधों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में डीआईजी ने लंबित विवेचनाओं और आंशिक विवेचनाओं का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निस्तारण कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी निरोधात्मक कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर, वांछित, पुरस्कार घोषित अपराधियों, जिला बदर एवं गैर जमानती वारंट (NBW) वाले अभियुक्तों की शत-प्रतिशत गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चोरी और वाहन चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने, गो-तस्करी रोकने, रात्रिकालीन सघन चेकिंग बढ़ाने तथा गंभीर अपराध, महिला अपराध, एससी/एसटी एक्ट और पाक्सो एक्ट से जुड़े मामलों में त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। डीआईजी ने साइबर अपराधों की रोकथाम को लेकर अधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने को कहा। उन्होंने साइबर एक्शन प्लान के तहत कार्रवाई, मोबाइल एवं आईएमई आई नंबरों को अधिक से अधिक ब्लॉक कराने, सीसीटीएनएस, आईजीआरएस, एनसीआरबी, आईसीजेएस, सीईआईआर सहित अन्य पोर्टलों के नियमित उपयोग और फीडिंग कराने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में बीट सूचनाओं को प्रभावी बनाने, थाना प्रभारी और क्षेत्राधिकारी स्तर से नियमित निगरानी कराने तथा मुख्यमंत्री जनता दर्शन, पब्लिक ग्रीवांस रिव्यू पोर्टल एवं अन्य उच्चस्तरीय शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराने पर भी चर्चा हुई। डीआईजी ने महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए मिशन शक्ति केंद्रों और परिवार परामर्श केंद्रों को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। साथ ही महिला अपहृता और गुमशुदा लोगों की शत-प्रतिशत बरामदगी सुनिश्चित करने को कहा। बैठक के दौरान गैंगस्टर एक्ट के तहत संपत्ति जब्तीकरण, गुंडा एक्ट की कार्रवाई, ऑपरेशन गैंगस्टर, ऑपरेशन दहन सहित विभिन्न अभियानों की प्रगति की समीक्षा की गई। उन्होंने 45 दिन से अधिक लंबित अभियोगों का शीघ्र निस्तारण कराने के निर्देश दिए। विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए डीआईजी ने लंबित विभागीय पत्रावलियों, प्रारंभिक जांच, मृतक आश्रित सेवायोजन और चिकित्सा प्रतिपूर्ति से जुड़े मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। कर्मचारियों के प्रशिक्षण को लेकर साइट्रेन और आईगॉट ऐप पर लंबित प्रशिक्षण जल्द पूरा कराने को कहा। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर उन्होंने ट्रैफिक एक्शन प्लान तैयार कर प्रभावी कार्रवाई करने और मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक बस्ती डॉ. यशवीर सिंह, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ. अभिषेक महाजन, पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर श्री संदीप कुमार मीना, अपर पुलिस अधीक्षकगण सहित परिक्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

एसडीएम नितेश राज एवं थाना अध्यक्ष विवेक वर्मा के नेतृत्व में संपन्न हुआ थाना दिवस

» चौकी प्रभारी धीरेंद्र कुमार तिवारी एवं राजस्व निरीक्षक संतराम व अन्य अधिकारी कर्मचारी रहे मौजूद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। थाना बाजार शुक्ल परिसर में शनिवार को आयोजित समाधान दिवस में फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। उप जिलाधिकारी मुसाफिरखाना नितेश राज, थाना अध्यक्ष विवेक वर्मा एवं सत्थिन चौकी प्रभारी धीरेंद्र कुमार तिवारी के नेतृत्व में सम्पन्न हुए समाधान दिवस में क्षेत्र के विभिन्न गांवों एवं कस्बों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। समाधान दिवस के दौरान कुल 14 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें राजस्व, भूमि विवाद, रास्ता, आपसी विवाद तथा अन्य जनसमस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र शामिल रहे। अधिकारियों ने सभी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय कर्मचारियों को निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए।समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों में से 3 शिकायतों का मौके पर ही गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से निस्तारण किया गया, जिससे फरियादियों के चेहरे पर संतोष दिखाई दिया। अधिकारियों ने स्पष्ट रूप से कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उप जिलाधिकारी नितेश राज ने संबंधित कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता बनाए रखें और पीड़ितों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।थाना अध्यक्ष विवेक वर्मा ने कहा कि पुलिस एवं प्रशासन की संयुक्त टीम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि आपसी विवादों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने का प्रयास करें तथा किसी भी समस्या की सूचना तत्काल पुलिस प्रशासन को दें। सत्थिन चौकी प्रभारी धीरेंद्र कुमार तिवारी ने भी शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से सुना और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।समाधान दिवस में राजस्व निरीक्षक एवं चकबंदी लेखपाल मौजूद रहे, जबकि राजस्व लेखपाल हड़ताल के चलते अनुपस्थित रहे। इसके बावजूद अधिकारियों ने उपलब्ध कर्मचारियों के माध्यम से शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया को सुचारु रूप से संचालित कराया। समाधान दिवस के दौरान थाना परिसर में लोगों की भीड़ लगी रही और फरियादी अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद लेकर पहुंचे। प्रशासनिक अधिकारियों की सक्रियता एवं पारदर्शी कार्यशैली से लोगों में संतोष का माहौल दिखाई दिया।

सील के बाद भी संचालित हो रहा अमृत हॉस्पिटल सीएमओ बोल बिना आदेश संचालन हुआ तो होगी कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। जनपद के मुंडेरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत बस्ती-मुंडेरवा मार्ग स्थित अमृत हॉस्पिटल को सील किए जाने के बाद भी कथित रूप से संचालन किए जाने का मामला सामने आया है।आरोप है कि करीब दो माह पूर्व एक महिला की मौत के बाद जनपद में हुए बड़े हंगामे के बाद प्रशासन ने अस्पताल पर कार्रवाई करते हुए उसे सील किया था। इस मामले में मुंडेरवा थाने में गंभीर धाराओं में एक नामजद सहित अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज किया गया था। इसके बावजूद बिना किसी सक्षम आदेश के अस्पताल का संचालन दोबारा शुरू होने की बात सामने आ रही है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि सील के बाद भी अस्पताल में मरीजों को भर्ती कर इलाज किया जा रहा है।इस मामले में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. राजीव निगम ने कहा कि अस्पताल संचालन के लिए विभाग की ओर से कोई आदेश जारी नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि यदि सील अस्पताल का संचालन किया जा रहा है तो मामले की जांच कराकर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई न होने से परेशान हैअब सवाल उठता है कि आखिर सील अस्पताल किसके आदेश पर संचालित हो रहा है और स्वास्थ्य विभाग की नजर से यह कैसे बचा रहा।

पशुपालकों एवं गौशालाओं के लिए नेपियर घास उत्पादन योजना शुरू, आवेदन आमंत्रित

जनपद बलरामपुर में वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु पशुपालकों, पंजीकृत गौशालाओं, गोआश्रय स्थलों एवं इच्छुक कृषकों के लिए नेपियर घास उत्पादन योजना संचालित की जा रही है। इस योजना का उद्देश्य गोवंश के लिए वर्षभर हरे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा पशुपालन को अधिक सुदृढ़ बनाना है। योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को नेपियर स्लिप उपलब्ध कराई जाएगी तथा उत्पादन हेतु नेपियर सीड बैंक की स्थापना भी की जाएगी। योजना का लाभ पंजीकृत गौशाला, गोआश्रय स्थल, इच्छुक कृषक, पशुपालक, गैर सरकारी संस्थाएं, एफपीओ एवं स्वयं सहायता समूह प्राप्त कर सकते हैं। योजना के लिए पात्रता के अनुसार लाभार्थी के पास न्यूनतम 0.2 हेक्टेयर सिंचित भूमि उपलब्ध होना आवश्यक है तथा भूमि तक आवागमन की सुविधा होनी चाहिए। पंजीकृत गौशालाओं एवं अस्थायी गोवंश आश्रय स्थलों से संबंधित ग्राम पंचायतों को प्राथमिकता दी जाएगी।

निरंकारी सत्संग आज

ललितपुर। निरंकारी सतगुरू माता सुदीक्षा महाराज के निर्देशन में निरंकारी सत्संग का आयोजन संत निरंकारी शाखा मंडल ललितपुर (रजि.) द्वारा ब्रह्मज्ञानी संत डा.सुरेश (बांदा) के सानिध्य में आयोजित होगी। सत्संग की जानकारी देते हुए स्थानीय संयोजक/इंचार्ज मनीष एवं मीडिया सहायक मानसिंह ने बताया कि निरंकारी सत्संग का आयोजन 28 जून 2026, दिन- रविवार को सुबह सुबह 08.30 बजे से 10.30 बजे तक सन्त निरंकारी सत्संग भवन, प्राथमिक विद्यालय के पास, खिरकापुरा बाई पास रोड, ललितपुर में किया जायेगा। उन्होंने सभी धर्म प्रेमियों से सत्संग में पहुंचकर धर्म लाभ लेने की अपील की है। सत्संग के बाद प्रसाद वितरण होगा।

लूट की वारदात का खुलासा, चार शातिर लुटेरे गिरफ्तार; दो बाइक व नकदी बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले केथाना कोतवाली पुलिस ने लूट की घटना का सफल अनावरण करते हुए चार शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिलें तथा 1,545 रुपये नकद बरामद किए हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध थाना कोतवाली में दर्ज मु0अ0सं0-276/2026 के तहत विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय भेजा गया। पुलिस के अनुसार 23 जून 2026 को खलीलाबाद निवासी पीड़ित बस्ती रोडवेज पहुंचा था। वहां उसने अपने गांव के परिचित सत्यम को फोन कर बहराइच जाने वाली बस के बारे में जानकारी मांगी। सत्यम ने अपने भाई सुभाष को मदद के लिए भेजा। कुछ देर बाद सुभाष अपने तीन साथियों के साथ पीड़ित के पास पहुंचा और उसे रेलवे स्टेशन छोड़ने के बहाने मोटरसाइकिल पर बैठा लिया। रास्ते में आरोपियों ने दिशा बदल दी। जब पीड़ित ने इसका कारण पूछा तो उसे डरा-धमकाकर एक सुनसान स्थान पर ले जाया गया, जहां उससे जबरन 7,500 रुपये लूट लिए गए। इतना ही नहीं, आरोपियों ने पीड़ित के मोबाइल फोन की सिम निकालकर तोड़ दी और जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। घटना के खुलासे के लिए सक्रिय हुई थाना कोतवाली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर 25 जून 2026 की रात करीब 9:10 बजे जामडिह शुक्ल मार्ग के पास इसाई कब्रिस्तान के पीछे स्थित खाली मैदान से चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान सुभाष मोदनवाल (20 वर्ष), आदर्श गुप्ता (19 वर्ष), नफीस (18 वर्ष) और दिलशाद (18 वर्ष) के रूप में हुई है। सभी आरोपी थाना पुरानी बस्ती क्षेत्र के निवासी हैं। इस कार्रवाई का नेतृत्व प्रभारी निरीक्षक मोती चन्द ने किया। अभियान में उपनिरीक्षक जयविन्द कुमार यादव (चौकी प्रभारी रोडवेज), उपनिरीक्षक सुरेन्द्र प्रसाद (चौकी प्रभारी रौता), उपनिरीक्षक अनस अख्तर (चौकी प्रभारी मड़वानगर) सहित कांस्टेबल धीरज यादव, चन्द्रशेखर यादव, अर्जुन यादव, धनंजय यादव एवं शिवम वर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

डीएम-एसपी ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं, समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गैसड़ी (बलरामपुर)। थाना गैसड़ी में शनिवार को आयोजित थाना समाधान दिवस में जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन एवं पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि आमजन की शिकायतों का निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से निस्तारण शासन की प्राथमिकता है। समाधान दिवस में पहुंचे फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने भूमि विवाद एवं कानून-व्यवस्था से जुड़े संवेदनशील मामलों में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर जांच करने और शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान जिलाधिकारी ने थाना परिसर में संधारित शिकायत निस्तारण रजिस्टर का अवलोकन किया तथा पूर्व में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा की।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिकायतों का निस्तारण केवल औपचारिकता न होकर वास्तविक समाधान आधारित होना चाहिए।

पुलिस अधीक्षक ने भी थाना स्तर पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में संवेदनशीलता एवं तत्परता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। थाना समाधान दिवस में तहसीलदार तुलसीपुर सहित राजस्व, पुलिस एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

अग्निकांड के बाद फायर विभाग ने लाइब्रेरी और कोचिंग संस्थानों का किया निरीक्षण

लालगंज (रायबरेली)। लखनऊ में हुए अग्निकांड के बाद अग्निशमन विभाग सतर्क हो गया है। शनिवार को अग्निशमन केंद्र के प्रभारी मुकेश गिरी के नेतृत्व में टीम ने नगर की लाइब्रेरी और शिक्षण संस्थानों का निरीक्षण किया। अभियान के दौरान अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच की गई। टीम ने संज्ञान लाइब्रेरी, गुरुकुल कम्प्यूटर इंस्टीट्यूट, पीपल ट्री वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड सहित अन्य संस्थानों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने भवनों में उपलब्ध अग्निशमन उपकरण, आपातकालीन निकास और सुरक्षा मानकों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान संचालकों को आग लगने की स्थिति में बचाव के उपाय बताए गए। साथ ही फायर सेफ्टी के सभी नियमों का पालन करने और सुरक्षा उपकरणों को हमेशा क्रियाशील रखने के निर्देश दिए गए। अग्निशमन प्रभारी मुकेश गिरी ने कहा कि लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी संस्थानों को फायर सेफ्टी मानकों का कड़ाई से पालन करना होगा।

होटल में कारीगर का संदिग्ध परिस्थितियों में मिला शव, मचा हड़कंप

लालगंज, रायबरेली। कस्बे के निराला नगर स्थित एक होटल में शनिवार सुबह कारीगर का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान आचार्य नगर निवासी मिथुन उर्फ अजय प्रजापति (30) पुत्र सत्यदेव के रूप में हुई है। अजय पिछले करीब नौ वर्षों से होटल में खाना बनाने का काम कर रहा था। शनिवार सुबह वह होटल के अंदर अचेत अवस्था में मिला, जिसके बाद होटल कर्मचारियों ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों में चर्चा है कि अजय मोबाइल चार्जिंग के दौरान करंट की चपेट में आया, हालांकि पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है। मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। अजय चार भाइयों में सबसे छोटा था। उसके परिवार में भाई श्रीकृष्ण, छोटेलाल, विनोद, पत्नी रूबी और सात वर्षीय बेटा वीरांश हैं। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की

यूपी में अगले 6 महीनों में 15 लाख घरों तक पहुंचेगी PNG

लखनऊ। प्रदेश में एलपीजी (लाइट प्रेट्रोलियम गैस) पर निर्भरता घटाने के लिए पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन बढ़ाने का प्रयास रही है। वर्ष के बचे हुए छह माह में सरकार 15 लाख घरों तक पीएनजी कनेक्शन पहुंचायेगी। दक्षिण-पश्चिम एशिया में युद्ध से उपजे एलपीजी संकट से सबक लेकर सरकार ने पीएनजी कनेक्शन बढ़ाने पर जोर दिया था। जिसके बाद तेजी से कनेक्शन दिये गये। 24 जून तक 1.60 लाख से अधिक घरों तक कनेक्शन पहुंच गया। सरकार के प्रवक्ता का कहना है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए निर्धारित 16,23,163 कनेक्शनों के लक्ष्य के मुकाबले 9.86 प्रतिशत लक्ष्य पूरा हो गया है। यानी बचे हुए छह माह में 15 लाख घरों तक पीएनजी कनेक्शन पहुंचाने का लक्ष्य है।

योगी सरकार के 'प्रोजेक्ट प्रवीण' से संवरेगा युवाओं का कल -मंत्री कपिल देव अग्रवाल

●वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 36,103 युवाओं का प्रशिक्षण लक्ष्य जारी

15 जुलाई 2026 से शुरू होंगी कक्षाएं, बैच में अधिकतम 35 प्रशिक्षणार्थी

आईटी, हेल्थकेयर, इलेक्ट्रॉनिक्स, एग्रीकल्चर समेत प्रमुख सेक्टर्स में मिलेगा प्रशिक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश सरकार युवाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। प्रदेश के माध्यमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ रोजगारपरक कौशल से जोड़ने की मुहिम तेज हो गई है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में 'प्रोजेक्ट प्रवीण' के अन्तर्गत अल्पकालीन कौशल प्रशिक्षण के लिए लक्ष्य आवंटित कर दिए गए हैं। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि योगी सरकार का मुख्य ध्येय है कि प्रदेश का कोई भी युवा हुनर से वंचित न रहे। 'प्रोजेक्ट प्रवीण' के जरिए हम राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों को पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ तकनीकी और व्यावसायिक क्षेत्रों में मजबूत कर रहे हैं। इस योजना के तहत आईटी (आईटी-आईटीईएस), हेल्थकेयर, इलेक्ट्रॉनिक्स, अपैरल, ब्यूटी एंड वेलनेस और कृषि जैसे महत्वपूर्ण सेक्टर्स में प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए प्रत्येक बैच में अधिकतम 35 प्रशिक्षणार्थियों की सीमा तय की गई है। इससे बच्चों को प्रयोगात्मक और व्यावहारिक ज्ञान बेहतर ढंग से मिल सकेगा। इस वर्ष प्रोजेक्ट प्रवीण के तहत प्रदेश भर में कुल 36,103 प्रशिक्षणार्थियों को कौशल प्रशिक्षण देने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों जैसे आगरा, बरेली, आजमगढ़, ललितपुर, वाराणसी, रामपुर, शाहजहांपुर, जालौन और सोनभद्र सहित राज्य के राजकीय विद्यालयों में सूची बद्ध प्रशिक्षण प्रदाताओं (टीपीएस) को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रमुख सेक्टर्स में आईटी-आईटीईएस, हेल्थकेयर, अपैरल, इलेक्ट्रॉनिक्स, ब्यूटी एंड वेलनेस, मैनेजमेंट, ग्रीन जॉब्स और एग्रीकल्चर शामिल हैं। पाठ्यक्रम की अधिकतम अवधि 300 घंटे होगी। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के निदेशक पुलकित खरे द्वारा जारी निर्देश के अनुसार, सभी प्रशिक्षण प्रदाताओं को सख्त समय-सीमा का पालन करना होगा। प्रशिक्षण प्रदाताओं को केंद्र की स्थापना, पंजीकरण और बैच निर्माण की प्रक्रिया पूरी कर 15 जुलाई, 2026 तक हर हाल में कक्षाओं का संचालन शुरू करना होगा। बैच शुरू होने के 07 कार्य दिवसों के भीतर सभी छात्र-छात्राओं को पाठ्य सामग्री का वितरण कर उसकी तस्वीरें मिशन पोर्टल पर अपलोड करनी होंगी। यदि कोई प्रशिक्षण प्रदाता समय पर कार्य आरंभ नहीं करता है या जनपद स्तर से किसी प्रकार की शिकायत प्राप्त होती है, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार सख्त विधिक कार्यवाही की जाएगी।

सम्पर्क सूत्र-धर्मवीर खरे

परिवहन मंत्री के निर्देश पर परिवहन विभाग 01 जुलाई से बसों के खिलाफ चलाएगा विशेष जांच अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊः उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह के निर्देश पर परिवहन विभाग 01 जुलाई, 2026 से 31 जुलाई, 2026 तक स्कूली बसों के फिटनेस संबंधी जांच के लिए अभियान चलाएगा। अभियान का लक्ष्य न केवल नियम लागू करना है, बल्कि स्कूल परिवहन को एक सुरक्षित जवाबदेह और पारदर्शी सेवा बनाना है। अभियान के तहत बसों की तकनीकी खराबी, फिटनेस, सुरक्षा मानकों की जांच की जाएगी। साथ ही चालकों का भी भौतिक सत्यापन, जांच इत्यादि की जाएगी। जांच में बस बॉडी की संरचना, बस की छत की निर्धारित भार मानक के अनुसार मजबूती, सीट एवं सीट एंकरेज टेस्ट, बॉडी चेसिस माउंटिंग टेस्ट, आपातकालीन गेट इत्यादि पर विशेष फोकस रहेगा। साथ ही बसों में क्षमता के अनुरूप (02 केजी) एबीएस टाइप, ड्राई पाउडर, फायर उपकरण की जांच की जाएगी। अभियान के दौरान यह भी देखा जाएगा कि स्कूल बसों के लिए अधिनियम 125-सी सीएमवीआर 1989 के उपनियम 02 के तहत विशेष मानक निर्धारित किए गए है। उनका पालन किया जा रहा है या नही। इसके अंतर्गत बसों को गोल्डन यलों रंगों में रंगा होना, उसमें स्पष्ट रूप से स्कूल बस लिखा होना अनिवार्य है। इसके अलावा आपातनिकास, स्टॉप सिंग्नल आर्म, हैजर्ड वार्निंग सिस्टम एवं बच्चों की आवश्यकता के अनुसार डिजाइन भी अनिवार्य है। बसों में स्पीड गवर्नर इलेक्ट्रानिक उपकरण, जो वाहन की अधिकतम गति निर्धारित सीमा से अधिक नही होने देता है, भी लगा होना चाहिए।

स्कूल बसों की अधिकतम गति सामान्यतः 40कि0मी0 प्रतिघंटा निर्धारित है। इसके अलावा बसों में ब्रेक प्रणाली, टायर व सस्पेंशन, लाइटिंग और संकेतक के साथ-साथ वैध दस्तावेजों (आरसी, परमिट बीमा, पीयूसी और वैध फिटनेस) की भी जांच की जाएगी। अभियान में प्रवर्तन दल नियमानुसार बसों के फिटनेस की जांच करेगा। निरीक्षण में अनियमितता पाए जाने पर उनके खिलाफ चालान, वाहन निरूद्ध, फिटनेस निलंबन इत्यादि की कार्यवाही की जाएगी।

सम्पर्क सूत्र-आशीष सिंह

जिला कारागार में विशेष विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

● जागरूकता शिविर में बंदियों को बताए गए कानूनी अधिकार

निःशुल्क विधिक सहायता, जमानत प्रावधान और न्याय तक समान पहुंच की दी गई जानकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर(ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशों तथा जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीतापुर आशीष जैन के मार्गदर्शन में शनिवार को जिला कारागार सीतापुर में विशेष विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर को संबोधित करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव आलोक यादव ने बंदियों को निःशुल्क विधिक सहायता, उनके संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों, शीघ्र न्याय प्राप्ति तथा प्राधिकरण द्वारा संचालित विभिन्न विधिक सहायता योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आर्थिक या अन्य किसी कारण से कोई भी पात्र व्यक्ति न्याय से वंचित न रहे, इसके लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण निरंतर कार्य कर रहा है। कार्यक्रम का संचालन सईद अहमद अंसारी, डिप्टी चीफ, लीगल एड डिफेन्स काउंसिल सिस्टम ने किया। वहीं डिप्टी चीफ सुजीत बाजपेई ने बंदियों को निःशुल्क अधिवक्ता की सुविधा, जमानत संबंधी प्रावधानों तथा विभिन्न विधिक सहायता योजनाओं की जानकारी देते हुए उनसे इन सुविधाओं का लाभ उठाने की अपील की। शिविर के दौरान बंदियों की

विधिक जिज्ञासाओं का समाधान किया गया तथा उन्हें न्याय तक समान पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संचालित योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से अशोक कुमार राना, रितिकेश श्रीवास्तव, जिला कारागार के जेल अधीक्षक सहित कारागार का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

मॉडल संकुल संघ के लेखाकार और एमआईएस सहायक का दस दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

● प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र किये गये वितरित

एस आई आर डी मे विभिन्न विषयो पर विशेषज्ञो द्वारा दिया जा रहा है प्रशिक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊः उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में, दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब में सरकारी, अर्धसरकारी विभागों, संस्थाओं के अधिकारियों व कर्मचारियों तथा रचनात्मक कार्यों से जुड़े लोगों को प्रशिक्षण देकर उन्हें अत्यधिक दक्ष और सक्षम बनाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। इसी कड़ी में दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब, लखनऊ मे उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत मॉडल संकुल संघ के लेखाकार एवं एमआईएस सहायक का दस दिवसीय आवासीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण शनिवार को संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन 18 से 27 जून तक आयोजित किया गया यह प्रशिक्षण दीपा रंजन, मिशन निदेशक, उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के आदेश पर आयोजित किया गया। संयुक्त मिशन निदेशक प्रवीणानंद ने बताया कि 'मॉडल संकुल संघ ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य लेखाकारों और एमआईएस सहायकों को वित्तीय प्रबंधन, लेखांकन प्रणाली और डेटा प्रबंधन में दक्ष बनाना था, ताकि संकुल स्तरीय संघ पारदर्शिता और व्यावसायिकता के साथ कार्य कर सकें। विश्वास व्यक्त किया कि प्रशिक्षित प्रतिभागी अब समूहों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और मिशन के शगरीबी मुक्त गाँवश् के लक्ष्य को गति देंगे।' डॉ. नन्दकिशोर साह, मिशन प्रबंधक प्रभारी ने बताया कि प्रशिक्षण में गरीबी के विभिन्न आयामों पर समझ विकसित की गई। 'समूह क्या है, समूह की आवश्यकता क्यों है' और 'प्रभावी समूह के गुण' जैसे विषयों पर खुले सत्र के माध्यम से चर्चा की गई। विजन और मिशन पर चर्चा करते हुए सहभागी विधि से संकुल स्तरीय संघ के सामुदायिक ढांचे को समझाया गया। संगठन और उनके प्रकार पर प्रस्तुति एवं चर्चा के माध्यम से समझ विकसित की गई। प्रशिक्षण में संकुल स्तरीय संघ के तीन स्तंभों - सदस्यता, शासन और परिचालन - की भूमिका तथा जिम्मेदारियों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। मॉडल संकुल स्तरीय संघ के कार्य निष्पादन सूचकांक, दृष्टि पत्र, महत्वपूर्ण हितधारकों की भूमिका, वित्तीय प्रणाली, लेखांकन चक्र, दोहरी लेखा प्रणाली के सिद्धांत, रसीद-वाउचर, खाता बही प्रविष्टि,

प्राप्ति-भुगतान पत्रक, आय-व्यय विवरण, आर्थिक चिट्ठा, वित्तीय प्रबंधन, ऋण प्रबंधन, वित्तीय कार्य निष्पादन सूचकांक, बचत, ऋण, बीमा आदि वित्तीय उत्पादों के महत्व पर गहन अभ्यास कराया गया। आंकड़ों एवं सूचनाओं के महत्व को समझाते हुए प्रतिभागियों से संकुल स्तरीय संघ के लिए योजना प्रपत्र भी भरवाए गए। डॉ सीमा राठौर, प्रशिक्षण प्रसार अधिकारी, डॉ नन्दकिशोर साह रिसोर्स पर्सन ने संयुक्त रूप से प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र विस्तृत किया प्रशिक्षण में मुख्य रूप से जनपद गाजीपुर, कन्नौज, बिजनौर, शामली के प्रतिभागी शामिल हुए। समापन सत्र में राज्य संसाधन व्यक्ति बैजनाथ राम, जिला संसाधन व्यक्ति अमित कुमार सिंह तोमर, मेघा वर्मा, सोनिया, देवेंद्र मिश्रा, कुमारी विमलेश, राजेंद्र सिंह, सूरज सिंह सहित अन्य प्रशिक्षक एवं अधिकारी मौजूद रहे। प्रशिक्षण के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

सम्पर्क सूत्र-बी0एल0यादव

01 जुलाई से लागू होगी विकसित भारत-जी राम जी योजना

● ग्रामीण परिवारों को मिलेगा 125 दिन के रोजगार का अवसर, आत्मनिर्भर गांवों के निर्माण को मिलेगी नई गति

उत्तर प्रदेश में योजना के शुभारंभ की जोरदार तैयारियां-केशव प्रसाद मौर्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊः उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि 'विकसित भारत- गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 (वीबी-जी राम जी)' ग्रामीण भारत के विकास और आत्मनिर्भर गांवों के निर्माण की दिशा में ऐतिहासिक पहल है। यह अधिनियम ग्रामीण परिवारों को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराएगा, उनकी आय सुरक्षा को सुदृढ़ करेगा तथा गांवों की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि 01 जुलाई, 2026 से लागू होने वाली इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उत्तर प्रदेश सरकार, ग्राम्य विकास विभाग द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा और प्रत्येक ग्रामीण परिवार को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण विकास के सशक्त संकल्प के साथ उत्तर प्रदेश निरंतर आत्मनिर्भर और समृद्ध गांवों के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहा है। अब ग्रामीण परिवारों को आजीविका के अधिक अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रोजगार की गारंटी अवधि को 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन किया गया है। यह निर्णय ग्रामीण श्रमिकों की आय वृद्धि, स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों के विस्तार और गांवों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने कहा कि रोजगार के अतिरिक्त दिनों से ग्रामीण परिवारों की आजीविका मजबूत होगी, स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों को गति मिलेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा प्राप्त होगी। यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के

'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मौर्य ने कहा कि वीबी-जी राम जी अभियान ग्रामीण श्रमिकों को सम्मानजनक रोजगार, पारदर्शी प्रक्रिया और आजीविका के नए अवसरों से जोड़ने का माध्यम बनेगा। योजना के प्रभावी संचालन से गांवों में रोजगार के साथ-साथ विकास कार्यों को भी नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार गांवों को सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। विकसित भारत के निर्माण में प्रदेश के ग्रामीण परिवारों की भी भागीदारी सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है।

सम्पर्क सूत्र-बी0एल0यादव

चकबंदी विभाग के कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान को लेकर प्रादेशिक बैठक संपन्न

● पदोन्नति, स्थानांतरण, लंबित वेतन और सेवा संबंधी मुद्दों पर शासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में जून प्रादेशिक क्षेत्रीय मिनिस्टिरियल कर्मचारी संघ, चकबंदी विभाग की बैठक शनिवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार गांधी भवन, कैसरबाग स्थित पुस्तकालय हाल में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार सक्सेना ने की। बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश प्रताप यादव, संयुक्त मंत्री नवीन प्रकाश पाल एवं राकेश कुमार, संगठन मंत्री नीरज कुमार अरुण, कार्यालय सचिव सरस्वती गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य सुनीता उपाध्याय, राहुल गुप्ता सहित प्रदेश कार्यकारिणी के अन्य पदाधिकारी एवं विभिन्न जनपदों के अध्यक्ष और मंत्री उपस्थित रहे। बैठक में वर्ष 2014 की नियमावली के अनुसार जनपदीय कार्यालयों में प्रधान सहायक एवं प्रशासनिक अधिकारी के पदों पर शासन स्तर से शीघ्र पदोन्नति किए जाने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। साथ ही गृह जनपद में तैनाती की नीति लागू करने तथा यदि यह संभव न हो तो

कर्मचारियों का स्थानांतरण उनके गृह मंडल के भीतर किए जाने की मांग की गई। बैठक में जनपद कौशाम्बी के कर्मचारियों का मई माह का लंबित वेतन तथा वर्ष 2025-26 की वार्षिक प्रविष्टि शीघ्र उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया, ताकि पदोन्नति एवं एसीपी से संबंधित किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर ऐसा शासनादेश जारी करने का अनुरोध करने का निर्णय लिया गया, जिसके तहत प्रत्येक माह के अंत में संबंधित जनपद के बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी यह प्रमाणित करें कि उनके जनपद में किसी भी कर्मचारी की कोई समस्या लंबित नहीं है। बैठक में जनपद इटावा के कनिष्ठ सहायक प्रमोद कुमार की लंबित समस्याओं के समाधान पर भी सहमति व्यक्त की गई। साथ ही वर्तमान कार्यकारिणी को पूर्व की भांति सक्रिय एवं गतिशील बनाए रखने का संकल्प लिया गया। बैठक के अंत में अध्यक्ष राजेंद्र कुमार सक्सेना ने सभी उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त किया। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार यह जानकारी संघ के महामंत्री रवि कुमार ने दी।

अनियंत्रित होकर पलटा ई-रिक्शा, चालक समेत चार घायल

गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के फतेहपुर रोड पर अंबारा पश्चिम मोड़ के पास शनिवार को सवारियों से भरा एक ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में चालक समेत चार लोग घायल हो गए। दो घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया। डलमऊ थाना क्षेत्र के टप्पा हवेली पूरे बाबा गांव निवासी बृजेश ई-रिक्शा से परिवार की रिंकी, उनकी बेटियां जान्हवी (8) और तान्या (4) तथा बिट्टू देवी के साथ रालपुर में एक रिश्तेदार के यहां धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। लौटते समय अंबारा पश्चिम मोड़ के पास ई-रिक्शा अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चालक बृजेश और रिंकी गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं दोनों बच्चियों और बिट्टू देवी को मामूली चोटें आईं। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बृजेश और रिंकी की गंभीर हालत देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

महराजगंज कोतवाली क्षेत्र के कुबना गांव में फलदार पेड़ों पर ठेकेदार द्वारा चलाया गया आरा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/ रायबरेलीः महराजगंज कोतवाली क्षेत्र के कुबना गांव में फलदार पेड़ों की कथित अवैध कटान का मामला सामने आने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। आरोप है कि, लकड़ी ठेकेदार 'जादूगर' द्वारा आम के हरे एवं सूखे फलदार पेड़ों पर बिना वैध अनुमति आरा चलवाकर शुक्रवार को कटान कराई गई। मामले के सामने आने के बाद स्थानीय ग्रामीणों में नाराजगी व्याप्त है और कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। आपको बता दें कि, वन विभागीय सूत्रों के अनुसार, संबंधित पेड़ों की कटान के लिए आवश्यक अनुमति होने को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। प्रारंभिक जानकारी में बिना वैध स्वीकृति के कटान किए जाने की बात सामने आई है। हालांकि, विभागीय स्तर पर मामले की जांच के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी। इस बीच कथित अवैध कटान से जुड़े फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। वायरल तस्वीरों के बाद मामला चर्चा का विषय बन गया है और ग्रामीणों ने दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग उठाई है। लोगों का कहना है कि, यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले ऐसे मामलों को बढ़ावा मिलेगा। सूत्रों का यह भी कहना है कि, यदि जांच में अवैध कटान की पुष्टि होती है तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम एवं अन्य प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा सकती है। फिलहाल पूरे मामले पर वन विभाग और स्थानीय प्रशासन की निगाहें टिकी हुई हैं। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि, जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाती है।महराजगंज कोतवाली क्षेत्र के कुबना गांव में फलदार पेड़ों की कथित अवैध कटान का मामला सामने आने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। आरोप है कि, लकड़ी ठेकेदार 'जादूगर' द्वारा आम के हरे एवं सूखे फलदार पेड़ों पर बिना वैध अनुमति आरा चलवाकर शुक्रवार को कटान कराई गई। मामले के सामने आने के बाद स्थानीय ग्रामीणों में नाराजगी व्याप्त है और कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। आपको बता दें कि, वन विभागीय सूत्रों के अनुसार, संबंधित पेड़ों की कटान के लिए आवश्यक अनुमति होने को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। प्रारंभिक जानकारी में बिना वैध स्वीकृति के कटान किए जाने की बात सामने आई है। हालांकि, विभागीय स्तर पर मामले की जांच के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी। इस बीच कथित अवैध कटान से जुड़े फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। वायरल तस्वीरों के बाद मामला चर्चा का विषय बन गया है और ग्रामीणों ने दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग उठाई है।

लोगों का कहना है कि, यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले ऐसे मामलों को बढ़ावा मिलेगा। सूत्रों का यह भी कहना है कि, यदि जांच में अवैध कटान की पुष्टि होती है तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम एवं अन्य प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा सकती है। फिलहाल पूरे मामले पर वन विभाग और स्थानीय प्रशासन की निगाहें टिकी हुई हैं। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि, जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाती है।

जमीन घोटाले में ईडी की बड़ी कार्रवाइ

लखनऊ। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गाजियाबाद के बिल्डर संदीप सिंह से पूछताछ की तैयारी शुरू कर दी है। ईडी अगले सप्ताह आरोपित को पूछताछ के लिए नोटिस भेजेगा। ईडी की लखनऊ जोनल इकाई ने गुरुवार को गाजियाबाद, नोएडा और दिल्ली में आरोपित तथा सेवा सुरक्षा सहकारी आवास समिति के पदाधिकारियों से जुड़े चार ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान ईडी की टीम को कई अहम दस्तावेज मिले हैं। ईडी ने इस मामले में पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की है। ईडी की अभी तक की जांच में यह बात सामने आई है कि श्रेष्ठ प्रापबिल्ड प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक संदीप सिंह भूमि घोटाले के मुख्य लाभार्थी है। आरोपित ने सशस्त्र सीमा बल के सेवानिवृत्त अधिकारियों की सेवा सुरक्षा सहकारी आवास समिति के सदस्यों को आधी जमीन पर 264 फ्लैट बनाकर देने का वादा किया था। इसके बदले समिति की शेष आधी जमीन के विकास और बिक्री के अधिकार अपने पक्ष में ले लिए थे।

टायर फटने से बेकाबू ही लोडर कार से टकराई पांच लोग घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज रायबरेली। कानपुर रायबरेली रोड पर आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना के निकट शनिवार को पिकअप का अगला टायर फट जाने के कारण पिक अप पिक अप अनियंत्रित होकर कर से टकरा गई ऐसे कर सवार आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना के कर्मचारी नेता समेत पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए घायलों को फौरन उपचार के लिए आरेडिका के अस्पताल ले जाया गया। जहां पांचो घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया। इनमें कर्मचारी नेता की हालत गंभीर बताई जा रही है। आधुनिक डिब्बा कारखाना के कर्मचारी नेता ओम प्रकाश बेला खारा में सिद्धार्थ ज्ञानोदय इंटर कॉलेज चलाते हैं। शनिवार को विद्यालय के प्रधानाचार्य राजकमल व शिक्षक संदीप कुमार कर में सवार होकर आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना से न्यायालय से संबंधित किसी कार्य को लेकर लखनऊ जा रहे थे। तभी आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना के निकट सामने से आ रहे पिकअप वाहन का टायर अचानक फट गया और वह घूम कर सामने आ रही उनकी कार से टकरा गया। इससे तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को फौरन उपचार के लिए आरेडीका स्थित अस्पताल पहुंचाया गया। जहां प्रधानाचार्य व शिक्षक की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल में फर्क किया गया जबकि कर्मचारी नेता की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें ट्रामा सेंटर लखनऊ के लिए रेफर किया है। हादसे के बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों वाहनों को सड़क हटाकर किनारे करवाया। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि घायलों को उपचार के लिए भेजा गया है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

सोनभद्र के ग्रामीण अंचलों में आर्थिक क्रांति की संवाहक बनतीं आत्मनिर्भर महिलाएं

उत्तर प्रदेश के जनपद सोनभद्र के ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को स्वावलंबी और आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने की दिशा में चलाई जा रही योजनाओं के परिणाम अब धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। प्रदेश सरकार की नीतियों और ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के समन्वय से सोनभद्र के सुदूर गांवों की महिलाओं के जीवन में एक अभूतपूर्व और सकारात्मक परिवर्तन आया है। पारंपरिक बंधनों और घर की चहारदीवारी से बाहर निकलकर महिलाएं अब लघु उद्योगों की स्थापना कर रही हैं और अपने परिवारों के आर्थिक संबल का मुख्य आधार बन रही हैं। यह बदलाव न केवल महिलाओं की व्यक्तिगत आय में वृद्धि कर रहा है बल्कि इस जनजातीय और ग्रामीण बहुल क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को भी एक नई गति प्रदान कर रहा है। इसी विकास यात्रा की एक अद्वितीय मिसाल जनपद के विकास खंड करमा के ग्राम ककरही में देखने को मिलती है जहां महिलाओं ने सामूहिक प्रयास से आत्मनिर्भरता की नई परिभाषा लिखी है।

सोनभद्र के ग्राम ककरही में संकल्प प्रेरणा महिला संकुल स्तरीय संघ के तत्वावधान में स्थापित किया गया सोया मिल्क प्लांट ग्रामीण महिला उद्यमिता का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा है। इस प्लांट की स्थापना के बाद से क्षेत्र की महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक स्तर में एक क्रांतिकारी बदलाव आया है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना से जुड़कर मौर्या आजीविका स्वयं सहायता समूह की अनेक महिलाएं वर्तमान में सोया मिल्क, सोया पनीर, सोया दही और सोया बड़ी जैसे उच्च गुणवत्ता वाले पौष्टिक उत्पादों का नियमित उत्पादन कर रही हैं। इन उत्पादों की बाजार में बढ़ती मांग के चलते समूह से जुड़ी प्रत्येक महिला हर महीने औसतन बीस हजार रुपये तक की सम्मानजनक आमदनी प्राप्त कर रही है जो जनपद के इस ग्रामीण परिवेश में उनके आर्थिक सशक्तिकरण को प्रदर्शित करता है।

त्योहारों और शादी-विवाह के विशेष अवसरों पर सोनभद्र के स्थानीय बाजारों में सोया पनीर की मांग अत्यधिक बढ़ जाती है जिसके कारण महिलाओं के लिए इसकी निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करना एक बड़ी और लाभप्रद चुनौती बन जाता है। इस व्यवसाय ने उन महिलाओं की जिंदगी को पूरी तरह बदल दिया है जो पहले केवल घरेलू कार्यों तक सीमित थीं और जिनके सामने अपने परिवारों के सुचारू भरण-पोषण की गंभीर समस्या बनी रहती थी। अब स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है और नियमित आय सुनिश्चित होने से इन महिलाओं का न केवल घरेलू स्तर पर सम्मान बढ़ा है बल्कि बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर होने वाले खर्चों के लिए भी वे पूरी तरह आत्मनिर्भर हो चुकी हैं। वैवाहिक सीजन के दौरान मांग में भारी उछाल आने से उनकी आय में और अधिक वृद्धि हो जाती है जिससे उनका उत्साह दोगुना हो जाता है।

इस सफल उद्यम की नींव को मजबूत करने में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा प्रदान किए गए तकनीकी और व्यावसायिक प्रशिक्षण की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रदेश सरकार के मार्गदर्शन में संचालित इस मिशन के माध्यम से महिलाओं को सोयाबीन से दूध और पनीर बनाने की वैज्ञानिक और आधुनिक पद्धतियों का गहन प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया। इस प्रशिक्षण सत्र ने महिलाओं को प्लांट के संचालन से लेकर उत्पादन की बारीक से बारीक तकनीकों को समझने में सक्षम बनाया। लगभग साढ़े तीन लाख रुपये की प्रारंभिक लागत से स्थापित इस सोया मिल्क प्लांट की दैनिक उत्पादन क्षमता इतनी सुदृढ़ है कि यहां हर दिन लगभग अस्सी किलोग्राम तक ताजा और शुद्ध सोया पनीर आसानी से तैयार कर लिया जाता है।

सोनभद्र और आसपास के स्थानीय बाजारों में इस शुद्ध और स्वास्थ्यवर्धक सोया पनीर की बढ़ती लोकप्रियता ने ग्रामीण महिलाओं के भीतर एक नया और सुदृढ़ आत्मविश्वास जगाया है। उत्पाद की निरंतर बिक्री और ग्राहकों से मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया से उत्साहित होकर इन महिलाओं ने अब अपने व्यापार का विस्तार करने की योजना बनाई है। स्वयं सहायता समूह की सक्रिय सदस्य अब न केवल अपने मौजूदा सोया उत्पादों की व्यापक स्तर पर ब्रांडिंग और पैकेजिंग करने का विचार कर रही हैं बल्कि वे आने वाले समय में खोवा बनाने का एक नया आधुनिक प्लांट स्थापित करने की दिशा में भी कदम बढ़ा रही हैं। यह दूरदर्शिता दर्शाती है कि जनपद की ग्रामीण महिलाएं अब सिर्फ श्रमिक नहीं बल्कि कुशल व्यवसायी की भूमिका में आ चुकी हैं। इस उद्यम की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि इन महिलाओं ने केवल उत्पादन तक खुद को सीमित नहीं रखा बल्कि उत्पाद की बिक्री के लिए स्वयं सक्रिय होकर बाजार भी विकसित किया है। उन्होंने सोनभद्र के विभिन्न होटलों, व्यावसायिक दुकानों, ढाबों और मैरिज लॉन व गेस्ट हाउसों में व्यक्तिगत रूप से संपर्क स्थापित कर अपने उत्पादों की व्यावसायिक आपूर्ति के रास्ते खोले हैं। महिलाओं के इस आत्मनिर्भर प्रयास और प्रशासनिक सहयोग के फलस्वरूप उन्हें राज्य स्तर पर गरिमामयी सम्मान भी प्राप्त हो चुका है जो उनके संघर्ष और सफलता की कहानी पर गौरव की मुहर लगाता है। यह सम्मान इस बात का जीवंत प्रमाण है कि यदि ग्रामीण महिलाओं को उचित अवसर और वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराए जाएं तो वे समाज में खुद को सर्वश्रेष्ठ साबित कर सकती हैं।

प्रदेश सरकार सोनभद्र सहित सभी ग्रामीण क्षेत्रों से गरीबी के उन्मूलन और महिला सशक्तिकरण की गति को तीव्र करने के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन का अत्यंत सुदृढ़ और प्रभावी संचालन कर रही है। राज्य के अत्यंत सुदूरवर्ती गांवों में आर्थिक और सामाजिक बदलाव लाने के उद्देश्य से क्रियान्वित इस मिशन के केंद्र में पूर्ण रूप से ग्रामीण महिलाएं ही हैं। इन महिलाओं को छोटे-छोटे स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर न केवल वित्तीय सुरक्षा प्रदान की जा रही है बल्कि उन्हें आत्मनिर्भरता के मार्ग पर अग्रसर किया जा रहा है। यह मिशन महज एक वित्तीय सहायता योजना नहीं है बल्कि इसने ग्रामीण समाज की सदियों पुरानी रूढ़िवादी सोच को बदलने और महिलाओं को निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल करने का कार्य किया है।

उत्तर प्रदेश में इस मिशन के अंतर्गत लाखों महिलाओं को व्यवस्थित तरीके से संगठित करके उन्हें सीधे बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा गया है। इस पारदर्शी व्यवस्था के कारण महिलाओं को बिना किसी मध्यस्थ या बिचौलिये के सीधे बैंक ऋण, अनुदान और अन्य महत्वपूर्ण सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का पूरा लाभ सीधे उनके खातों में मिल पा रहा है। ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन के इतिहास में यह मिशन एक युगांतरकारी कदम साबित हुआ है क्योंकि इसने महिलाओं को घर की चहारदीवारी के पारंपरिक परिवेश से बाहर निकालकर सीधे उद्यमशीलता की मुख्यधारा की ओर अग्रसर कर दिया है। मिशन के तहत गठित इन समूहों के माध्यम से महिलाओं को कृषि, आधुनिक पशुपालन, डेयरी विकास, पारंपरिक हस्तशिल्प और सिलाई-कढ़ाई जैसे विविध क्षेत्रों में उन्नत तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस निरंतर तकनीकी सहायता और व्यावसायिक कौशल विकास से न केवल महिलाओं की कार्यक्षमता और हुनर में भारी वृद्धि हुई है बल्कि वे अपने स्थानीय स्तर पर ही छोटे-छोटे कुटीर उद्योगों की सफलतापूर्वक स्थापना करने में सक्षम रही हैं। सोनभद्र जैसे विशिष्ट भौगोलिक परिवेश वाले जिले में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी ये कर्मठ महिलाएं सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन दुकानों का संचालन, परिषदीय विद्यालयों के बच्चों के लिए स्कूल यूनिफॉर्म की सिलाई और ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली बिल संकलन जैसे महत्वपूर्ण और जिम्मेदारी भरे सरकारी कार्यों में भी अपनी सक्रिय और सराहनीय भागीदारी निभा रही हैं। इन विविध गतिविधियों से उनकी मासिक आय पूरी तरह सुनिश्चित हुई है जिससे ग्रामीण परिवारों के भरण-पोषण में उनकी स्थिति अत्यधिक मजबूत और निर्णायक हो गई है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की एक और सबसे बड़ी विशिष्टता यह है कि इसने ग्रामीण महिलाओं को न केवल आर्थिक रूप से समृद्ध किया है बल्कि उन्हें बेहतरीन वित्तीय साक्षरता भी प्रदान की है। डिजिटल लेन-देन और आधुनिक बैंकिंग प्रणाली के प्रति जागरूक बनाकर महिलाओं को समाज में एक नया दृष्टिकोण दिया गया है। मिशन के अंतर्गत शुरू की गई 'बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट सखी' यानी बीसी सखी जैसी अभिनव और दूरदर्शी पहलों ने ग्रामीण अंचलों में वित्तीय सेवाओं को हर घर के दरवाजे तक पहुँचाने का अद्भुत कार्य किया है। इस व्यवस्था ने जहाँ एक ओर ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग को सुगम बनाया है वहीं दूसरी ओर सैकड़ों महिलाओं के लिए नियमित रोजगार और सम्मान के नए द्वार पूरी तरह खोल दिए हैं। डिजिटल और वित्तीय साक्षरता से लैस होकर ग्रामीण महिलाएं अब स्वयं अपनी बचत और निवेश से जुड़े वित्तीय फैसले लेने में पूरी तरह सक्षम हो चुकी हैं जिससे उनके आत्मसम्मान को एक नया आकाश मिला है। जिला प्रशासन और प्रदेश सरकार सोया पनीर और अन्य स्थानीय उत्पादों की व्यापक स्तर पर ब्रांडिंग, पैकेजिंग और मार्केटिंग के लिए स्वयं सहायता समूहों को हर संभव तकनीकी व प्रबंधकीय मदद उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं ताकि इन ग्रामीण उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके। सामूहिक सहभागिता, सरकारी नीतियों के ईमानदार क्रियान्वयन और महिलाओं के अटूट हौसलों के संगम से सोनभद्र का ग्रामीण अंचल आज पारंपरिक बंधनों को तोड़कर एक ऐसे नए युग में प्रवेश कर रहा है जहां नारी शक्ति आर्थिक और सामाजिक रूप से पूरी तरह सशक्त होकर विकसित समाज के निर्माण का सबसे मजबूत और अटूट आधार बन चुकी है। **जनपद सोनभद्र**

उ.प्र. में भाजपा का नया संगठन: 'मिशन 2027' की तैयारी तेज

संपादक/लेखकः राजीव शुक्ला

उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से करीब 8 महीने पहले उत्तर प्रदेश भाजपा में सबसे बड़ा संगठनात्मक बदलाव दस्तक दे रहा है। दिसंबर 2025 में पंकज चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने के बाद अब पार्टी 'टीम यूपी 2.0' को अंतिम रूप देने में जुटी है। सूत्रों के मुताबिक यह बदलाव सिर्फ फेरबदल नहीं, बल्कि 2027 की 'वार रूम टीम' है। 50% तक नए चेहरे को तवज्जो दी गई हैं और यह'एंटी-इंकबेंसी' काटने की तैयारी है। बीजेपी हाईकमान ने साफ कर दिया है कि नई टीम में करीब 50% बदलाव होंगे। इसका मकसद है- नए चेहरे, नया जोशः लंबे समय से एक ही पद पर जमे लोगों को हटाकर युवा और बूथ लेवल तक पकड़ रखने वालों को मौका। दोहरी जिम्मेदारी खत्मः कई पदाधिकारियों के पास संगठन + सरकार दोनों का चार्ज है। अब इसे खत्म किया जाएगा। 2024 का सबकः लोकसभा चुनाव में यूपी में सीटें घटने के बाद पार्टी अब PDA के जवाब में OBC- युवा आउटरीच पर फोकस कर रही है। सभी 6 क्षेत्रीय अध्यक्ष बदले यूपी को भाजपा ने 6 क्षेत्रों में बांटा हैः काशी, अवध, गोरखपुर, कानपुर, ब्रज, बुंदेलखंड। भाजपा ने सभी 6 क्षेत्रीय अध्यक्षों को बदल दिया है । नए अध्यक्ष अपनी टीम खुद बनाएंगे। जाति-क्षेत्र का फॉर्मूलाः पश्चिमः गुर्जर-वैश्य को तवज्जो, अवधः ब्राह्मण नेतृत्व को आगे बढ़ाने की रणनीति। ब्रज में शाक्य या लोध समाज से बड़ा चेहरा। काशी में OBC, खासकर पटेल/कुर्मी प्रतिनिधित्व। प्रदेश कार्यकारिणी में बड़ा कट- वर्तमान में प्रदेश टीम में 7 महामंत्री, 18 उपाध्यक्ष, 16 सचिव हैं। क्या बदलेगाः महामंत्री 7 से 6 होंगे। यूपी की विशालता को देखते हुए ढांचा तो वही रहेगा, लेकिन पद कम होंगे। युवा + महिलाः टीम में एक तिहाई महिलाओं को प्रतिनिधित्व। उम्र पर खास ध्यान। 7 मोर्चों के नए अध्यक्षः युवा मोर्चा, महिला मोर्चा, किसान, ओबीसी, SC, ST, अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष भी जल्द घोषित होंगे। 'मंत्रिमंडल के बाद संगठन' मॉडल- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल में कैबिनेट विस्तार किया। अब उसी तर्ज पर संगठन में बदलाव हो रहा है। संतुलन का खेलः जिन क्षेत्रों से मंत्री ज्यादा हैं, वहां संगठन में पद कम होंगे ताकि असंतुलन न रहे। ब्रजः 12 मंत्री हैं, इसलिए संगठन में भागीदारी कम हो सकती है गोरखपुरः कैबिनेट में विस्तार नहीं मिला, तो प्रदेश इकाई में ज्यादा चेहरे मिल सकते हैं। PDA vs भाजपा का नया फॉर्मूला। 2027 चुनाव के लिए भाजपा की रणनीति 3 पिलर पर है। PDA का मुकाबला*: गैर-यादव OBC जैसे कुर्मी, लोध, मौर्य, सैनी, निषाद, राजभर को अहम जिम्मेदारी। पंकज चौधरी का कुर्मी बैकग्राउंड पूर्वांचल में OBC वोट साधेगा। बूथ मजबूतीः सोशल मीडिया + जमीनी अभियान में सक्रिय, बूथ तक पकड़ वाले चेहरे। क्षेत्रीय संतुलनः पूर्वांचल के बाद अब पश्चिम यूपी, बुंदेलखंड, अवध, ब्रज को ज्यादा प्रतिनिधित्व। ये सिर्फ संगठन नहीं, बल्कि भाजपा का '2027 मॉडल' है। लक्ष्य साफ है - नए चेहरों, सामाजिक समीकरण और बूथ मैनेजमेंट के जरिए सपा के PDA को काटकर फिर से 2/3 बहुमत लाना। अब देखना ये है कि 'परफॉर्मेंस' जीतता है या 'पैरवी'।

आगजनी के हादसों में कब तक झुलसती रहेंगी मासूम जिंदगियां?

विज्ञान ने मानव जीवन को जितनी सुविधाएं प्रदान की हैं, उतनी ही चुनौतियां भी खड़ी की हैं। आधुनिक तकनीक और विकास के इस दौर में आगजनी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। यह विडंबना ही है कि विज्ञान का वरदान कई बार मानवीय लापरवाही और स्वार्थ के कारण अभिशाप में बदल जाता है। विश्व का सर्वाधिक आबादी वाला देश होने के कारण भारत में आगजनी की घटनाओं से जन-धन की हानि का जोखिम भी सबसे अधिक है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि अधिकांश हादसे प्राकृतिक कारणों से नहीं, बल्कि मानवीय लापरवाही, नियमों की अनदेखी, भ्रष्टाचार और अवैध निर्माण के कारण होते हैं। इन दुर्घटनाओं की कीमत अक्सर निर्दोष और मासूम लोगों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ती है। भारतीय संविधान और भवन निर्माण संबंधी नियमों के अंतर्गत प्रत्येक शहर और गाँव में सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य किया गया है। इन नियमों का पालन कराना स्थानीय निकायों और प्रशासन की जिम्मेदारी है। किंतु आज विकास की अंधी दौड़ में ऊँची-ऊँची इमारतें तो खड़ी हो रही हैं, पर उनमें रहने और काम करने वालों की सुरक्षा को लेकर गंभीर लापरवाही बरती जा रही है। यदि ग्राम पंचायतों, नगर पालिकाओं और महानगर पालिकाओं द्वारा निष्पक्षता और ईमानदारी से निरीक्षण कराया जाए, तो देश के अधिकांश शहरों में बड़ी संख्या में ऐसे भवन मिलेंगे, जिनका निर्माण नियमों की अनदेखी कर किया गया है। कहीं अग्निशमन के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं, तो कहीं आपातकालीन निकास तक उपलब्ध नहीं है। ऐसे भवन किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं। देश के अधिकांश शहरों, कस्बों और जिला मुख्यालयों के बाजार लगातार संकरे होते जा रहे हैं। अतिक्रमण और अवैध निर्माण ने चौड़ी सड़कों को भी संकीर्ण गलियों में बदल दिया है। प्रभावशाली लोगों के दबाव और भ्रष्ट तंत्र के कारण प्रशासन समय रहते कार्रवाई नहीं कर पाता। परिणामस्वरूप जब आग लगती है, तब दमकल की गाड़ियां घटनास्थल तक पहुँचने में भी असमर्थ हो जाती हैं और छोटी-सी घटना कुछ ही मिनटों में भीषण त्रासदी का रूप ले लेती है। हाल ही में उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में हुई भीषण आग की घटना ने एक बार फिर पूरे देश को झकझोर दिया। यह हादसा केवल एक शहर की त्रासदी नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए चेतावनी है। प्रश्न यह है कि आखिर आधुनिकता और विकास की इस अंधी दौड़ में कब तक मासूम जिंदगियां यूँ ही आग की लपटों में समाती रहेंगी? आज सरकारी अभिलेखों में सड़कों की चौड़ाई कुछ और है, जबकि वास्तविकता कुछ और। धीरे-धीरे अतिक्रमण और अवैध निर्माण ने सार्वजनिक स्थानों को निगल लिया है। विकास के नाम पर नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है और धनबल तथा प्रभाव के सहारे अवैध निर्माण को वैधता का संरक्षण मिलता दिखाई देता है। सबसे अधिक चिंताजनक बात यह है कि जब तक कोई दुर्घटना नहीं होती, तब तक सब कुछ सामान्य माना जाता है। लेकिन जैसे ही कोई भीषण हादसा होता है, तब प्रशासन को अचानक अवैध निर्माण, अग्नि सुरक्षा की कमी और नियमों के उल्लंघन याद आने लगते हैं। यदि यही सतर्कता पहले दिखाई जाए, तो अनेक जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति केवल ऊँची इमारतों और आधुनिक तकनीक से नहीं होती, बल्कि कानून के प्रति सम्मान, ईमानदारी और नागरिक जिम्मेदारी से होती है। भ्रष्टाचार केवल सरकारी तंत्र की समस्या नहीं है, बल्कि वह नागरिकों की गलत मानसिकता का भी परिणाम है। जब लोग नियमों का पालन करने के बजाय शॉर्टकट अपनाने लगते हैं, तब दुर्घटनाएँ अनिवार्य हो जाती हैं। आगजनी, जलभराव और अवैध निर्माण से होने वाली अधिकांश दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है, यदि सरकार कठोर इच्छाशक्ति का परिचय दे। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसी प्रत्येक घटना में संबंधित ग्राम पंचायत, नगर पालिका, महानगर पालिका तथा जिम्मेदार अधिकारियों की व्यक्तिगत जवाबदेही तय की जाए। जब तक लापरवाही पर कठोर दंड नहीं मिलेगा, तब तक व्यवस्थाएँ नहीं सुधरेंगी। दुर्भाग्य यह भी है कि हर बड़े हादसे के बाद पूरा देश कुछ दिनों तक शोक व्यक्त करता है, संवेदनाएँ प्रकट करता है और भविष्य में ऐसी घटनाएं रोकने के बड़े-बड़े संकल्प लिए जाते हैं। लेकिन कुछ ही दिनों बाद सब कुछ भुला दिया जाता है और व्यवस्था फिर उसी ढर्रे पर लौट आती है। अगली त्रासदी तक हमारा यह क्षणिक वैराग्य समाप्त हो जाता है। यदि वास्तव में निर्दोष नागरिकों का जीवन बचाना है, तो सरकार, प्रशासन और समाज—तीनों को अपनी-अपनी जिम्मेदारियाँ ईमानदारी से निभानी होंगी।

अरविंद रावल

वन्यजीव नहीं, उजड़ते जंगल गांवों के दरवाज़े पर हैं

[गांवों पर बढ़ता वन्यजीव संकट, विकास नीति पर उठते सवाल]

[सिकुड़ते जंगल, बढ़ता भय — विकास की कीमत कौन चुकाएगा?]

जंगलों से उठती आह अब गांवों की दहलीज तक सुनाई देने लगी है। आधी रात खेतों में उतरते हाथी, बस्तियों के आसपास मंडराते तेंदुए और घरों की चौखट तक पहुंचते बाघ केवल वन्यजीव नहीं, बल्कि उस अंधाधुंध विकास के मौन साक्ष्य हैं जिसने उनसे उनका आशियाना छीन लिया। विडंबना यह है कि जिस देश ने सदियों तक वृक्षों को देवता और वन्यजीवों को प्रकृति का परिवार माना, वहीं आज गांवों में जंगल का नाम भय का पर्याय बनता जा रहा है। यह संघर्ष किसी एक किसान और एक जानवर के बीच नहीं, बल्कि उस बिगड़े संतुलन की कहानी है जिसमें मनुष्य ने प्रकृति की सीमाएं लांघ दीं और अब प्रकृति उसी भाषा में जवाब दे रही है। सवाल यह नहीं कि वन्यजीव गांवों में क्यों आ रहे हैं, असली सवाल यह है कि उनके जंगल आखिर बचे कहां हैं? आंकड़े बताते हैं कि यह संकट अब भयावह हकीकत बन चुका है। वर्ष 2019 से 2024 के बीच हाथियों के हमलों में 2700 से अधिक लोगों की जान गई, यानी हर साल करीब पांच सौ परिवार उजड़ रहे हैं। बाघों और तेंदुओं के हमले भी लगातार बढ़ रहे हैं। खेतों की तबाही ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ दी है। महाराष्ट्र में वन्यजीवों से कृषि नुकसान प्रतिवर्ष दस हजार से चालीस हजार करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। कर्नाटक के कोडागु में आधे किसान हर साल करीब नब्बे हजार रुपये गंवा रहे हैं। तमिलनाडु के पश्चिमी घाट के कई क्षेत्रों में 90 प्रतिशत से अधिक किसान वन्यजीवों को सबसे बड़ी समस्या मानते हैं, क्योंकि उनकी आधे से अधिक फसल जंगल निगल जाता है। जलवायु परिवर्तन, सिकुड़ते जंगल और बेलगाम विकास ने ऐसी स्थिति बना दी है कि न जंगल सुरक्षित हैं, न गांव। मध्यप्रदेश का बावनगजा भी इस बढ़ते संकट की आहट महसूस कर रहा है। दुनिया यहां 52 गज ऊंची जैन प्रतिमा देखने आती है, लेकिन स्थानीय लोग वन्यजीवों की बढ़ती आवाजाही का असर भी देख रहे हैं। भीषण गर्मी से जंगलों के जलस्रोत सूख गए, भोजन घटा और वन्यजीव गांवों की ओर उतर आए। दिन में श्रद्धालुओं की घंटियां गूंजती हैं, रात में जंगल की हलचल बढ़ जाती है। कई बार खेतों को नुकसान पहुंचता है और ग्रामीणों के सामने नई चुनौतियां खड़ी हो जाती हैं। बावनगजा आज केवल तीर्थ नहीं, बल्कि उस राष्ट्रीय संकट का प्रतीक बन चुका है, जहां प्रकृति और विकास आमने-सामने खड़े हैं। यह संकट अब खेतों से निकलकर पूरे ग्रामीण जीवन पर छा चुका है। बच्चे स्कूल जाते समय रास्ते बदलते हैं। महिलाएं जंगल की ओर कदम बढ़ाने से पहले कई बार सोचती हैं। बुजुर्ग रातभर घर और खेत की रखवाली करते हैं। भय अब दिनचर्या का हिस्सा बन गया है। उधर मुआवजे की जटिल प्रक्रिया पीड़ित परिवारों की पीड़ा और बढ़ा देती है। सरकारी फाइलें उस किसान का दर्द नहीं समझती, जिसकी फसल, मवेशी या अपना एक पल में छिन गया। नतीजा यह है कि जिस समाज ने कभी वन्यजीवों को पूजनीय माना था, वही आज उन्हें सबसे बड़ा दुश्मन मानने लगा है। सह-अस्तित्व की भारतीय परंपरा अब अविश्वास में बदलती जा रही है। इस संकट का हल केवल बंदूक, पिंजरे या वन्यजीवों को खदेड़ने में नहीं है। रास्ता वहीं निकलेगा, जहां विज्ञान, संवेदना और प्रभावी नीति साथ चलें। जंगलों के प्राकृतिक कॉरिडोर सुरक्षित हों, सौर फेंसिंग और सुरक्षा खाइयां बनें, रियल-टाइम ट्रैकिंग प्रणाली विकसित हो तथा गांवों तक त्वरित चेतावनी पहुंचे।

सबसे जरूरी है कि नुकसान का मुआवजा पारदर्शी और समयबद्ध मिले, ताकि किसान को न्याय के लिए दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें। यदि विकास परियोजनाओं पर हजारों करोड़ खर्च हो सकते हैं, तो जंगलों की सीमा पर देश की पहली चौकी बने लोगों की सुरक्षा और सम्मान भी उतनी ही प्राथमिकता का विषय होना चाहिए। बावनगजा जैसे क्षेत्रों में स्थानीय समुदाय की भागीदारी के बिना कोई योजना सफल नहीं हो सकती। सामुदायिक गश्त, वन विभाग और ग्रामीणों के बीच सतत संवाद, वैज्ञानिक इको-टूरिज्म तथा हर्बल खेती, वन-उत्पाद आधारित उद्योग और पर्यटन से जुड़ी आजीविकाएं इस संकट को अवसर में बदल सकती हैं। जब गांव की आजीविका जंगल से जुड़ेगी, तब जंगल दुश्मन नहीं, सहयोगी बनेगा। बच्चों की शिक्षा में भी वन्यजीवों के साथ सह-अस्तित्व को केवल पाठ्यक्रम नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टि बनाना होगा। आखिर संरक्षण कानूनों से नहीं, संस्कारों से मजबूत होता है। सबसे बड़ा सवाल हमारी विकास नीति के सामने खड़ा है। क्या विकास का अर्थ केवल जंगल काटकर सड़कें बिछाना है? क्या प्रगति का पैमाना सिर्फ कंक्रीट का विस्तार है? यदि यही सोच रही, तो आने वाले वर्षों में गांवों और जंगलों का संघर्ष और भयावह होगा। प्रकृति प्रतिशोध नहीं लेती, वह केवल अपना संतुलन वापस मांगती है। जब मनुष्य उसकी सीमाएं लांघता है, तब प्रकृति उसे उसकी अपनी सीमाओं का अहसास करा देती है। इसलिए विकास को प्रकृति-विरोधी नहीं, बल्कि प्रकृति-संगत बनाना अब विकल्प नहीं, राष्ट्रीय आवश्यकता है। देश के वन-सीमांत गांव एक स्पष्ट संदेश दे रहे हैं। बावनगजा से लेकर कोडागु और पश्चिमी घाट तक एक ही पुकार है—जंगल बचेंगे तो गांव बचेंगे, गांव बचेंगे तो किसान बचेगा और किसान बचेगा तो भारत बचेगा। मनुष्य और वन्यजीवों का यह संघर्ष किसी एक की जीत से नहीं थमेगा। इसका समाधान केवल संतुलन, सह-अस्तित्व और इस स्वीकार में है कि धरती पर जितना अधिकार मनुष्य का है, उतना ही जंगल के हर जीव का भी। इतिहास बताता है कि जिसने प्रकृति को चुनौती दी, अंततः वही पराजित हुआ। अब फैसला हमारे हाथ में है—चेतावनी को समझें या आने वाली पीढ़ियों के लिए केवल पछतावा छोड़ जाएं।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

दैनिक राशिफल

मेषः आज कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी और नए अवसर मिल सकते हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा तथा आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लेना लाभदायक रहेगा।

वृषभः कारोबार और नौकरी में प्रगति के संकेत हैं। पुराने मित्र या परिचित से मुलाकात हो सकती है, जिससे भविष्य में लाभ के अवसर बनेंगे।

मिथुनः रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है। विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे लोगों के लिए दिन अनुकूल रहेगा।

कर्कः परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। कार्यस्थल पर आपकी जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, जिन्हें आप सफलता से पूरा करेंगे।

सिंहः आत्मविश्वास के बल पर महत्वपूर्ण कार्य पूरे होंगे। खर्चों पर नियंत्रण रखें और किसी भी निवेश से पहले अच्छी तरह विचार करें।

कन्याः व्यापार में लाभ के अच्छे योग हैं। दांपत्य जीवन मधुर रहेगा तथा स्वास्थ्य का ध्यान रखने से दिन बेहतर रहेगा।

तुलाः सामाजिक मान-सम्मान में वृद्धि होगी। नए संपर्क भविष्य में लाभदायक सिद्ध होंगे और रुके हुए कार्यों में गति आएगी।

वृश्चिकः आज आपकी निर्णय लेने की क्षमता मजबूत रहेगी। किसी शुभ समाचार से मन प्रसन्न रहेगा और परिवार में खुशियों का माहौल बनेगा।

धनुः करियर में उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मकरः कार्यक्षेत्र में सफलता मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति का सहयोग भविष्य के लिए लाभदायक साबित हो सकता है।

कुंभः नई योजनाओं पर काम शुरू करने के लिए दिन अच्छा है। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी और मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

मीनः भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और रुके हुए कार्य पूरे होंगे। धार्मिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी तथा मन शांत रहेगा।

प्राकृतिक आपदा आने से पहले तैयार रहना होगा, आपदा पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक

आपदा सदैव अनअपेक्षित घटना होती है। जो मानवीय नियंत्रण से सदैव से बाहर होती है। प्राकृतिक आपदा अल्प समय में बिना किसी पूर्व सूचना के घटित होती है, जिससे मानव जीवन के सारे क्रियाकलाप अवरुद्ध हो कर,जान और माल की बड़ी हानि होती है । आर्थिक तंत्र एवं विकास तीतर बितर हो जाते हैं। आपदा की विद्रूपता, भयानक स्वरूप एवं निरंतरता मानव जीवन तथा समाज, देश को बड़ी हानि पहुंचाते हैं, एवं उस देश की आर्थिक स्थिति में गहरी चोट करते हैं। इन प्राकृतिक आपदाओं से देश की प्रगति.पर चोट पहुंचती है। तथा राष्ट्र को आर्थिक रूप से बहुत पीछे खींच कर ले जाती है। आपदा प्रबंधन में जापान से सीख ली जा सकती है। क्योंकि जापान आपदा प्रबंधन में विश्व में अग्रणी देश माना जाता है। जापान पृथ्वी के ऐसे क्षेत्र में अवस्थित है, जहां भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी जैसी प्राकृतिक आपदाएं सदैव आती रहती हैं। जापान में आपदा प्रबंधन की अत्याधुनिक तकनीक को याकोहामा रणनीति कहा जाता है। जापान में आपदा प्रबंधन की साल भर नियमित रूप से मॉनिटरिंग कर एक्सरसाइज की जाती रहती है, एवं आपदाओं पर निरंतर निगरानी तथा नजर रखी जाती है,एवं इसके निदान के लिए पूर्व से ही सुनियोजित योजना बनाकर नागरिकों को सुरक्षित कर लिया जाता है। भारत को भी इसी तरह आपदा प्रबंधन को अपनाकर अन्य आपदाओं के साथ कोविड-19 के लिए सतर्क होकर कार्रवाई की जानी चाहिए। आपदाओं के प्रति मानवीय सभ्यता के संदर्भ में समाज के आर्थिक सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग को ज्यादा प्रभावित करती है। एवं समाज का सबसे संवेदनशील तबका यानी वृद्ध व्यक्ति, महिलाएं, बच्चों, दिव्यांग लोगों को प्राकृतिक आपदाओं से सबसे ज्यादा खतरा बना रहता है। आपदा के समय सबसे ज्यादा निम्न आय वर्ग का व्यक्ति तथा मजदूर तबके का व्यक्ति सबसे ज्यादा प्रभावित होकर उसकी दिनचर्या समूह रूप से छिन्न-भिन्न हो जाती है, एवं आर्थिक साधन भी नष्ट हो जाते हैं, जिससे उसे आजीविका का एक बड़ा भय सताने लगता है। भारत के भू भाग का लगभग 58% क्षेत्र भूकंप की संभावना वाला क्षेत्र है, जिसमें हिमालयिन क्षेत्र,पूर्वोत्तर राज्य, गुजरात का कुछ क्षेत्र, अंडमान निकोबार द्वीप समूह भूकंप की दृष्टि से सबसे सक्रीय क्षेत्र रहें है। देश के 65 से 68% भूभाग पर कभी कम कभी ज्यादा भीषण रूप से सूखा पड़ता है, इसी तरह भारत के पश्चिमी और प्रायद्वीपीय राज्य में मुख्यतः शुष्क तथा अर्ध शुष्क न्यून नमी वाले क्षेत्र सूखे से सदैव प्रभावित रहते हैं। बाढ़ से प्रभावित भूमि का विस्तार क्षेत्र देश के 12% है, यानी 7 करोड़ हेक्टेयर जमीन में भूकंप आने की संभावना सदैव बनी रहती है। हिमालय क्षेत्र देश के पर्वतीय क्षेत्र मैं भूस्खलन की गंभीर समस्या की संभावना सदैव बनी रहती है। देश के विशाल तटवर्ती क्षेत्र में चक्रवात तथा सुनामी की भयावह स्थिति की संभावना सदैव बनी रहती है।अब भारत में विश्व के साथ-साथ करोना संक्रमण की भयानक महामारी से प्रभावित होकर हजारों लाखों नागरिकों की जान गवा कर इस आपदा से जंग लड़ रहा है, यह कोविड-19 की महामारी या आपदा प्राकृतिक है या मानव निर्मित यह तो भविष्य ही बताएगा, किंतु इस महामारी ने पूरे वैश्विक स्तर पर आकस्मिक रूप से मानव जीवन में मृत्यु का तांडव मचा के रख दिया है। ऐसी ही अनपेक्षित आपदाओं का पूर्वानुमान अथवा आकलन किया जाना पहले से संभव नहीं हो सकता है। ऐसे में राष्ट्रीय अन्य योजनाओं के साथ-साथ आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अत्यधिक सावधानी पूर्वक योजना तथा विभाग बनाने चाहिए, देश में जापान जैसे देश की तरह आपदा प्रबंधन से निपटने के लिए अत्याधुनिक आपदा प्रबंधन सिस्टम को तैनात कर तैयार रखने की आवश्यकता होगी। भारत को आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विभाग को चुस्त-दुरुस्त तथा अत्याधुनिक तकनीक से युक्त रखने की आवश्यकता है। तूफानी चक्रवात, सुनामी, भूस्खलन, भूकंप, सूखा बाढ़ के अलावा अब कोविड-19 यानी करोना संक्रमण जैसी खतरनाक बीमारियां भारत देश को अपना निशाना बना कर रखा है ।ऐसे में भारत में मध्यम दर्जे का या निम्न दर्जे का आपदा प्रबंधन सिस्टम किसी भी काम का ना रहेगा, एवं इससे भारी जानमाल की हानि होने की संभावना सदैव बनी रहेगी। भारत में आपदा प्रबंधन के लिए 1990 में कृषि मंत्रालय के अंतर्गत डिजास्टर मैनेजमेंट सेल स्थापित किया गया था। लेकिन 1993 में लातूर के भूकंप तथा 1998 में मालपा के भूस्खलन तथा 1999 में ओडिशा में सुपर साइक्लोन तथा 2001 में भुज के भूकंप के बाद देश में एक मजबूत आपदा प्रबंधन की व्यवस्था की जरूरत को महसूस करते हुए जे,सी, पंत जी की अध्यक्षता में हाई पावर कमेटी की रिपोर्ट में एक सुव्यवस्थित तथा व्यापक सिस्टम तथा विभाग की स्थापना की आवश्यकता प्रतिवेदित की गई थी। 2002 में आपदा को देश की आंतरिक सुरक्षा का मामला मानते हुए आपदा को गृह मंत्रालय के अंतर्गत समाविष्ट किया गया। आपदा प्रबंधन के इतिहास में 2005 में एक बड़ा परिवर्तन लाया गया भारत सरकार ने आपदा को अपनी कार्ययोजना के एक चक्रीय क्रम के रूप में प्रबंधित किया, जिसमें आपदा आ जाने के बाद इसके बचाव, नुकसान की भरपाई, निदान तथा आपदा आने के पूर्व की तैयारी तथा योजना को मूर्त रूप देने का एक सुनियोजित तरीका तैयार किया गया था। आपदा से खतरे का स्तर सभी इंसानों के लिए सदैव एक जैसा होता है। किंतु समाज के विभिन्न वर्गों में खतरे से निपटने तथा जूझने की क्षमता अलग-अलग होती है। निम्न वर्ग का तबका अन्य लोगों की अपेक्षा आपदा से ज्यादा प्रभावित होता है। अतः सरकार को गरीब तथा वंचित वर्ग के तबके के लिए आपदा प्रबंधन में विशेष प्रावधान दिया जाना चाहिए। आपदाओं के प्रबंधन एवं अनुसंधान व त्वरित कार्रवाई के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान तथा राष्ट्रीय आपदा कार्रवाई बल का गठन किया गया है। यह आपदा राशि कार्रवाई बल पर किसी खतरनाक आपदा की स्थिति में रासायनिक, जैविक, परमाणु विकिरण तथा अन्य प्राकृतिक एवं मानव निर्मित आपदा के संबंध में विशिष्ट कार्यवाही के निर्वहन का उत्तरदायित्व है। ईस संस्था ने बंगाल तथा उड़ीसा के तटीय क्षेत्र में आई सुनामी में काफी बड़ी संख्या में लोगों की जान भी बचाई है। चक्रवाती तूफान से निपटने में हमारे समुचित प्रयासों ने यह सिद्ध कर दिया है कि हाल के वर्षों में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में काफी प्रगति हुई है। परंतु पिछले 1 वर्षों से करोना संक्रमण से हुई बड़ी संख्या में मृत्यु ने देश को हिला कर रख दिया है। और कोविड-19 की प्रथम लहर के बाद द्वितीय लहर ने मृत्यु का तांडव मचा कर देश में हाहाकार मचा दिया है ।

कोविड-19 की पहली लहर के बाद एवं दूसरी लहर के मध्य देश के आपदा प्रबंधन सिस्टम को पहले से ही सावधान तथा सचेत रहकर पूरी की पूरी तैयारी कर लेनी चाहिए थी ।अगर आपदा प्रबंधन सिस्टम को लगातार मॉनिटर किया जाता एवं उस सिस्टम के अधिकारी जिम्मेदार व्यक्ति सचेत एवं सजग रहते, तो द्वितीय लहर में इस तरह हड़कंप संक्रमण एवं मृत्यु का सामना नहीं करना पड़ता। भारत को आपदा प्रबंधन के सिस्टम पर फिर से आंकलन कर एक नई व्यूह रचना बनाकर गरीब तबके निचले व्यक्ति तथा समग्र रूप से मानव जाति की सुरक्षा के लिए नए-नए उपाय करने चाहिए। क्योंकि आपदा कभी बताकर नहीं आती।इसी तरह कोविड-19 की तीसरी लहर की आशंका को ध्यान में रखते हुए हमें इसकी तैयारी पूर्व से ही कर लेना चाहिए अन्यथा हाथ मलने के अलावा अपने पास कुछ ना रह जाएगा।

संजीव ठाकुर

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उमान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254 Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर बी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

भामाशाह जयंती पर 29 जून को जनपद में धूमधाम से मनाया जाएगा 'व्यापारी कल्याण दिवस'

व्यापारी कल्याण दिवस पर कलेक्ट्रेट परिसर में सजेगी विकास एवं उद्यमिता की प्रदर्शनी

अम्बेडकरनगर। अपर जिलाधिकारी न्यायिक रंजीत सिंह ने बताया कि प्रदेश शासन के निर्देशानुसार महान दानवीर भामाशाह की जयंती के अवसर पर 29 जून 2026 को जनपद में 'व्यापारी कल्याण दिवस' जनसहभागिता के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर व्यापारियों के सम्मान एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अपर जिलाधिकारी न्यायिक ने बताया कि व्यापारी कल्याण दिवस के अवसर पर होने वाले कार्यक्रम के अंतर्गत 29 जून 2026 को कलेक्ट्रेट परिसर में पूर्वाह्न 10 बजे से ओडीओपी उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री, नागरिक विकास विभाग, ग्राम्य विकास, खादी ग्रामोद्योग, समाज कल्याण, पर्यटन एवं संस्कृति, श्रम, ऊर्जा, एनआरएलएम, डूडा, कृषि, उद्यान, मत्स्य, पशु पालन, सेवायोजन, खाद्य एवं सुरक्षा आदि विभागों के स्टाल लगाई जाएगी, साथ ही भामाशाह के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा इस अवसर पर चित्रकला, निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं आदि में उत्कृष्ट प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया जाएगा। व्यापारी कल्याण मंडल, व्यापारिक संगठनों एवं संबंधित विभागों के समन्वय से कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसी के साथ अपर जिलाधिकारी न्यायिक द्वारा व्यापारियों से अपने प्रतिष्ठानों पर 'व्यापारी कल्याण दिवस' के होर्डिंग एवं बैनर प्रदर्शित करने तथा जनसहभागिता बढ़ाने के लिए मिठाई, शरबत एवं फल आदि का वितरण करने का भी आह्वान किया गया है।

थाना समाधान दिवस में डीएम एवं एसपी अधीक्षक ने सुनीं फरियादें, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश

अम्बेडकरनगर। जनसमस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी निस्तारण के उद्देश्य से आयोजित थाना समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी श्रीमती ईशा प्रिया एवं पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने थाना टाण्डा में संयुक्त रूप से जनसुनवाई की। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना तथा प्रत्येक प्रकरण का निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस अवसर पर अधिकारी द्वय ने प्रत्येक नागरिक की शिकायत का समाधान संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं निर्धारित समय-सीमा के भीतर निस्तारण किए जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ भूमि विवाद, अतिक्रमण, पारिवारिक एवं अन्य जनशिकायतों का मौके पर जाकर तथ्यात्मक परीक्षण करते हुए न्यायोचित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी टांडा सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

गोरखपुरः खजनी में पैतृक जमीन को लेकर दो भाइयों के परिवारों में खूनी संघर्ष

● जमकर मारपीट और तोड़फोड़, कई घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। खजनी थाना क्षेत्र के कटघर तिराहे पर शनिवार भोर में पैतृक जमीन के विवाद ने उस समय हिंसक रूप ले लिया, जब दो सगे भाइयों के परिवार आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते विवाद ने मारपीट और तोड़फोड़ का रूप धारण कर लिया। दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए और एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाते हुए खजनी थाने पहुंचकर कार्रवाई की मांग की। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बना रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक ईंट-पत्थर चले और मारपीट हुई। मौके पर पहुंचे लोगों ने किसी तरह बीच-बचाव कराया। घायलों को उपचार के लिए भेजा गया। एक पक्ष की लक्ष्मी उपाध्याय के सिर और चेहरे पर गंभीर चोट के निशान दिखाई दिए, जबकि पुष्कर उपाध्याय का सिर फटा हुआ था और उनके सिर से लगातार खून बह रहा था। मयंक उपाध्याय और उनकी पत्नी लक्ष्मी उपाध्याय का आरोप है कि उनके पिता कैंसर से पीड़ित थे। बीमारी के दौरान उन्होंने और उनकी पत्नी ने पूरी निष्ठा से सेवा की, जबकि दूसरे भाई मानस उपाध्याय और उनके परिवार ने कोई सहयोग नहीं किया। इसी कारण पिता ने अपनी अचल संपत्ति लक्ष्मी उपाध्याय के नाम कर दी। उनका कहना है कि तभी से दूसरे पक्ष द्वारा उन्हें लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। आरोप है कि शनिवार सुबह मानस उपाध्याय अपने परिवार के साथ घर पहुंचे और हमला कर घर में तोड़फोड़ करते हुए मारपीट की। वहीं दूसरे पक्ष के मानस उपाध्याय ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि उनका परिवार अपने घर में मौजूद था। उनके अनुसार, पहले मयंक पक्ष के लोगों ने विवाद शुरू किया और उनकी पत्नी के साथ मारपीट की। बचाव करने पहुंचे तो उनके साथ भी मारपीट की गई। घायल पुष्कर उपाध्याय ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है कि उनके

चाचा मानस उपाध्याय, चाची साधना उपाध्याय तथा जेठानी मीरा उपाध्याय दीवार फांदकर घर में घुस आए और उनकी मां पर हमला कर दिया। बीच-बचाव करने पर उनके सिर पर ईंट से वार किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि वासू उपाध्याय ने उनके पिता पर भी ईंट से हमला किया। दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर खजनी पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस का कहना है कि घायलों का चिकित्सीय परीक्षण कराया जा रहा है तथा जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी के आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

गोला थाना समाधान दिवसः 26 मामलों में केवल दो का निस्तारण, राजस्व के मामले रहे सर्वाधिक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोलाबाजार, गोरखपुर। गोला थाना परिसर में शनिवार को आयोजित समाधान दिवस में कुल 26 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से केवल दो मामलों का मौके पर निस्तारण किया जा सका। अधिकांश शिकायतें राजस्व विभाग से संबंधित होने के कारण उनका तत्काल समाधान नहीं हो सका। समाधान दिवस की अध्यक्षता नायब तहसीलदार गोला बी.सी. चौहान एवं प्रभारी निरीक्षक (कोतवाल) सी.पी. पांडेय ने संयुक्त रूप से की। भीषण गर्मी और उमस के बावजूद बड़ी संख्या में फरियादी अपनी शिकायतें लेकर थाना परिसर पहुंचे और अधिकारियों के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं। राजस्व विभाग से संबंधित अधिकारियों की सीमित उपलब्धता के कारण अधिकांश राजस्व मामलों का मौके पर निस्तारण नहीं हो सका। वहीं पुलिस से संबंधित शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने शेष 24 मामलों को संबंधित विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सौंपते हुए शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। इस अवसर पर राजस्व निरीक्षक पृथ्वीनाथ गुप्ता, अवधेश लाल, अजय पाठक, उमेश कुमार, अंकित कुमार तिवारी, आलोक कुमार सहित राजस्व एवं पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ननिहाल में कूलर के करंट से 5 वर्षीय बालिका की मौत

कोंच (जालौन)- ननिहाल में मौजूद एक 5 वर्षीय बच्ची की कूलर में प्रवाहित करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, जनपद औरैया के फफूंद थाना क्षेत्र के ग्राम नगला पाठक निवासी कुलदीप पाठक की पत्नी वर्षा देवी अपने दो बच्चों के साथ गत पांच दिन पहले कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बरोदा कला स्थित मायके आई थी। शनिवार की सुबह वर्षा की बेटी अनन्या पाठक उर्फ मिष्टी (5) कमरे में खेल रही थी तभी वहां रखे कूलर में प्रवाहित करेंट की चपेट में वह आ गई और अचेत होकर नीचे जमीन पर गिर पड़ी। घर में मौजूद लोग अनन्या को तत्काल सीएचसी कोंच लेकर गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि मृतका अनन्या अपनी मां और बड़े भाई के साथ ननिहाल में अपनी बीमार नानी को देखने आई हुई थी। घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

भेषजिक मुख्य परीक्षा 29 जून को, 14 केंद्रों पर 6432 अभ्यर्थी होंगे शामिल

● एक पाली में होगी परीक्षा, सुरक्षा व निष्पक्षता के लिए कड़े इंतजाम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (UPSSSC) द्वारा आयोजित भेषजिक मुख्य परीक्षा (प्रा0अ0प0-2025)/02 का आयोजन 29 जून 2026 (सोमवार) को जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर किया जाएगा। परीक्षा एक ही पाली में पूर्वाह्न 10:00 बजे से मध्याह्न 12:00 बजे तक संपन्न होगी। इस परीक्षा में कुल 6432 परीक्षार्थी शामिल होंगे, जिनके लिए जिले में 14 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा को सकुशल, शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं। प्रत्येक केंद्र पर एक-एक स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है, जबकि सेक्टर स्तर पर भी 14 सेक्टर मजिस्ट्रेट लगाए गए हैं, जो लगातार भ्रमण कर व्यवस्थाओं की निगरानी करेंगे। इसके अलावा, पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती सुनिश्चित की गई है, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या नकल जैसी गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके। परीक्षा की निगरानी के लिए आयोग की ओर से परीक्षा पर्यवेक्षक के रूप में एसएस बघेल (Member, UPSSSC) को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, जिला प्रशासन की ओर से नोडल अधिकारी के रूप में अपर जिलाधिकारी (सिटी) गजेंद्र कुमार को नियुक्त किया गया है, जो परीक्षा संबंधी सभी व्यवस्थाओं का समन्वय करेंगे। पुलिस व्यवस्था की जिम्मेदारी एसपी सिटी निमिष पाटील के नेतृत्व में संभाली जा रही है। प्रशासन ने सभी केंद्र व्यवस्थापकों को सख्त निर्देश दिए हैं कि परीक्षा से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं। परीक्षार्थियों की सघन जांच के बाद ही प्रवेश दिया जाएगा और किसी भी प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, मोबाइल फोन या अनुचित सामग्री को परीक्षा केंद्र में ले जाने की अनुमति नहीं होगी। केंद्रों पर सीसीटीवी निगरानी, बायोमेट्रिक सत्यापन और अन्य सुरक्षा उपाय भी सुनिश्चित किए जा रहे हैं।

अभ्यर्थियों को समय से पहले केंद्र पर पहुंचने की सलाह दी गई है, ताकि जांच प्रक्रिया में किसी प्रकार की असुविधा न हो। देर से आने वाले अभ्यर्थियों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। इसके साथ ही, कोविड या अन्य स्वास्थ्य संबंधी दिशा-निर्देशों का भी पालन सुनिश्चित किया जाएगा, यदि आवश्यक हुआ।जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने संयुक्त रूप से स्पष्ट किया है कि परीक्षा की निष्पक्षता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या अनुचित साधनों के प्रयोग पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने सभी संबंधित विभागों को समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए हैं, जिससे परीक्षा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

नहरों से छेड़छाड़ पर प्रशासन सख्त, टेल तक पानी पहुंचाने के निर्देश

देवरिया। वर्षा की कमी और सूखे जैसी परिस्थितियों के बीच नहरों के पानी के समान वितरण को लेकर जिला प्रशासन सख्त हो गया है। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने नहरों की अवैध कटिंग, मिट्टी का बांध बनाकर पानी रोकने तथा रेगुलेटर और फाटकों से छेड़छाड़ करने वालों पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। साथ ही क्षेत्रीय पुलिस को नियमित पेट्रोलिंग और सतत निगरानी करने को कहा गया है। अधिशासी अभियंता सिंचाई ने प्रशासन को बताया कि जनपद के कुछ स्थानों पर नहरों के ऊपरी हिस्से में पानी रोककर अनधिकृत सिंचाई की जा रही है। इससे नहरों के अंतिम छोर तक पानी नहीं पहुंच रहा और निचले क्षेत्रों के किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल नहीं मिल पा रहा है। जिलाधिकारी ने किसानों से अपील की कि नहरों को किसी भी प्रकार की क्षति न पहुंचाएं और अवैध कटिंग या पानी रोकने जैसी गतिविधियों से बचें। उन्होंने कहा कि जल साझा एवं अमूल्य संसाधन है। प्रत्येक बूंद का संरक्षण आवश्यक है ताकि उपलब्ध पानी का पारदर्शी और न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि सूखे की स्थिति में प्रशासन और किसानों के सहयोग से ही सभी को समान रूप से सिंचाई का लाभ मिल सकेगा।

इंस्टाग्राम पर शुरू हुई दोस्ती बनी प्रेम कहानी, विवाहिता प्रेमी के साथ जाने की जिद पर अड़ी

● परिवार पहुंचा थाने

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर : सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर हुई दोस्ती एक परिवार के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन गई। सहजनवा थाना क्षेत्र में विवाहिता और एक युवक के बीच इंस्टाग्राम के माध्यम से हुई बातचीत धीरे-धीरे प्रेम संबंध में बदल गई। अब विवाहिता अपने प्रेमी के साथ जाने की जिद पर अड़ गई है, जिससे परिवार में तनाव का माहौल है। परेशान होकर विवाहिता की मां ने आरोपी युवक के खिलाफ सहजनवा थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सहजनवा थाना क्षेत्र के एक गांव की युवती का विवाह कुछ माह पूर्व ही हुआ था। बताया जा रहा है कि विवाह से पहले ही उसकी पहचान क्षेत्र के ही एक युवक से इंस्टाग्राम के जरिए हुई थी। शुरुआत सामान्य बातचीत से हुई, लेकिन समय के साथ दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ती गई और यह रिश्ता प्रेम संबंध में बदल गया। परिजनों का आरोप है कि विवाह के बाद भी दोनों के बीच बातचीत जारी रही। इसी दौरान विवाहिता ने अपने प्रेमी के साथ रहने की इच्छा जताते हुए परिवार पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। परिवार के समझाने-बुझाने के बावजूद जब स्थिति नहीं सुधरी तो घर में विवाद बढ़ने लगा। अंततः

युवती की मां ने आरोपी युवक पर बेटी को बहलाने-फुसलाने का आरोप लगाते हुए सहजनवा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस का कहना है कि तहरीर प्राप्त होने के बाद मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए जाएंगे और तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस यह भी पता लगा रही है कि दोनों के बीच संपर्क किस परिस्थिति में बना और वर्तमान स्थिति क्या है। इस संबंध में क्षेत्राधिकारी गीडा के.एन. आनंद ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। संबंधित थाना पुलिस को आवश्यक जानकारी जुटाने और सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी। यह मामला एक बार फिर सोशल मीडिया के माध्यम से बनने वाले रिश्तों और उनके पारिवारिक व सामाजिक प्रभावों को लेकर चर्चा का विषय बना हुआ है। वहीं पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी विवाद की स्थिति में कानून का सहारा लें और अफवाहों से बचें।

उपनिबंधक कार्यालयों के निजीकरण के विरोध में अधिवक्ताओं का धरना तीसरे दिन भी जारी

● सांस्कृतिक कार्यक्रम से जताया विरोध

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सहजनवां गोरखपुरः उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उपनिबंधक (रजिस्ट्री) कार्यालयों के संभावित निजीकरण के प्रस्ताव के विरोध में बार एसोसिएशन तहसील इकाई सहजनवा के अधिवक्ताओं एवं दस्तावेज लेखकों का आंदोलन शनिवार को सहजनवा तहसील में गातार तीसरे दिन भी जारी रहा। धरना-प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ताओं ने सरकार के प्रस्ताव के खिलाफ एकजुट होकर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया और निजीकरण का निर्णय तत्काल वापस लेने की मांग की। धरने का नेतृत्व बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कृष्ण कुमार त्रिपाठी एडवोकेट तथा मंत्री राघवेंद्र सिंह एडवोकेट ने किया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि उपनिबंधक कार्यालयों का निजीकरण आम जनता, अधिवक्ताओं और दस्तावेज लेखकों के हितों के विपरीत है। उनका कहना था कि यदि रजिस्ट्री व्यवस्था निजी हाथों में सौंपी गई तो आम लोगों को अधिक शुल्क देना पड़ेगा तथा पारदर्शिता और जवाबदेही पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने सरकार से जनहित को ध्यान में रखते हुए निजीकरण संबंधी प्रस्ताव को तत्काल निरस्त करने की मांग की। धरने को प्रभावी और जनजागरूकता से जोड़ने के उद्देश्य से अधिवक्ताओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। देशभक्ति एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े गीतों और प्रस्तुतियों के माध्यम से आंदोलन को नई ऊर्जा देने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिवक्ताओं और दस्तावेज लेखकों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और आंदोलन को अंतिम निर्णय तक जारी रखने का संकल्प दोहराया। वक्ताओं ने कहा कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। उन्होंने प्रदेश के सभी बार एसोसिएशनों और दस्तावेज लेखकों से इस जनहित के मुद्दे पर एकजुट होकर संघर्ष में भागीदारी निभाने की अपील की। धरने में वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेश चंद्र गौड़, कोषाध्यक्ष सत्यवीर, शनि शुक्ल, यशवंत भारती, सुग्रवी यादव, रामजन्म सिंह, विनोद मिश्र, रंगनाथ पांडेय सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता एवं दस्तावेज लेखक उपस्थित रहे।

पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत

● 5.68 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी दवा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत रविवार से जिले में विशेष अभियान शुरू होगा। इसकी शुरुआत से पहले शनिवार को पीएमश्री राजकीय इंटर कॉलेज से जागरूकता रैली निकाली गई। सदर सांसद शशांक मणि ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होकर सीएमओ कार्यालय पहुंची। सांसद शशांक मणि ने कहा कि जिले में पांच वर्ष तक के 5.68 लाख बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि कोई भी बच्चा पोलियो की दो बूंद दवा से वंचित न रहे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि अभियान की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। निगरानी के लिए 286 सुपरवाइजर लगाए गए हैं तथा आशा, एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. एसके सिन्हा ने बताया कि पहले दिन जिले में 1759 फिक्स्ड बूथों पर बच्चों को दवा पिलाई जाएगी। इसके बाद 942 टीमें घर-घर जाकर छूटे बच्चों को दवा पिलाएंगी। वहीं 115 ट्रांजिट और 45 मोबाइल टीमें भी अभियान में लगाई जाएंगी।

आईटीआई पास युवाओं के लिए 30 जून को अप्रेंटिसशिप चयन प्रक्रिया

देवरिया। आईटीआई उत्तीर्ण युवाओं के लिए रोजगार का अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 30 जून को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, देवरिया में अप्रेंटिसशिप चयन प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। चयन प्रक्रिया सुबह 10 बजे से शुरू होगी। प्रधानाचार्य ने बताया कि हायर अप्लायंसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (गौतम बुद्ध नगर), डिक्सन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड (नोएडा) और काल्को प्राइवेट लिमिटेड (गाजियाबाद) की ओर से अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। इसमें सभी आईटीआई व्यवसायों (महिला व्यवसायों को छोड़कर) के 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग के अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों को अपने सभी शैक्षिक अंकपत्र एवं प्रमाण-पत्रों की मूल प्रति और छायाप्रति, बायोडाटा, आधार कार्ड, पैन कार्ड तथा चार पासपोर्ट आकार के फोटो साथ लाना अनिवार्य होगा। अधिकारियों ने पात्र अभ्यर्थियों से समय पर पहुंचकर चयन प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की है। चयनित अभ्यर्थियों को प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्थानों में अप्रेंटिसशिप का अवसर मिलेगा, जिससे उन्हें व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ रोजगार की संभावनाएं भी बढ़ेंगी।

आपरेशन शिनाख्त, में पुलिस की बड़ी कारवाई, पांच साल के 4,436 अपराधियों का सत्यापन,1,238 पर निगरानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। कानपुर पुलिस कमिश्नरी ने अपराधियों के खिलाफ सात दिवसीय विशेष अभियान आपरेशन शिनाख्त के तहत् कारवाई करते हुए पांच वर्षों में चोरी,लूट, डकैती, स्नेचिंग, नकबजनी,समेत सम्पत्ति संबंधी अपराधों में शामिल 4,436 वांछित और चिंहित अपराधियों की पहचान कर उनका सत्यापन किया,, अभियान के दौरान 1,634 अपराधियों का भौतिक सत्यापन किया गया, जबकि 1,238 अपराधियों के डोजियर तैयार कर उनकी गतिविधियों पर सतत् निगरानी की व्यवस्था की गई। पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल के निर्देश पर 14 जून से 20 जून 2026 तक यह विशेष अभियान चलाया गया,इसका उद्देश्य संपति संबंधी अपराधों में सक्रिय, वांछित और फरार अपराधियों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करना था अभियान के दौरान कमिश्नरी के चारों जोन, सेंट्रल, पूर्वी, दक्षिण, पश्चिम, की पुलिस टीमों ने चिंहित अपराधियों के घर घर पहुंच कर सत्यापन किया।

जांच में 1,167 अपराधी अपने निवास पर मिलें, जबकि 177, विभिन्न जेलों में निरूद्ध पाए गए,वही 292 अपराधी अपने घरों से लापता मिले,जिनकी तलाश के लिए अभियान चलाया जाएगा, सत्यापन के दौरान 12 अपराधियों की मौत होने की पुष्टि हुई। इस दौरान 35 मामलों में गुंडा एक्ट,15 मामलों में गैंगस्टर एक्ट, तथा 31 अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोलने की कार्रवाई अथवा की गई।

ई लोग AC मे बैठी हमनी के गर्मी मे मरल जाई

● महिलाओं ने घेरा बिजली विभाग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रूद्रपुर,देवरिया। भीषण गर्मी और लगातार हो रही बिजली कटौती से परेशान रुद्रपुर विधानसभा क्षेत्र के कोईलगढ़हा गांव की महिलाओं का शनिवार को सब्र टूट गया। उत्तर प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटे बिजली आपूर्ति का दावा कर रही है, लेकिन गांव में बदहाल विद्युत व्यवस्था से नाराज महिलाएं उपखंड अधिकारी द्वितीय, गौरीबाजार- रुद्रपुर विद्युत कार्यालय पहुंचीं और जोरदार प्रदर्शन करते हुए विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। महिलाओं का आरोप है कि भीषण गर्मी में घंटों बिजली गुल रहने से घरों में रहना मुश्किल हो गया है। कई बार शिकायत के बावजूद विभाग केवल आश्वासन देता रहा, जिससे उनका आक्रोश फूट पड़ा। विद्युत कार्यालय के घेराव की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शन कर रही महिलाओं को समझाने-बुझाने का प्रयास किया और स्थिति को शांत कराया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द नियमित बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हुई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। वहीं, विभागीय अधिकारियों ने जल्द समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। रूद्रपुर उपनगर में भी शुक्रवार से ही बिजली का संकट पैदा हुआ है। रात में मुश्किल से दो घंटे बिजली मिली। शनिवार को भी लोकल फाल्ट से उपभोक्ता और कर्मचारी परेशान रहे। भयंकर गर्मी के बीच अघोषित कटौती ने कोढ़ में खाज का काम किया।

उप कृषि निदेशक ने किसानों को कम अवधि वाली धान की किस्में अपनाने की दी सलाह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। तहसील बीघापुर क्षेत्र स्थित बक्सर धाम में उप कृषि निदेशक रवि चंद्र प्रकाश एवं किसान नेता डॉ. बृजेन्द्र प्रताप सिंह के बीच अल-नीनो के संभावित प्रभाव तथा खरीफ फसल 2026 को लेकर समसामयिक चर्चा आयोजित की गई। बैठक में उप कृषि निदेशक रवि चंद्र प्रकाश ने कहा कि मौसम विभाग द्वारा इस वर्ष सामान्य से कम वर्षा की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में किसान धान की कम पानी में तैयार होने वाली एवं कम अवधि की किस्मों की बुवाई एवं रोपाई को प्राथमिकता दें, ताकि प्रतिकूल मौसम का प्रभाव कम किया जा सके।

उन्होंने किसानों से दलहन फसलों में उड़द, मूंग, अरहर तथा तिलहन फसल तिल के लिए एग्री दर्शन पोर्टल पर पंजीकरण कराने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि पंजीकरण के बाद किसानों को विभाग की ओर से निःशुल्क बीज किट उपलब्ध कराई जाएगी। छठे चरण की बुकिंग प्रक्रिया अभी दो से तीन दिन तक जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप जनपद में दलहन एवं तिलहन के रकबे को बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इस दौरान डॉ. बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने जनपद के सभी विकास खंडों में जिप्सम की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराने की मांग उठाई। इस पर उप कृषि निदेशक ने आश्वासन दिया कि आपूर्ति प्राप्त होते ही प्रत्येक राजकीय बीज भंडार पर जिप्सम उपलब्ध करा दिया जाएगा। उप कृषि निदेशक ने किसानों से रासायनिक उर्वरकों का सीमित उपयोग करने तथा हरी खाद, गोबर की खाद एवं जैविक खेती को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जैविक खेती से भूमि की उर्वरता बढ़ने के साथ-साथ उत्पादन की गुणवत्ता में भी सुधार होता है। कार्यक्रम में अभिषेक पांडेय, शंभू सिंह, गोपू सिंह, फुन्नी त्रिपाठी, मुकेश राठौर, प्रभाशंकर तिवारी, बीरेन्द्र फौजी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय किसान उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

चखरा गौशाला में मृत गौवंशों को गड्ढे में फेंकने का मामला, जांच ठंडे बस्ते में

निघासन खीरी- तहसील निघासन क्षेत्र की चखरा गौशाला से मृत गौवंशीय पशुओं के शवों को गांव से कुछ दूरी पर स्थित कब्रिस्तान के पास गड्ढे में फेंके जाने का मामला अब तक जांच के इंतजार में है। घटना का वीडियो ग्रामीणों द्वारा सोशल मीडिया पर वायरल किए जाने के बाद प्रशासन में हलचल जरूर मची, लेकिन जांच की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी है ग्रामीणों का आरोप है कि वीडियो वायरल होने के बाद ग्राम पंचायत सचिव और प्रधान ने आनन-फानन में तीन ट्रैक्टरों से भूमि की जुताई कराकर गड्ढे में पड़े मृत गौवंशों को मिट्टी से ढकवा दिया, ताकि मामला दबाया जा सके। ग्रामीणों का कहना है कि गौशाला का संचालन बेहद लापरवाही और अमानवीय तरीके से किया जा रहा है।ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते जांच नहीं हुई तो भविष्य में भी ऐसी घटनाएं दोहराई जा सकती हैं। फिलहाल संबंधित अधिकारियों की ओर से मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। जांच पूरी होने के बाद ही पूरे प्रकरण की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सड़क हादसे में युवक की मौत

लखीमपुर खीरी- गोला रोड स्थित शेरे पंजाब ढाबा के पास शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, 26 जून 2026 की रात करीब 11 बजे लखीमपुर की ओर से आ रही दूध की केन से लदी डीसीएम (UP 31CT7717) कथित तौर पर अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गई। स्थानीय लोगों का दावा है कि चालक नशे की हालत में था, जिसके कारण उसने वाहन सड़क से नीचे उतार दिया। हालांकि, इस दावे की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार युवक की उम्र लगभग 21 वर्ष थी। उसके पैर में गंभीर चोटें आई और कुछ ही देर बाद वह बेहोश हो गया। राहगीरों का आरोप है कि सूचना देने के बावजूद करीब एक घंटे तक एंबुलेंस मौके पर नहीं पहुंची, जिससे घायल युवक ने दम तोड़ दिया।राहगीर उत्कर्ष गुप्ता, लक्की गुप्ता और मोहित गुप्ता ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस मौके पर पहुंच गई थी, लेकिन एंबुलेंस के देर से पहुंचने के कारण लोगों में भारी नाराजगी है।डीसीएम का नंबर क्क31ष्टञ्7717 बताया जा रहा है। वाहन लखीमपुर से आ रहा था, लेकिन कहां जा रहा था, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है।फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। चालक के नशे में होने और वही लोगो का कहना है की एंबुलेंस में देरी से आने के कारणों की जाँच होनी चाहिए।

फिरोजाबाद में भाजपा जिलाध्यक्ष से गाली-गलौज, सभासद पर बोला बोतल से हमला; कार में रखे थे तमंचे

टूंडला (फिरोजाबाद)। घर के बाहर टहल रहे भाजपा जिलाध्यक्ष के साथ शुक्रवार रात उनके ही पड़ोस में रहने वाले एक सेना के जवान ने अपने साथी के साथ मिलकर गाली-गलौज और अभद्रता कर दी। मौके पर पहुंचे सभासद पर कांच की बोतल से हमला कर दिया। जिससे वह घायल हो गए। पुलिस आरोपितों को पकड़कर थाने ले गई। जिन्हें सुबह जिलाध्यक्ष के कहने पर छोड़ दिया। सुरक्षा को लेकर जिलाध्यक्ष के आवास पर पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह रात साढ़े नौ बजे अकेले अपने एटा रोड स्थित आवास के बाहर टहल रहे थे। सुरक्षाकर्मी अपने घर चले गए थे। तभी वहां उनका पड़ोसी युवक अपने साथी के साथ वैगनआर कार से पहुंचा और उन्हें रोककर गाली-गलौज करने लगा। जानकारी पर सभासद हनी जादौन वहां पहुंच गए। उस समय भी आरोपित गाली-गलौज कर रहे थे। उनके विरोध करने पर आरोपितों कांच की बोतल से सभासद पर हमला बोल दिया। जिससे उनके हाथ में चोट आई है। जिलाध्यक्ष की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल का डाक्टरी परीक्षण कराया है। वहीं आरोपितों को पकड़ लिया। घटना की जानकारी होते ही जिलाध्यक्ष के दर्जनों समर्थक आ गए। कार की तलाशी लेने पर दो तमंचे और दो डंडे बरामद किए गए। जिसका वहां उपस्थित लोगों ने वीडियो बना लिया। इंस्पेक्टर बैजनाथ सिंह का कहना है कि तमंचे मिलने की बात गलत है। जिलाध्यक्ष के कार्रवाई से इन्कार करने के कारण दोनों को छोड़ दिया गया है। जिलाध्यक्ष का कहना है कि दोनों आरोपित शराब के नशे में थे। सुबह आरोपित और उसके स्वजन द्वारा माफी मांग ली गई। ऐसे में कार्रवाई कराना ठीक नहीं है।

योगी सरकार के दावों की हवा निकाल रहे बिजली विभाग के अफसर, छत्तापुर फीडर पर हाहाकार, किसान बदहाल!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

छत्तापुर (मैगलगंज खीरी): एक तरफ सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ का सख्त निर्देश है कि ग्रामीण क्षेत्रों में हर हाल में 18 घंटे बिजली की निर्बाध आपूर्ति की जाए।वहीं दूसरी तरफ, बिजली विभाग के लापरवाह अधिकारी और कर्मचारी सरकार की साख पर बट्टा लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। मामला छत्तापुर फीडर का है, जहाँ बिजली की भारी कटौती के कारण किसान खून के आँसू रोने को मजबूर हैं। धान की रोपाई का पीक सीजन चल रहा है, लेकिन बिजली न मिलने से फसलें सूखने की कगार पर हैं।

अधिकारियों ने साधी चुप्पी, नहीं उठाते फोन

किसानों का आरोप है कि समस्या को लेकर जब भी छत्तापुर फीडर के जिम्मेदार अधिकारियों को फोन किया जाता है, तो वे फोन उठाना तक मुनासिब नहीं समझते। जेई से लेकर एसडीओ और एक्सियन तक, सभी ने किसानों की समस्याओं से अपनी आँखें मूंद ली हैं। बार-बार शिकायत करने के बाद भी धरातल पर कोई सुधार नहीं दिख रहा है। रोपाई के मुख्य समय पर ही गुल रहती है बिजली किसानों ने अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया कि बिजली कटौती का समय ऐसा है जिससे पूरी खेती चौपट हो रही है। किसानो का आरोप है कि फीडर परः रात 9 बजे से रात 1 बजे तक (लगभग 4 घंटे) सप्लाई पूरी तरह बंद रहती है।और सुबह 6 बजे से सुबह 10 बजे तक (लगभग 4 घंटे) फिर से बत्ती गुल कर दी जाती है। 'जब हमें खेतों में पानी चलाने की सबसे ज्यादा जरूरत होती है, तभी बिजली गायब कर दी जाती है। 18 घंटे तो छोड़िए, हमें 5 से 8 घंटे भी ढंग से बिजली नहीं मिल पा रही है। अगर यही हाल रहा तो हमारे धान की फसल कैसे लगेगी?हम पूरी तरह बर्बाद हो जाएंगे पीड़ित किसान, छत्तापुर जिलाधिकारी की चौखट पर न्याय मांगेंगे किसान बिजली विभाग के इस तानाशाही और लापरवाह रवैये से स्थानीय किसानों में भारी आक्रोश है।अन्नदाताओं का कहना है कि वे अब इन लापरवाह अधिकारियों के भरोसे बैठने वाले नहीं हैं। किसानों ने चेतावनी दी है कि वे बहुत जल्द एकजुट होकर जिलाधिकारी (DM) को लिखित शिकायत पत्र सौंपेंगे और सरकार के नियमों की धज्जियाँ उड़ाने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग करेंगे। अब देखना यह होगा कि इस खबर के बाद कुंभकर्णी नींद में सोया बिजली विभाग जागता है या किसानों को आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

बेहजम में धड़ल्ले से अवैध मिट्टी खनन! स्टील फैक्ट्री के पास खुदाई, गांव में प्लॉट पर हो रहा पटान

बेहजम खीरी। बेहजम क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन का मामला एक बार फिर चर्चा में है। स्थानीय लोगों के अनुसार, बेहजम स्टील फैक्ट्री के पास जेसीबी और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से मिट्टी का खनन किया जा रहा है। आरोप है कि निकाली गई मिट्टी को बेहजम गांव में टावर के पास स्थित एक प्लॉट में पटान के लिए लगातार डाला जा रहा है। दिनदहाड़े हो रहे इस कथित अवैध खनन से राजस्व को नुकसान पहुंचने के साथ-साथ पर्यावरणीय नियमों की भी अनदेखी की जा रही है। लोगों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। मामले में पक्ष जानने के लिए जब जिला खनन अधिकारी आशीष सिंह से संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो कई बार कॉल किए जाने के बावजूद फोन रिसीव नहीं किया गया, जिससे संबंधित विभाग की कार्यशैली पर भी सवाल उठ रहे हैं। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रशासन इस कथित अवैध खनन पर कार्रवाई करेगा, या फिर मिट्टी माफिया यूं ही बेखौफ नियमों को ताक पर रखते रहेंगे?

कटिया डालकर विद्युत चोरी करते पकड़ा गया, रिपोर्ट दर्ज

● कई सालों से चला रहा था चोरी से मोटर, आखिर धरा गया

जेई की छापामार कार्रवाई से विद्युत चोरों में हड़कंप, जेई को मिल रही जान माल की धमकी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी- विद्युत चोरी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत 39/11 के वी विद्युत उप केंद्र बांके गंज गोला पर तैनात जे.ई कामता प्रसाद को बड़ी सफ़लता हाथ लगी। घटना दिनाँक 25/06/26 की है जब जेई कामता प्रसाद अपनी टीम के सदस्यों में कन्हैया लाल टी.जी-2, संविदा लाइन मैंन विनोद कुमार, और संविदा कर्मी चेकिंग अभियान चला रहे थे इसी क्रम में वह जब ग्राम बोझिया थाना मैलानी निवासी पंकज राजपूत पुत्र राम नरेश राजपूत के परिसर पर पहुचे तो देखा कि पंकज राजपूत कटिया डालकर खेत में लगे धान की सिंचाई कर रहा है।उक्त व्यक्ति संयोजन संबंधी कोई कागजात नहीं दिखा सका। जे.ई. कामत प्रसाद के मुताबिक उक्त उपभोक्ता 10 एम एम के नीले और सफेद रंग का केबल खींच कर 03 एच. पी.का मोटर चोरी से चला रहा था जिसे जे.ई व उनकी टीम ने रंगे हाथों पकड़ लिया।और विधिक प्रक्रिया अपनाई जाने लगी।आपने विरुद्ध हो रहीं कार्रवाई और चोरी पकड़े जाने से बौखलाए पंकज कुमार विद्युत जे ई और उनकी टीम के साथ बदसलूकी करने लगा।इतना ही नहीं अपना आपा खो बैठा पंकज राजपूत जे.ई. को संसारपुर क्षेत्र में दिखने पर जान से मार देने की धमकी भी देने लगा। विद्युत चोरी करते रंगे हाथ पकड़े गए उपभोक्ता के विरुद्ध भारतीय विद्युत अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत कराया गया है।

जे ई कामता प्रसाद ने बताया कि मैं डरने वालों में से नहीं हु।क्षेत्र में विद्युत चोरी पर लगाम लगा कर उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत सप्लाई देना मेरी प्राथमिकता है चोरी से चलाये जा रहे मोटर की वज़ह से ओवर लोडिंग की समस्या उत्पन्न होती है और ट्रांसफार्मर फूंक जाने के चलते सप्लाई बाधित हो जाती हैं और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा पड़ता है। जे.ई. सहित उनकी टीम की ताबडतोड़ कार्रवाई से विद्युत चोरों में हड़कंप मच गया है।

ज्येष्ठ मास के अंतिम शनिवार को सामुहिक भंडारे का आयोजन

निघासन खीरी- ज्येष्ठ माह के पावन पवित्र महीने के अंतिम शनिवार को सामूहिक भंडारे का आयोजन किया गया।यह आयोजन भारतीय जनता पार्टी 138 निघासन के समस्त कार्यकर्ताओं की ओर से आयोजित किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत बाला जी का पूजन अर्चन के साथ हुई जिसके बाद क्षेत्र से आए भारी संख्या में लोगों ने भंडारा प्रसाद ग्रहण किया। भंडारा आयोजन में झंडी स्टेट के राजा राजेश्वर सिंह, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अमनदीप सिंह, विनोद लोधी, देवेंद्र कुमार पाण्डेय, व्यापार मंडल अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, अंशुल दीक्षित, शशिकांत चतुर्वेदी, आनंद चतुर्वेदी, संदीप अवस्थी, डॉ. रक्षपाल लोधी, वेदराम चौहान, सतीश लोधी के साथ, राजकुमार सिंह, सहित 138 विधानसभा के समस्त कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बिजली विभाग और सिंचाई विभाग की लापरवाही से किसान बेहाल

● सरकारी नलकूप बंद होने से फसलें सूखने की कगार पर

सिंचाई विभाग के अभियंताओं की लापरवाही से बंद पड़े सरकारी नलकूप, बेहजम क्षेत्र के किसान फसल बचाने को परेशान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी- बेहजम ब्लॉक क्षेत्र के किसानों को बिजली विभाग और सिंचाई विभाग की लापरवाही का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। क्षेत्र की कई ग्राम पंचायतों में स्थित सरकारी नलकूप लंबे समय से बंद पड़े हैं, जिससे किसानों की फसलों की सिंचाई प्रभावित हो रही है और फसलें बर्बादी की ओर बढ़ रही हैं।जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत अल्लीपुर, पड़री स्थित आदर्श राजकीय नलकूप बीजी-135, बीजी-147, मानपुर तथा भूलनपुर सहित कई स्थानों के सरकारी नलकूप लो-वोल्टेज और विद्युत आपूर्ति की समस्या के कारण संचालित नहीं हो पा रहे हैं। धान, गन्ना और अन्य खरीफ फसलों की सिंचाई का समय होने के बावजूद किसान पानी के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं।किसानों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद न तो बिजली विभाग ने लो-वोल्टेज की समस्या का समाधान किया और न ही सिंचाई विभाग के अभियंताओं ने मौके पर पहुंचकर कोई प्रभावी कार्रवाई की। विभागीय अधिकारियों की उदासीनता के चलते हजारों बीघा कृषि भूमि की सिंचाई प्रभावित हो रही है। क्षेत्रीय किसानों का कहना है कि यदि जल्द ही सरकारी नलकूपों को सुचारु रूप से चालू नहीं कराया गया तो उनकी मेहनत पर पानी फिर जाएगा और उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। किसानों ने जिलाधिकारी एवं उच्च अधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप कर दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा बंद पड़े नलकूपों को चालू कराने की मांग की है।अब बड़ा सवाल यह है कि जब सरकार किसानों की आय बढ़ाने और सिंचाई सुविधाओं को मजबूत करने के दावे कर रही है, तब जिम्मेदार विभागों की लापरवाही से किसान आखिर कब तक परेशान होते रहेंगे।

हक के लिए शहादत की याद: नम आंखों से विदा हुए ताजिए

● क्षेत्र के कर्बला में उमड़ा अकीदतमंदों का हुजूम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली। इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की शहादत की याद में मोहर्रम की दसवीं तारीख (आशूरा) को रिठौरा सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में अकीदत, गम और एहतराम के साथ मनाई गई। कर्बला के शहीदों के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करने के लिए शुक्रवार को विभिन्न स्थानों से पारंपरिक ताजिए निकाले गए, जो बाद में पूरे अदब के साथ कर्बला में दफन किए गए। इस दौरान अकीदतमंदों की आंखें नम रहीं और फिजा में कर्बला के दर्द की गूंज सुनाई दी। कर्बला के मैदान में शुक्रवार को भारी मेला लगा। अकीदतमंदों ने इमाम हुसैन की याद में न्याज (लंगर) का आयोजन किया। कर्बला की उस ऐतिहासिक प्यास को याद करते हुए रिठौरा, भंडसर, बंजरिया, सावरखेड़ा, मुल्लापुर, दियोरिया जागीर, लभेड़ा उर्फ बुलंद नगर और मुंडिया अहमदनगर सहित कई गांवों में जगह-जगह सबील (प्याऊ) लगाकर राहगीरों को ठंडा पानी और शरबत पिलाया गया। इंसानियत की इस खिदमत ने कौमी एकता की अनूठी मिसाल पेश की। आयोजन की संवेदनशीलता को देखते हुए स्थानीय प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। थानाध्यक्ष संतोष कुमार, चौकी प्रभारी राजीव कुमार शर्मा और एसआई आकाश चौधरी के नेतृत्व में भारी संख्या में पुलिस बल पूरे रूट पर तैनात रहा। पुलिस अधिकारियों ने स्वयं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और जुलूस को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में सहयोग प्रदान किया। इस दौरान मोहम्मद उवैस, अब्दुल हलीम उर्फ गरीब अहमद, जाकिर मंसूरी, नरेंद्र राठौर, अब्दुल वहीद, आशिक मंसूरी, खालिद खान, राजा खान, डॉ. माजिद अंसारी, नाजिम अंसारी, मंजूर अहमद, मजहर अली, इमरान खान, ताबिश, इदरीश सैफी, अब्बास अली, उस्मान उस्मानी, इरफान उस्मानी और फुरकान अंसारी सहित अन्य कई लोग सक्रिय रहे। इसी क्रम में क्यों लड़ियां क्षेत्र भगवा बाजार ठिरिया बन्नो जान परशुरामपुर बरखान खतौवा डंडियां नजमुल निशा बाहर जागीर नवाबगंज तमाम स्थानों पर पर्व मनाया गया। इस्लामिक इतिहास में 10 मुहर्रम का दिन 'आशूरा'के नाम से जाना जाता है। यह दिन केवल मातम का दिन नहीं, बल्कि हक और बातिल (सत्य और असत्य) के बीच के संघर्ष का प्रतीक है। सन् 61 हिजरी को कर्बला के मैदान में इमाम हुसैन ने अपने परिवार और साथियों के साथ हक की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। उनकी शहादत आज भी संपूर्ण मानवता के लिए जुल्म के खिलाफ आवाज उठाने का सबसे बड़ा सबब है। पैगंबर मोहम्मद साहब ने इस दिन रोजा रखने की विशेष फजीलत बताई है। यह दिन सब्र, धैर्य और खुदा की इबादत में गुजारने का दिन है। कर्बला में इमाम हुसैन और उनके साथियों के लिए पानी बंद कर दिया गया था। उसी प्यास की याद में आज भी दुनिया भर में जगह-जगह सबील लगाकर राहगीरों को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य माना जाता है।

एफ आई आर दर्ज होने के दो माह बाद भी नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं

● पुलिस क्षेत्राधिकारी गोला से शपथ पत्र के साथ शिकायत कर कुकुरा चौकी प्रभारी पर लगाए गंभीर आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बांकेगंज/लखीमपुर खीरी- मैलानी थाना क्षेत्र की कुकरा चौकी से जुड़े गर्भवती महिला के साथ कथित मारपीट और गर्भस्थ शिशु की मौत के मामले में कार्रवाई को लेकर पीड़ित पक्ष ने पुलिस प्रशासन के समक्ष गंभीर सवाल खड़े किए हैं।बताते चलें कि 25 जून को पीड़िता के पिता जय नारायण क्षेत्राधिकारी कार्यालय गोला पहुंचे और सीओ महक शर्मा को शपथपत्र सौंपकर मामले में प्रभावी कार्रवाई की मांग की। शिकायतकर्ता का आरोप है कि गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज होने के बावजूद करीब दो माह बाद भी किसी भी नामजद आरोपी की गिरफ्तारी नहीं की गई है। चौकी इनचार्ज जानबूझकर मामले की लीपापोती करने की फ़िराक़ में लगे दिखाई पड़ रहे हैं।पीडिता द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, थाना मैलानी में 29 अप्रैल 2026 को मुकदमा दर्ज किया गया था। मुकदमे में अमरजीत, लक्ष्मी और मंजीत को नामजद किया गया है। एफआईआर के अनुसार, घटना 26 अप्रैल 2026 की है, जिसमें गर्भवती महिला के साथ मारपीट किए जाने का आरोप लगाया गया था।पीड़िता के पिता जय नारायण, निवासी ग्राम चहलवा मंगलपुरवा, थाना सुजौली, जनपद बहराइच ने अपने शपथपत्र में आरोप लगाया है कि उनकी पुत्री प्रतिभा भारती घटना के समय लगभग पांच माह की गर्भवती थी। आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोगों द्वारा की गई मारपीट के बाद उसकी हालत गंभीर हो गई और उपचार के दौरान गर्भस्थ शिशु की मौत हो गई। उन्होंने दावा किया कि मामले से संबंधित मेडिकल रिपोर्ट, अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट, टीकाकरण कार्ड सहित अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज उपलब्ध हैं और उन्हें पुलिस को उपलब्ध कराया जा चुका है।पीड़ित पक्ष का कहना है कि मुकदमा दर्ज होने के बाद उन्हें उम्मीद थी कि पुलिस आरोपियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करेगी, लेकिन करीब दो माह बीत जाने के बाद भी कोई गिरफ्तारी नहीं हो सकी। इसी वजह से परिवार को उच्चाधिकारियों तक पहुंचकर अपनी बात रखनी पड़ी।

चौकी पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी उठे सवाल

पीड़ित पक्ष ने अपने शपथपत्र में यह भी आरोप लगाया है कि मामले की पैरवी के दौरान उन्हें लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ा। परिवार का कहना है कि कई बार शिकायत और उपलब्ध साक्ष्यों की जानकारी देने के बावजूद चौकी प्रभारी कुकुरा अवलीश पवार द्वारा कोई कार्रवाई नहीं कीगई। इसी कारण पीड़ित पक्ष ने कुकरा चौकी प्रभारी अवलीश पंवार की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि मामले में चौकी स्तर पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से विवेचना और गिरफ्तारी की प्रक्रिया अपेक्षित गति नहीं पकड़ सकी।पीड़िता का कहना है कि जब मुकदमा दर्ज है, मेडिकल दस्तावेज उपलब्ध हैं और जांच भी चल रही है, तो फिर कार्रवाई की रफ्तार इतनी धीमी क्यों है। चर्चा यह भी है कि आखिर ऐसी कौन सी परिस्थितियां हैं, जिनके चलते अब तक नामजद आरोपियों के खिलाफ कोई ठोस कदम सामने नहीं आया।

सीओ महक शर्मा ने लिया तत्काल संज्ञान

शिकायत मिलते ही सीओ महक शर्मा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल थाना मैलानी पुलिस से रिपोर्ट तलब कर ली। सूत्रों के अनुसार, सीओ ने पूरे प्रकरण की अद्यतन स्थिति, विवेचना की प्रगति और अब तक की गई कार्रवाई का विवरण मांगा है। साथ ही निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं। **वर्जन-** थाना प्रभारी मैलानी बृजेश मौर्य ने बताया, 'क्षेत्राधिकारी महोदया का फोन आया था। मामले की रिपोर्ट मांगी गई है। जांच की स्थिति की समीक्षा की जा रही है। जांच पूरी होने और तथ्यों के परीक्षण के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।' चौकी प्रभारी बोले- रिपोर्ट विभाग को भेजी जा चुकी वहीं, कुकरा चौकी प्रभारी अवलीश पंवार ने बताया, 'मामले की जांच की जा रही है। जांच रिपोर्ट तैयार कर चिकित्सा विभाग को भेज दी गई है।

रुहेलखंड में श्वेत क्रांति! 1000 करोड़ की इस हाईटेक डेयरी से अब विदेशों तक पहुंचेगा बरेली का दूध

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली। आंवला तहसील क्षेत्र में 1000 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित बरेली डेयरी में उत्पादन शुरू हो गया है। गुणवत्तापरक दूध, दही, छाछ के अलावा दूध पाउडर और घी का उत्पादन भी किया जा रहा है। आधुनिक तकनीक से लैस इस डेयरी में प्रतिदिन 10 लाख लीटर दूध की खपत है, इससे बरेली ही नहीं समूचे रुहेलखंड में पशुपालन और दूध उत्पादन की होड़ शुरू हो गई है। दावा किया जा रहा है कि दूध और अन्य उत्पादों की प्रोसेसिंग मशीनों से हो रही है, दूध के सभी तत्व विद्यमान रहते हैं। यहां तैयार किए जा रहे उत्पादों को आसपास के जिलों तक निर्यात किया जा रहा है। प्रदेशभर ही नहीं विदेश तक निर्यात की तैयारी की जा रही है। अलीगंज-आंवला रोड पर इस्माइलपुर फतेहगंज में बरेली डेयरी लिमिटेड फैक्ट्री दूर से ही दिखाई पड़ती है। इसे देखकर लगता है कि औद्योगिक क्षेत्र में जिले का पिछड़ापन दूर होने लगा है। इसकी स्थापना कराने में पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह की अहम भूमिका रही है। मधुसूदन डेयरी के मुख्य द्वार पर नंदी के साथ तथागत भगवान बुद्ध की बड़ी प्रतिमा लगी है। फैक्ट्री के भीतर प्रवेश मार्ग पर कतार में लगी बुद्ध प्रतिमाएं किसी तीर्थस्थल पर पहुंच जाने का अहसास कराती हैं। फैक्ट्री परिसर में पराली के चट्टे लगे हुए हैं। बताया गया कि फैक्ट्री का संचालन इसी पराली से ही किया जा रहा है। फैक्ट्री के भीतर लैब में दूध और तैयार हुए उत्पादों के नमूनों का परीक्षण किया जा रहा है। टैंक में दूध डालने से लेकर पैक होने तक सारा काम मशीन से ही किया जा रहा है। सब कुछ कंप्यूटर के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। फैक्ट्री के बाहरी हिस्से में बने चिलिंग रूम में दूध, दही, छाछ के पैकेट निकलते हैं, जिन्हें ट्रकों में लोड कराया जा रहा है। लैब के बाद यहीं पर इंजीनियर और कर्मचारी दिखाई दिए। फैक्ट्री से 50 किमी की परिधि में दूध कलेक्शन सेंटर खोलकर पशुपालकों से दूध संकलित किया जा रहा है।

राम मंदिर ट्रस्ट से चंपत राय-अनिल मिश्रा के इस्तीफे की हुई आधिकारिक पुष्टि

राम मंदिर के लिए दिए गए दान में कथित चोरी के मामले में, राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद गिरि ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि की है कि महासचिव चंपत राय ने ट्रस्ट से इस्तीफ़ा दे दिया है। हालांकि राय के इस्तीफ़े की खबरें पहले ही सामने आ चुकी थीं, लेकिन ट्रस्ट के शीर्ष नेतृत्व की ओर से यह पहली आधिकारिक पुष्टि है। इसके तुरंत बाद, राम मंदिर ट्रस्ट ने भी एक बयान जारी कर पुष्टि की कि उसे चंपत राय का इस्तीफ़ा मिल गया है। ट्रस्ट ने आगे बताया कि ट्रस्टी अनिल मिश्रा ने भी अपना इस्तीफ़ा सौंप दिया है। ये इस्तीफ़े ऐसे समय में आए हैं जब अयोध्या राम मंदिर में दान की कथित चोरी की जांच चल रही है। भक्तों के चढ़ावे के प्रबंधन में वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों के बाद इस मामले ने व्यापक ध्यान आकर्षित किया है, और स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) मामले की जांच कर रही है।

मरम्मत के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति! अचानक गिरी छत, लोहे के गार्डर लगाकर छिपा रहे खामियां

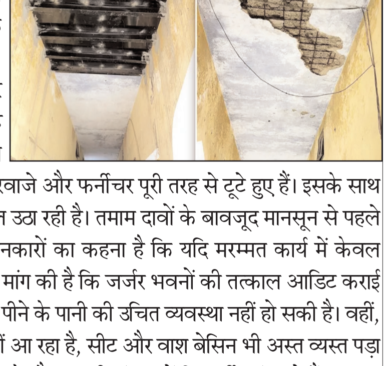

बरेली। ऐतिहासिक बरेली कॉलेज में मानसून और छात्रों की सुरक्षा को देखते हुए करोड़ों रुपये की लागत से मरम्मत चल रही है, लेकिन गुणवत्ता और सुरक्षा के दावों पर प्रश्नचिह्न लग रहे हैं। हाल ही में, पर्यावरण विज्ञान विभाग में मरम्मत कार्य के दौरान बड़ा हादसा होते-होते टला। काम के बीच में ही नीचे स्थित जूलाजी विभाग के कमरा नंबर-55 के सामने छत का एक हिस्सा अचानक भरभरा कर गिर गया। गनीमत रही कि उस समय वहां कोई मौजूद नहीं था। घटना के बाद सुरक्षा के लिए ठोस उपाय करने के बजाय, आनन-फानन में लोहे के गार्डर लगाकर काम चलाऊ व्यवस्था कर दी गई है। कॉलेज में चल रहे मरम्मत कार्य के लिहाज से यह महज एक उदाहरण है। अन्य विभागों की स्थिति भी बदतर बनी हुई है। संगीत, अंग्रेजी, ललित कला और अर्थशास्त्र विभाग की इमारतों की हालत दयनीय है। कई कक्षाओं में खिड़कियां, दरवाजे और फर्नीचर पूरी तरह से टूटे हुए हैं। इसके साथ ही, कॉलेज सभागार के सुंदरीकरण की धीमी गति भी कॉलेज प्रबंधन की कार्यशैली पर सवाल उठा रही है। तमाम दावों के बावजूद मानसून से पहले की गई ये तैयारियां कितनी प्रभावी साबित होंगी, इसको लेकर छात्रों में भारी संशय है। जानकारों का कहना है कि यदि मरम्मत कार्य में केवल खानापूर्ति की गई, तो आगामी बारिश में जर्जर होती छतें बड़ी मुसीबत बन सकती हैं। छात्रों ने मांग की है कि जर्जर भवनों की तत्काल आडिट कराई जाए और सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाए। कालेज में ट्यूबवेल खराब होने के बाद से अब तक पीने के पानी की उचित व्यवस्था नहीं हो सकी है। वहीं, प्राचार्य कार्यालय के बाहर विद्यार्थियों के लिए बना शौचालय भी बदहाल है। टोटियों में पानी नहीं आ रहा है, सीट और वाश बेसिन भी अस्त व्यस्त पड़ा है। साफ-सफाई का दावा यहां हवा-हवाई मालूम पड़ता है। जबकि इन दिनों परीक्षा और प्रवेश के दौरान बड़ी संख्या में विद्यार्थी पहुंच रहे हैं।

मुहर्रम जुलूस में नोट उड़ाने पर बवाल, लाठी-डंडे चले और 20 घायल; पुलिस का बड़ा एक्शन

● बिथरी के पदारथपुर गांव में मुहर्रम जुलूस के दौरान रुपये उड़ाने को लेकर एक ही संप्रदाय के दो पक्षों में मारपीट हो गई, जिसमें 15-20 लोग घायल हो गए। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर स्थिति संभाली और अब माहौल बिगाड़ने वालों को चिह्नित कर प्राथमिकी दर्ज करने की तैयारी कर रही है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चैनपुर (बरेली)। मुहर्रम के जुलूस में रुपये उड़ाने को लेकर बिथरी के पदारथपुर गांव में एक ही संप्रदाय के दो पक्षों में विवाद हो गया। दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई जिसमें करीब 15-20 लोग घायल हो गए। पुलिस को हालात काबू करने के लिए हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। बाद में दोनों पक्षों ने आपस में समझौता कर लिया और पुलिस को कोई शिकायती पत्र नहीं दिया है। पुलिस ने दोनों पक्षों के लिए लोगों को चिह्नित करना शुरू कर दिया। सभी के विरुद्ध प्राथमिकी लिखी जाएगी। पदारथपुर गांव में शाम को मुहर्रम का जुलूस निकाला जा रहा था। हजारों की संख्या में भीड़ थी। इसी बीच जुलूस में शामिल लोगों ने रुपये उड़ाना शुरू कर दिया। रूपये लूटने वालों की भीड़ में भगदड़ मच गई। इसी बात पर दो पक्ष आमने सामने आ गए। दोनों पक्षों में मारपीट होने लगी। देखते ही देखते लाठी डंडे चलने लगे। स्थिति यह हो गई मारपीट में करीब 15-20 लोग घायल हो गए। ड्यूटी में तैनात पुलिस ने पहले उन्हें समझाने का प्रयास किया मगर जब हालात बेकाबू होते दिखाई दिए तो पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। पुलिस ने लाठियां फटकारी तो भीड़ तितर-बितर हुई। थाने से और फोर्स मंगवाई गई तो हालात को काबू किया गया। पुलिस ने घायल दोनों पक्षों के लोगों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। इसी बीच कार्रवाई के डर से दोनों पक्षों ने आपस में समझौता कर लिया। मगर पुलिस ने इस मामले को सिर्फ दो पक्षों के विवाद तक नहीं रहने दिया। पुलिस अब उन सभी खुराफातियों को चिह्नित कर रही है। जिन्होंने माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया था। उन सभी के विरुद्ध प्राथमिकी लिखकर सभी की गिरफ्तारी की जाएगी। इसके लिए पुलिस ने सभी सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है। माहौल बिगाड़ने वाले और झगड़ा करने वालों की पहचान की जा रही है।

चुनावी रंजिश को लेकर विवाद की चर्चा

गांव में चर्चा है कि यह विवाद केवल चुनावी रंजिश को लेकर हुआ है। जिन लोगों के बीच विवाद हुआ था उनका आपस में चुनाव को लेकर मनमुटाव रहा है। इसी वजह से रुपये उड़ाए गए थे और इसलिए झगड़ा भी हुआ था।

संक्षिप्त खबरें

ब्लाक मुख्यालय पर संचारी नियंत्रण अभियान की एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया

सीखड़- सरकार द्वारा संचालित संचारी नियंत्रण अभियान को सम्पन्न कराने हेतु विकास खण्ड के समस्त ग्राम पंचायतों में कार्यरत सफाई कर्मी को विकास खण्ड मुख्यालय पर 1 जुलाई से 31 जुलाई तक चलने वाली संचारी नियंत्रण अभियान के बारे में एडीओ पंचायत अरूण कुमार मिश्रा की उपस्थिति में आने वाले दिनों में वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए ग्राम पंचायतों में साफ सफाई समय से दवा की छीडकाव, किट पतंगों जैसे किड़ो से फैलने वाले रोगो से बचाव कैसे होगा उसके बारे में विन्दुवार प्रशिक्षण दिया गया। उक्त अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ केंद्र अधीक्षक डॉ भरत चन्द्र यादव, एडीओ आईएसबी मुरली श्याम, एडीओ समाज कल्याण विनोद कुमार शुक्ला, सहित समस्त सफाई कर्मी उपस्थित रहे।

खुशबू सेठ बनीं चार्टर्ड अकाउंटेंट

चुनार, मीरजापुर। नगर निवासिनी खुशबू सेठ ने चार्टर्ड एकाउंटेंट की परीक्षा उत्तीर्ण कर परिवार एवं नगर का मान बढ़ाया है। उन्हें सी ए चेयरमैन राहुल अग्रवाल द्वारा प्रमाणपत्र दिया गया। नगर के मोचीटोला, चौक बाजार निवासी श्याम सेठ की पुत्री खुशबू सेठ की शिक्षा सूरत में हुई है। इस उपलब्धि पर बचाऊ लाल सेठ,विवेक सिंह,आलोक जौहरी, धीरज जायसवाल, संजय साहनी, किशन मोदनवाल,अमित कुमार, महेंद्र सेठ,संदीप गुप्ता,राकेश श्रीवास्तव,अनिल मिश्रा सहित नगर के लोगों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है।

यूपी में जल्द शुरू होगा विंध्य एक्सप्रेस-वे का काम, चार राज्यों तक होगी सीधी कनेक्टिविटी

भदोही। जिले से गुजरने वाले विंध्य एक्सप्रेस-वे की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) का कार्य अंतिम चरण में है। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) की ओर से तहसीलवार गांवों के भूमि अभिलेखों की जांच इस सप्ताह तक पूरी हो जाएगी। छह लेन का यह एक्सप्रेस-वे प्रयागराज से होते हुए भदोही, ज्ञानपुर और औराई तहसील के 52 गांवों के 35 किमी क्षेत्र से होकर मीरजापुर और सोनभद्र को जोड़ेगा। सर्वे व मिट्टी की जांच हो चुकी है। 333 किमी लंबा यह एक्सप्रेस-वे चार राज्यों की सीमाओं को जोड़ रहा है। जिलाधिकारी ने बताया कि तीनों तहसीलों में छह लेन के हिसाब से जमीनों का नक्शा, खतौनी, कितनी सरकारी जमीन है, कितनी भूमिधरी है, कितने किसान इसकी जद में आ रहे हैं। इन सबकी रिपोर्ट तैयार की जा रही है। एक सप्ताह में यह रिपोर्ट तैयार होने पर आगे की प्रक्रिया शुरू होगी। इस परियोजना के तैयार होने से पूर्वी यूपी में व्यापार, पर्यटन और लॉजिस्टिक्स को नई रफ्तार मिलेगी। एक्सप्रेसवे के रूट का सर्वे पूर्ण हो गया है। जिले से गुजर रहा दिल्ली से कोलकाता हाईवे-19 पर दिल्ली का रास्ता सुगम हो गया है अब विंध्य एक्सप्रेसवे से मंडल के साथ ही चार राज्यों की सीमा और गंगा एक्सप्रेसवे से मेरठ तक जुड़ाव हो जाएगा।

विंध्याचल में ट्रैक्टर की चपेट में आने से 13 वर्षीय छात्र की मौत, आक्रोशित ग्रामीणों ने हाईवे जाम किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

विंध्याचल मीरजापुर। शनिवार सुबह विंध्याचल थाना क्षेत्र के अष्टभुजा चौकी के पास हुए दर्दनाक हादसे में ट्रैक्टर की चपेट में आने से 13 वर्षीय छात्र जसवंत बिंद की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने मीरजापुर-प्रयागराज हाईवे पर चक्का जाम कर दिया। नगर मजिस्ट्रेट औरद्ध क्षेत्राधिकारी नगर के समझाने पर करीब तीन घंटे बाद जाम हटाया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गोपालपुर मड़गुड़ा निवासी अशोक बिंद का 13 वर्षीय पुत्र जसवंत बिंद सुबह साइकिल से कोचिंग पढ़कर घर लौट रहा था। अष्टभुजा चौकी के पास रेलवे पुलिया के समीप जैसे ही वह हाईवे से उतरकर कच्ची सड़क पर आया, तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में छात्र की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। बताया जा रहा है कि अशोक बिंद की चार बेटियां हैं और जसवंत इकलौता बेटा था। इकलौते बेटे की मौत परिवार में कोहराम मच गया। मां-बाप का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए और शव को सड़क पर रखकर हाईवे जाम कर दिया। ग्रामीणों का आरोप था कि क्षेत्र की सड़कें जर्जर हैं, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं।

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि जब रेलवे पुलिया में पानी भर जाता है तो लोगों को मजबूरन रेलवे पटरी पार करनी पड़ती है। इस दौरान जीआरपी द्वारा पकड़े जाने पर 3 से 4 हजार रुपये लेकर छोड़ दिया जाता है। लोगों ने जिलाधिकारी को मौके पर बुलाने और समस्या के स्थायी समाधान की मांग की।

सूचना पर थाना विंध्याचल इंस्पेक्टर अजीत सिंह, धाम चौकी प्रभारी अजय कुमार मिश्र, अष्टभुजा चौकी प्रभारी, गैपूरा चौकी प्रभारी, जिगना थाना प्रभारी संजय कुमार सिंह, कटरा कोतवाली इंस्पेक्टर नीरज पाठक भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। नगर मजिस्ट्रेट अविनाश सिंह और क्षेत्राधिकारी नगर अमित कुमार ने ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शांत कराया। अधिकारियों के कार्रवाई और मुआवजे के आश्वासन पर ग्रामीणों ने जाम समाप्त किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। विंध्याचल थाना पुलिस ने ट्रैक्टर को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। फिलहाल हाईवे पर आवागमन सामान्य हो गया है। घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।

भदोही में तीन दिन में 145 दुकानों की जांच, 85 को नोटिस जारी; छह कोचिंग किए गए सील

भदोही। लखनऊ के अलीगंज स्थित कोचिंग सेंटर में पिछले सोमवार को हुई अगलगी की हृदयविदारक घटना ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। 15 छात्रों की मौत से सभी का मन विचलित है। शासन के निर्देश पर प्रशासन हरकत में आ गया है। प्रदेश के अन्य जिलों के साथ भदोही जनपद में भी जांच व कार्रवाई का सिलसिला जारी है। जिलाधिकारी शैलेष कुमार द्वारा गठित तीन विभाग डीआइओएस, भदोही औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) और अग्निशमन विभाग की टीम बुधवार से ही जांच में जुटी है। होटल, रेस्टूरेंट, कोचिंग सेंटर, डिजिटल लाइब्रेरी और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा प्रबंध सहित अन्य व्यवस्था का जायजा लिया जा रहा है। तीन दिन में 145 व्यावसायिक केंद्रों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान मानक के अनुरूप व्यवस्था न मिलने पर 85 संचालकों नोटिस दिया गया जबकि छह कोचिंग सेंटर, डिजिटल लाइब्रेरी को सील कर दिया गया। इसी माह तीन जून को दक्षिणी दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में अगलगी हुई थी। उसमें भी बड़ी जनहानि हुई थी लेकिन जिले के व्यावसायियों, होटल रेस्टूरेंट, मैरेज लान, अस्पताल और कोचिंग संचालकों ने कोई सबक नहीं लिया था। यहां तक कि अग्निशमन विभाग से एनओसी के लिए एक भी आवेदन नहीं आया।

जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी के सौजन्य से 101 टीबी मरीजों को पोषण पोटली

● महिलाओं को साड़ी व पुरुषों को अंगवस्त्रम भेंट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी के सौजन्य से शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुरियावां में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत 101 टीबी (क्षय रोग) मरीजों को पोषण पोटली वितरित की गई। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, पूर्व विधायक रवीन्द्र नाथ त्रिपाठी, जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने संयुक्त रूप से मरीजों को पोषण पोटली प्रदान कर उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी ने पोषण पोटली के साथ महिला लाभार्थियों को साड़ी तथा पुरुष लाभार्थियों को अंगवस्त्रम भी भेंट किया। इस पहल की उपस्थित लोगों ने सराहना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने कहा कि जनप्रतिनिधियों, निक्षय मित्रों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं जनसहयोग के माध्यम से जनपद में अब तक 2,200 से अधिक पोषण पोटलियों का वितरण किया जा चुका है। इसी सहभागिता और स्वास्थ्य विभाग के समर्पित प्रयासों के कारण भदोही ने टीबी मुक्त अभियान में प्रदेश स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जनपद में 1,440 टीबी रोगियों का उपचार चल रहा है तथा पात्र मरीजों को भारत सरकार की ओर से प्रतिमाह एक हजार रुपये की पोषण सहायता भी प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि टीबी पूर्णतः उपचार योग्य बीमारी है और समय पर जांच एवं नियमित दवा सेवन से इसे पूरी तरह समाप्त किया जा सकता है। जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी ने कहा कि टीबी मरीजों के उपचार के साथ-साथ उनके पोषण का ध्यान रखना भी आवश्यक है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से निक्षय मित्र बनकर इस मानवीय अभियान में सहयोग करने की अपील की। पूर्व विधायक रवीन्द्र नाथ त्रिपाठी ने लोगों से टीबी के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल जांच कराने का आह्वान किया। वहीं पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने कहा कि टीबी मरीजों का मनोबल बढ़ाना और उन्हें सामाजिक सहयोग प्रदान करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी संतोष चक, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक डॉक्टर अभिषेक नाग चिकित्सक, निक्षय मित्र, आशा कार्यकर्त्रियां तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

पल्स पोलियो जनजागरूकता रैली को डीएम ने दिखाई हरी झंडी

● आज 643 बूथों पर पिलाई जाएगी पोलियो की दवा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत 28 जून को आयोजित होने वाले विशेष बूथ दिवस के प्रचार-प्रसार के लिए शनिवार को जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने बेसिक शिक्षा विभाग के स्कूली बच्चों की जनजागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में छात्र-छात्राओं ने 'दो बूंद जिंदगी की', 'पांच साल से कम उम्र, पोलियो की दवा है जरूरी' और 'एक भी बच्चा न छूटे' जैसे नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि भारत वर्ष 2014 से पोलियो मुक्त है और पिछले 12 वर्षों में देश में पोलियो का कोई मामला सामने नहीं आया है। हालांकि पड़ोसी देशों अफगानिस्तान और पाकिस्तान में समय-समय पर पोलियो के मामले मिलने के कारण सतर्कता बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अभियान में शत-प्रतिशत बच्चों तक पहुंचना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में शून्य से पांच वर्ष आयु वर्ग के लगभग 2.82 लाख बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए 28 जून को 643 बूथों पर विशेष बूथ दिवस आयोजित किया जाएगा तथा अभियान की निगरानी के लिए 450 सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं। उन्होंने बताया कि 29 जून से 3 जुलाई तक स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगी। इसके बाद 6 जुलाई को विशेष अभियान चलाकर ऐसे बच्चों को भी दवा पिलाई जाएगी, जो किसी कारणवश पहले चरण में छूट गए हों। जिलाधिकारी ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने शून्य से पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को नजदीकी पोलियो बूथ पर अवश्य ले जाकर पोलियो की दो बूंद पिलाएं। उन्होंने कहा कि पोलियो उन्मूलन अभियान केवल स्वास्थ्य विभाग का नहीं, बल्कि पूरे समाज का जनआंदोलन है और जनसहयोग से ही इसे पूरी तरह सफल बनाया जा सकता है। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक, स्वास्थ्यकर्मी एवं बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।

मोहर्रम जुलूस शांतिपूर्ण माहौल में निकला ड्रमंडगंज बाजार सहित कई स्थानों पर

मीरजापुर। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के ड्रमंडगंज बाजार सहित विभिन्न स्थानों पर मोहर्रम का ताजिया जुलूस शांतिपूर्ण माहौल में निकाला गया क्षेत्र के महेश पुर ड्रमंडगंज बाजार मे पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच यह जुलूस संपन्न हुआ। ड्रमंडगंज बाजार व महेश पुर में निकले ताजिया जुलूस में भावी जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी शरीफुल हसंन खान समाजसेवी दीनुल इस्लाम खान शनिउल्ला खान इंतयाज खान मिस्टर अंसारी पिंटू खान छोटे खान और झुरू मियां सहित कयी लोगों ने भाग लिया सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए नायब तहसीलदार प्रताप नारायण ओझा थाना प्रभारी ड्रमंडगंज सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

रेहड़ा पुल के पास क्रेन की टक्कर से वर्षों पुराना रुद्रेश्वर महादेव मंदिर क्षतिग्रस्त, ग्रामीणों में आक्रोश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। विंध्याचल क्षेत्र अंतर्गत रेहड़ा पुल से पहले स्थित वर्षों पुराना रुद्रेश्वर महादेव मंदिर शनिवार को एक क्रेन की टक्कर से भारी क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद बड़ी संख्या में गांव के महिला-पुरुष मौके पर पहुंच गए और विरोध जताने लगे। सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी अमित कुमार, थाना प्रभारी विंध्याचल और धाम चौकी प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। सीओ अमित कुमार ने आक्रोशित ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शांत कराया। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि मंदिर का पुनर्निर्माण कराया जाएगा। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए क्रेन चालक सुजीत सिंह पुत्र गुलाब सिंह 50 वर्ष देवरी को हिरासत में ले लिया है और नियमानुसार कानूनी कार्रवाई में जुट गई है।

क्षेत्राधिकारी अमित कुमार ने बताया कि मंदिर का निर्माण क्रेन मालिक द्वारा कराया जाएगा। यदि क्रेन मालिक मंदिर निर्माण नहीं कराता है तो मंदिर का निर्माण उनके नेतृत्व में कराया जाएगा। घटना के बाद से क्षेत्र में धार्मिक आस्था से जुड़े लोगों में नाराजगी है। ग्रामीणों ने मांग की है कि दोषी चालक और क्रेन मालिक पर कड़ी कार्रवाई हो और मंदिर का निर्माण जल्द से जल्द शुरू कराया जाए। पुलिस मामले की जांच कर रही।

जिला पंचायत राज अधिकारी की अध्यक्षता में विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक सम्पन्न

● विकास एवं स्वच्छता संबंधी योजनाओं की प्रगति, गुणवत्ता तथा समयबद्ध क्रियान्वयन पर चर्चा की गई।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। शनिवार को जिला पंचायत सभागार में जिला पंचायत राज अधिकारी राम उदय यादव द्वारा विकासखंड के समस्त ग्राम पंचायत सचिवों के साथ विभागीय योजनाओं की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्राम पंचायतों में संचालित विभिन्न विकास एवं स्वच्छता संबंधी योजनाओं की प्रगति, गुणवत्ता तथा समयबद्ध क्रियान्वयन पर चर्चा की गई। जिला पंचायत राज अधिकारी ने सचिवों को निर्देशित किया कि ग्राम पंचायतों में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), व्यक्तिगत एवं सामुदायिक शौचालयों का नियमित संचालन, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, ग्राम पंचायत भवनों का सुव्यवस्थित संचालन, पंचायत सहायकों की उपस्थिति तथा अभिलेखों के रख-रखाव पर विशेष ध्यान दिया जाए।बैठक में ग्राम पंचायतों में पेयजल व्यवस्था, साफ-सफाई, नालियों की नियमित सफाई, कूड़ा संग्रहण एवं निस्तारण, सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता तथा ग्राम स्तर पर जनजागरूकता गतिविधियों की समीक्षा की गई। निर्देश दिए गए कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में साफ-सफाई की नियमित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा कहीं भी जलभराव, गंदगी अथवा कूड़े का ढेर पाए जाने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जाए। जिला पंचायत राज अधिकारी ने सचिवों को निर्देशित किया कि विभागीय योजनाओं की प्रगति की नियमित समीक्षा करते हुए लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया जाए। जिन ग्राम पंचायतों में कार्यों की प्रगति अपेक्षाकृत कम है, वहां विशेष प्रयास कर निर्धारित समयावधि में लक्ष्य पूर्ण किए जाएं।

उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुविधायुक्त वातावरण उपलब्ध कराना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। सचिवों को निर्देशित किया गया कि ग्राम प्रधान, पंचायत सहायक एवं संबंधित कर्मचारियों के समन्वय से योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें तथा कार्यों की प्रगति से नियमित रूप से अवगत कराते रहें। बैठक में जिला पंचायत राज अधिकारी राम उदय यादव एडीपीआरओ केके सिंह अनूप दुबे अजय शंकर सचिव आलोक भारती सौरभ यादव राकेश तिवारी बिसी मोसिन खान रजनीश आशिक अली एडीपीआरओ प्रेम दास डीसी सुनील उपाध्याय विनोद कुमार श्रीवास्तव अनिल कुमार प्रशांत प्रवीण संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

थाना समाधान दिवस में 94 शिकायतें पहुंचीं, पुलिस से जुड़ी सभी 20 शिकायतों का मौके पर हुआ निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक शनिवार आयोजित होने वाले थाना समाधान दिवस के तहत शनिवार को जनपद के सभी थानों पर जनसुनवाई की गई। जिलाधिकारी शैलेश कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन में पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान जनपद के सभी थानों पर कुल 94 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। इनमें 74 शिकायतें राजस्व विभाग तथा 20 शिकायतें पुलिस विभाग से संबंधित थीं। पुलिस विभाग से जुड़ी सभी 20 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि राजस्व संबंधी मामलों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। समाधान दिवस में भूमि विवाद सहित अन्य राजस्व प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के लिए पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम बनाकर कार्रवाई करने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि संयुक्त कार्रवाई से फरियादियों को अलग-अलग विभागों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और मामलों का निष्पक्ष व त्वरित समाधान सुनिश्चित होगा। पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से बताया गया कि शेष लंबित प्रकरणों में पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीमों का गठन कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। शासन की मंशा के अनुरूप थाना समाधान दिवस के माध्यम से लोगों को स्थानीय स्तर पर सरल, सुलभ एवं त्वरित न्याय उपलब्ध कराने का प्रयास लगातार जारी है।

गेराई गांव में मिला अज्ञात युवक का शव, पहचान कराने में जुटी पुलिस

गोपीगंज। गोपीगंज थाना क्षेत्र के गेराई गांव में शनिवार को एक अज्ञात युवक लावारिस अवस्था में मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोपीगंज पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार मृतक की उम्र लगभग 25 से 26 वर्ष है। उसका रंग सांवला, कद करीब 5 फीट 6 इंच तथा शरीर दुबला-पतला है। उसके बाल काले एवं घुंघराले हैं। मृतक ने सफेद रंग की पूरी बांह की टी-शर्ट और गहरे नीले रंग की पैंट पहन रखी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पहचान कराने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। थाना गोपीगंज पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी को मृतक के संबंध में कोई जानकारी हो तो तत्काल थाना गोपीगंज या क्षेत्राधिकारी ज्ञानपुर कार्यालय को सूचना दें, ताकि शव की शिनाख्त कर आगे की आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

पोषण मिशन के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश, सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएं हों सुनिश्चित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पोषण समिति/पोषण मिशन की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में संचालित पोषण संबंधी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। साथ ही आगामी 1 जुलाई से 30 सितंबर तक संचालित होने वाले 'संभव अभियान' की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी सहयोगी विभागों को अपने-अपने निर्धारित इंडिकेटरों की शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने क्षेत्र के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएं हर हाल में उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक केंद्र पर पहुंच मार्ग, भवन की पेंटिंग, विद्युत व्यवस्था, पंखा, पेयजल, शौचालय सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की अद्यतन रिपोर्ट दो दिनों के भीतर तैयार की जाए। इन कार्यों को जिला पंचायत राज अधिकारी एवं संबंधित खंड विकास अधिकारियों के समन्वय से समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराया जाए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र पर निरीक्षण रजिस्टर दो दिनों के भीतर उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि जब भी बाल विकास परियोजना अधिकारी अथवा सुपरवाइजर केंद्रों का निरीक्षण करें, तो रजिस्टर में बिंदुवार निरीक्षण आख्या अंकित करें, जिससे अगली समीक्षा में कमियों का प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि पोषण मिशन के अंतर्गत संचालित सभी योजनाओं में और अधिक प्रगति लाते हुए बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं को शासन की योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से उपलब्ध कराया जाए। कुपोषण मुक्त जनपद का लक्ष्य तभी प्राप्त होगा, जब सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ गंभीरता एवं जिम्मेदारी से कार्य करेंगे। बैठक में 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के वजन एवं लंबाई मापन, स्वास्थ्य परीक्षण, आंगनबाड़ी केंद्रों पर पुष्टाहार वितरण तथा विभिन्न पोषण कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि जनपद में पुष्टाहार का वितरण डोर-स्टेप व्यवस्था के माध्यम से कराया जा रहा है। साथ ही नई होम डिलीवरी प्रणाली के अंतर्गत लाभार्थियों को ओटीपी आधारित व्यवस्था से पुष्टाहार उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित होगी। बैठक में पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) की प्रगति की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि गत माह 25 गंभीर कुपोषित बच्चों को केंद्र में भर्ती कर उपचार एवं आवश्यक पोषण सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि गंभीर कुपोषित बच्चों की नियमित निगरानी करते हुए उन्हें समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण कर शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष चक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवम पांडेय, जिला कार्यक्रम अधिकारी दिनेश त्रिपाठी, समस्त खंड विकास अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

'12.5 करोड़ लोगों के चंदे का हिसाब कहां है?' दिग्विजय सिंह ने उठाए राम मंदिर ट्रस्ट पर सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर की दान राशि में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्र की भाजपा पर हमला बोला है। साथ ही उन्होंने मंदिर ट्रस्ट प्रबंधन पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। दिग्विजय ने कहा कि भारत के इतिहास में आजादी के पहले व आजादी के बाद पहली बार ऐसी हुकूमत आई है, जिसकी हुकूमत में मंदिर की दान राशि में घोटाला हो रहा है। दिग्विजय सिंह ने राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को निशाने पर लेते हुए कहा चंपत राय से बड़ा बेईमान और भ्रष्ट कोई नहीं है। भगवान राम के मंदिर पर जमकर चंदाखोरी की गई। उन्होंने कहा कि केवल किसी ट्रस्टी के इस्तीफे से मामला खत्म नहीं होता। ट्रस्ट की व्यवस्था की जिम्मेदारी चंपत राय पर है और उन्हें पूरे मामले की जवाबदेही लेनी चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि वर्ष 1992 के बाद राम मंदिर आंदोलन के दौरान करीब साढ़े 12 करोड़ लोगों ने चंदा दिया था, जिसका आज तक पूरा हिसाब जनता के सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा, उद्धव ठाकरे ने जो एक करोड़ रुपये दिए और चांदी की शिलाएं दीं, उनकी रसीद और हिसाब अब तक नहीं मिला। दिग्विजय सिंह ने कहा, यह आरएसएस मॉडल ऑफ गवर्नेंस है। आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद अयोध्या में चंदा चोरी करने वालों को बचाने में लगे हुए हैं। ये लोग सनातन का विनाश कर रहे हैं और सनातनियों के साथ धोखा कर रहे हैं। पूर्व सीएम ने बताया कि आप पार्टी के सांसद संजय सिंह ने एसआईटी प्रमुख को 11 बिंदु भेजे और जांच की मांग की थी। एसआईटी की रिपोर्ट के बाद अयोध्या में एफआईआर हुई, लेकिन दोषियों का रिमांड लिए जाने की बजाय उन्हें गिरफ्तार कर सीधे जेल भेज दिया गया। दिग्विजय ने मांग की कि दोषियों के खिलाफ विस्तृत जांच कर एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि मंदिर निर्माण पूरा होने के बाद भी उसकी व्यवस्थाएं विश्व हिंदू परिषद के हाथों में हैं। उन्होंने देशभर के अनेक मंदिरों और मठों का उदाहरण दिया, जिनकी व्यवस्थाएं संत-महात्माओं के पास रहती हैं और वहां इस प्रकार के विवाद या घोटाले सामने नहीं आते।

गुजरात मॉडल को खुद खाओ खूब खिलाओ बताते हुए दिग्विजय ने कहा कि राजस्थान और मध्य प्रदेश में पर्ची के मुख्यमंत्री हैं। जो सीधे नरेंद्र मोदी से जुड़े, वही अब प्रदेशों के मुख्यमंत्री हैं। बात न मानने वाले अफसर को जेल व मनचाहा काम करने वाले अफसर को मनचाही पोस्टिंग मिलती है। दिग्विजय सिंह आज सुबह उज्जैन पहुंचे थे। राम मंदिर ट्रस्ट में हाल ही में एक ट्रस्टी के इस्तीफे के बाद से ही मामले ने फिर तूल पकड़ा है।

'बीजेपी का हिंदुत्व नकली', अविमुक्तेश्वरानंद ने राम मंदिर मामले में दर्ज प्राथमिकी पर सवाल उठाए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज- ज्योतिर्मठ के प्रमुख स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने शुक्रवार को अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित वित्तीय अनियमितता मामले में दर्ज प्राथमिकी पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि इसमें सिर्फ छोटे कर्मचारियों के नाम शामिल किए गए हैं, जबकि इसके लिए जिम्मेदार बड़े लोगों को छोड़ दिया गया है। संभल में अपनी 'गौ धर्म यात्रा' के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा, 'चंदे की चोरी के बारे में क्या कहा जाए? राम मंदिर के मामले में शुरू से ही मनमाने फैसले लिए गए। न तो शास्त्रों, न वेदों और न ही धार्मिक गुरुओं की सलाह का पालन किया गया। ट्रस्ट में राजनीतिक नेताओं द्वारा चुने गए लोगों को शामिल किया गया, जबकि संतों, ऋषियों और पुजारियों को दूर रखा गया।' उन्होंने कहा कि 'अगर सब कुछ निष्पक्ष तरीके से करना होता, तो ट्रस्ट की ज़िम्मेदारी चारों शंकराचार्यों, रामानंदाचार्य और अन्य धार्मिक गुरुओं को सौंपी जा सकती थी। इसके बजाय, भरोसेमंद राजनीतिक सहयोगियों को नियुक्त किया गया, जिससे शुरू से ही उनकी मंशा साफ हो गई थी। 'राम मंदिर दान में कथित हेराफेरी के मामले में दर्ज प्राथमिकी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'हमने सुना है कि प्राथमिकी उन लोगों के खिलाफ दर्ज की गई है जिन्होंने नोट गिने थे। उन्होंने तो बस नोटों को सीधा किया, गिना और उनकी गड्डियां बनाई। हमें उस बड़ी चोरी के बारे में बताइए जो बाद में हुई। नोट गिनने वाला व्यक्ति अगर चोरी भी करे, तो ज़्यादा से ज़्यादा कुछ नोट ही ले सकता है। बड़े पैमाने पर चोरी तो प्रभावशाली लोग करते हैं। उनके खिलाफ कोई प्राथमिकी नहीं है। 'उन्होंने कहा कि विपक्ष ने बिना किसी आधार के यह मुद्दा नहीं उठाया है। उन्होंने कहा, 'अगर आरोपों में दम था, तो पहले ही दिन प्राथमिकी दर्ज होनी चाहिए थी, भले ही अज्ञात लोगों के ख़िलाफ़ ही क्यों न हो। जांच के बाद प्राथमिकी दर्ज होने से ही पता चलता है कि जांच करने लायक कुछ तो था। विपक्ष गड़बड़ियों को उजागर करके सिर्फ़ अपना फ़र्ज़ निभा रहा है। 'बीजेपी पर निशाना साधते हुए अविमुक्तेश्वरानंद ने आरोप लगाया कि पार्टी का हिंदुत्व 'नकली' है और उसके सदस्य 'नकली हिंदू' हैं। उन्होंने कहा, 'हो सकता है कि पार्टी असली हो क्योंकि यह चुनाव आयोग में पंजीकृत है, लेकिन इसका हिंदुत्व असली नहीं है। जो लोग वेदों को नहीं मानते, वे नकली हिंदू हैं। असली हिंदू वेदों, धर्मग्रंथों और अपने गुरुओं में विश्वास करते हैं, जबकि ये लोग ऐसा नहीं करते। अविमुक्तेश्वरानंद ने बताया कि वे तीन मई से 'गौ धर्म यात्रा' कर रहे हैं। वे गोरखपुर से लगभग 170 विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुज़र रहे हैं ताकि 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में मतदाताओं को गौ-संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध उम्मीदवारों का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित कर सकें।इस आरोप को खारिज करते हुए कि यात्रा का मकसद किसी राजनीतिक दल को फायदा पहुंचाना है, उन्होंने कहा कि कोई भी इस अभियान से राजनीतिक फायदा उठा सकता है। उन्होंने कहा, 'अगर बीजेपी गाय को 'राजमाता' घोषित करती है तो उसे सबसे ज्यादा फायदा हो सकता है, लेकिन वह ऐसा नहीं कर रही है। अगर कोई दूसरी पार्टी राजनीतिक फायदा उठाना चाहती है, तो हम उन्हें रोक नहीं रहे हैं। 'संत ने यह भी कहा कि मतदाताओं को सनातन धर्म के प्रति प्रतिबद्ध 'असली' उम्मीदवारों का ही समर्थन करना चाहिए, क्योंकि इस तरह के नजरिए से आखिरकार एक वैकल्पिक राजनीतिक नेतृत्व तैयार होगा।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 92 नवदंपतियों का संपन्न हुआ विवाह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत शनिवार को जनता इंटर कॉलेज, रूदापुर सहसों में भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में कुल 92 नवदंपत्तियों का विधि-विधान एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह संपन्न कराया गया। पूरे आयोजन के दौरान उत्साह, उल्लास और सामाजिक समरसता का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में विकास खंड फूलपुर के 15, बहरिया के 31, बहादुरपुर के 24 तथा सहसों के 22 जोड़ों सहित कुल 92 जोड़ों ने वैवाहिक बंधन में बंधकर अपने नए जीवन की शुरुआत की। विवाह उपरांत सभी नवविवाहित दंपत्तियों को सरकार की ओर से निर्धारित उपहार सामग्री भी प्रदान की गई, जिससे उनके नए जीवन की शुरुआत सुगम हो सके। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित ब्लॉक प्रमुख सहसों गीता सिंह तथा अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अतिथियों ने नवदंपत्तियों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखी, समृद्ध एवं खुशहाल दांपत्य जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित हो रही है और इससे सामाजिक समानता को भी बढ़ावा मिल रहा है। इस अवसर पर जिलाधिकारी प्रयागराज, मुख्य विकास अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी तथा संबंधित विकास खंडों के खंड विकास अधिकारी सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

अधिकारियों ने पूरे आयोजन की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए कार्यक्रम को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया। कार्यक्रम का सफल संचालन वैभव सिंह ने किया। समारोह में बड़ी संख्या में परिजन, क्षेत्रीय नागरिक और गणमान्य लोग उपस्थित रहे, जिन्होंने नवदंपत्तियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखद भविष्य की मंगलकामनाएं व्यक्त कीं।

संक्षिप्त खबरें

नीट 26 के बाद अब महाराष्ट्र टीईटी परीक्षा का पेपर लीक, एग्जाम किया गया रद्द

ब्यूरो प्रयागराज- महाराष्ट्र में परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने के एक नए कथित मामले में रविवार को होने वाली शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को रद्द कर दिया गया है। 27 जून 2026 की सुबह, भिवंडी में कुछ लोगों के पास प्रश्न पत्र से जुड़ी जानकारी होने की गुप्त सूचना मिलने पर, भिवंडी पुलिस ने उस जगह पर छापा मारा। इसके बाद, पुष्टि के लिए महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद के अधिकारियों को बुलाया गया। जांच करने पर पता चला कि इन लोगों के पास मौजूद कुछ सवाल ्रञ्चञ्च जून 2026 के प्रश्न पत्र के सवालों से मेल खाते थे। नतीजतन, भिवंडी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। मामला प्रकाश में आने पर विपक्षी राजनीतिक दलों ने सरकार पर तीखा हमला किया। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव और नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (NSUI) के पूर्व महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष ने एक्स पर लिखा, 'नीट पेपर लीक होने के बाद अब ठाणे में फिर से शिक्षक बनाने वाली टीईटी (TET) परीक्षा का पेपर लीक हो गया। वाह रे भाजपा सरकार! पार्टी चुराते हो, सांसद चुराते हो, विधायक चुराते हो... अरे कम से कम बच्चों के पेपर तो छोड़ दो, वो तो मत चुराओ!' इस मामले के सिलसिले में कई लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। कथित लीक के बाद, महाराष्ट्र शिक्षा विभाग ने रविवार को होने वाली टीईटी परीक्षा को स्थगित करने का फैसला किया है। विभाग द्वारा आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद परीक्षा की नई तारीख की घोषणा किए जाने की उम्मीद है।।

राम मंदिर विवाद: शिवसेना ने उठाए सवाल, कहा- पार्टी ने 1 करोड़ और चांदी की ईंट दी, पर नहीं मिली रसीद

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि उनकी पार्टी द्वारा श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को दिए गए एक करोड़ रुपये के दान की रसीद नहीं मिली। संजय राउत ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में यह भी दावा किया कि पार्टी द्वारा ट्रस्ट को दान की गई चांदी की ईंट की भी रसीद नहीं दी गई। उन्होंने कहा, ''हमें एक करोड़ रुपये की रसीद नहीं मिली है। जब ट्रस्ट का गठन हुआ था, तब हमने एक करोड़ रुपये का चेक दिया था। हमने 25 किलोग्राम से अधिक वजन की पहली चांदी की ईंट भी भेंट की थी।'' संजय राउत के ये आरोप ऐसे समय में आए हैं, जब उत्तर प्रदेश सरकार ने अयोध्या स्थित राम मंदिर में प्राप्त चंदे के कथित गबन के आरोपों की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। इस मामले में दर्ज प्राथमिकी में राम शंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव को नामजद किया गया है, जिसे ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय का पूर्व चालक बताया गया है। संजय राउत ने आरोप लगाया कि कथित रूप से गबन की गई धनराशि का इस्तेमाल सांसदों और विधायकों को ''खरीदने'' के लिए किया गया। राज्यसभा सदस्य राउत ने यह भी आरोप लगाया कि चंपत राय और स्थानीय बीजेपी पदाधिकारियों को बचाने की कोशिश की गई। संजय राउत ने दावा किया कि इन लोगों ने कम कीमत पर जमीन खरीदी और बाद में उसे अधिक कीमत पर ट्रस्ट को बेच दिया।

नेता प्रतिपक्ष के तौर पर राहुल गांधी के दो साल, कहा- सफर लंबा, पर लोगों के हक की लड़ाई का संकल्प अडिग

ब्यूरो प्रयागराज- नेता प्रतिपक्ष के तौर पर अपने दो साल पूरे कर लिए। इस मौके पर उन्होंने शुक्रवार को कहा कि सफर लंबा है, लेकिन देशवासियों के हक की लड़ाई लड़ने का उनका संकल्प अडिग है।उन्होंने पिछले दो वर्ष में नेता प्रतिपक्ष के तौर पर उठाए गए प्रमुख मुद्दों से जुड़ा एक वीडियो भी जारी किया। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में आज दो साल पूरे हुए। इन दो वर्षों में हर दिन एक ही काम रहा, हर भारतीय की आवाज़ को सत्ता के गलियारे तक पहुंचाना। नीट के छात्रों की लड़ाई हो, वोट चोरी का पर्दाफाश हो या संविधान की रक्षा, हर मोर्चे पर आपके साथ खड़ा रहा, आज भी हूं, हमेशा रहूंगा।'' उन्होंने कहा, ''सड़क से संसद तक, आपका भरोसा ही मेरी सबसे बड़ी ताक़त है। सफ़र लंबा है, पर संकल्प वही, आपके लिए हर लड़ाई लड़ता रहूंगा। जय हिंद। जय संविधान।'' लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी ने पिछले दो वर्षों के दौरान संविधान, बेरोजगारी, महंगाई, ''वोट चोरी'', किसानों के मुद्दे, दलित, पिछड़े, आदिवासी और अल्पसंख्यक समुदायों से जुड़े विषयों को उठाया है। इसके साथ ही, वह विदेश नीति, उद्योग जगत में कुछ चुनिंदा समूहों के कथित एकाधिकार और संस्थाओं पर आरएसएस के कथित नियंत्रण को लेकर भी सरकार पर निशाना साधते रहे हैं। राहुल गांधी इन दिनों पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विषय को जोर-शोर से उठा रहे हैं। साल 2024 के आम चुनाव में कांग्रेस 99 सीट के साथ सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी बनी थी। इसके बाद कांग्रेस ने 25 जून, 2024 को राहुल गांधी को नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी सौंपने की घोषणा की। इससे पहले 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने सिर्फ 52 सीटें जीती थीं। साल 2014 के लोकसभा चुनाव में पार्टी सिर्फ 44 सीटों पर जीत हासिल कर सकी थी।

पचदेवरा के प्राचीन मंदिर के जीर्णोद्धार का हुआ भूमिपूजन

● पर्यटन विभाग से 1.80 करोड़ रुपये की स्वीकृति, सांसद प्रवीण पटेल ने किया शिलान्यास

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। पचदेवरा स्थित प्राचीन मंदिर के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण के लिए पर्यटन विभाग द्वारा स्वीकृत 1 करोड़ 80 लाख रुपये की परियोजना का शनिवार को विधि-विधान के साथ भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद प्रवीण पटेल ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सांसद प्रवीण पटेल ने कहा कि क्षेत्र की ऐतिहासिक और धार्मिक धरोहरों का संरक्षण सरकार की प्राथमिकता है। पचदेवरा का यह प्राचीन मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। जीर्णोद्धार कार्य पूरा होने के बाद मंदिर का स्वरूप और अधिक भव्य एवं आकर्षक होगा, जिससे धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा तथा क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि स्वीकृत धनराशि से मंदिर के जीर्णोद्धार, परिसर के सौंदर्यीकरण, श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, मार्ग एवं अन्य आवश्यक विकास कार्य कराए जाएंगे। भूमिपूजन कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, पर्यटन विभाग के अधिकारियों, स्थानीय प्रशासन, ग्राम प्रधान, क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में मंदिर परिसर में सुख-समृद्धि एवं क्षेत्र के विकास की कामना के साथ पूजा-अर्चना संपन्न हुई। स्थानीय लोगों ने मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए सरकार एवं जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक पहल बताया।

प्रयागराज की नन्हीं तैराक का यमुना की लहरों पर हैरतअंगेज कारनामा

प्रयागराज। जब नियति खुद विस्मय से ठहर जाए और लहरें आदर से रास्ता दे दे, तो समझ जाना चाहिए कि वहां किसी उम्र का नहीं, बल्कि अदम्य हौसले का शंखनाद हुआ है। शनिवार को यमुना की लहरों पर एक ऐसा ही हैरतअंगेज दृश्य दिखा, जिससे नदी किनारे खड़े लोगों की सांसें थम गई। प्रयागराज शहर के कीडगंज मुहल्ले की रहने वाली तीन वर्षीय श्री विश्वकर्मा ने महज 14 मिनट 32 सेकंड में ब्रेस्ट स्ट्रोक स्टाइल से 500 मीटर चौड़ी यमुना नदी को तैर कर पार कर लिया। नन्ही जलपरी के साहस के आगे मानों लहरें नतमस्तक हो गई और जब नदी के दूसरे छोर पर मुस्कुराती हुई श्री खड़ी हुई तो तालियों के साथ जय यमुना मइया के जयकारों से तट गूंज उठा। विश्वकर्मा नवजीवन तैराकी क्लब के प्रशिक्षण शिविर में तैराकी का प्रशिक्षण ले रही हैं। शनिवार को उन्होंने 6:45 बजे मीरपुर सिंधु सागर घाट से तैरना शुरू किया और पानी में मछली की तरह अपने छोटे-छोटे हाथों से लहरों को काटती इस नन्ही जलपरी ने ठीक 6:59:32 बजे नदी का दूसरा छोर छू लिया।

अडानी को अमेरिकी कोर्ट से झटका: जज ने न्याय विभाग से केस वापस लेने का कारण बताने को कहा, मामला तुरंत बंद करने से इनकार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज- अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी के लिए अमेरिका से एक बुरी खबर आई है। अमेरिका के एक जज ने शुक्रवार को न्याय विभाग (अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस) को भारतीय अरबपति गौतम अडानी के खिलाफ आपराधिक आरोप वापस लेने के अपने फैसले का स्पष्टीकरण देने का आदेश दिया। जज ने अडानी की कानूनी टीम के मामले को औपचारिक.रूप से खारिज करने के अनुरोध को तत्काल मंजूरी देने से इनकार कर दिया। जज ने अमेरिकी न्याय विभाग से पूछा है कि वे केस क्यों छोड़ना चाहते हैं। न्याय विभाग ने पिछले महीने घोषणा की थी कि वह इस मुकदमे को आगे नहीं बढ़ाएगा। बुधवार को अडानी के वकीलों ने ब्रुकलिन स्थित अमेरिकी जिला जज निकोलस गरौफिस से मामले को औपचारिक रूप से खारिज करने का अनुरोध किया। जिस पर अपना फैसला सुनाते हुए अमेरिका के पूर्वी न्यूयॉर्क जिले के डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के जज निकोलस गराफिस ने कहा कि न्याय विभाग का बयान बहुत छोटा, साधारण और बिना ठोस आधार वाला है। इससे अदालत को कोई निष्कर्ष निकालने या फ़ैसला करने में मदद नहीं मिलती। जज ने न्याय विभाग को 13 जुलाई तक समय दिया है कि वे अपना फैसला बदलने के पीछे का पूरा कारण और जानकारी अदालत को दें। अडानी पर 2024 में दायर आरोपों में कथित तौर पर अडानी ग्रुप की एक सहायक कंपनी द्वारा सौर ऊर्जा संयंत्र विकास परियोजना को मंजूरी दिलाने के लिए भारतीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देने की सहमति का आरोप था। इसके अलावा, उन पर अमेरिकी निवेशकों को कंपनी की भ्रष्टाचार-विरोधी प्रथाओं के बारे में भ्रामक आश्वासन देकर गुमराह करने का भी आरोप लगाया गया था। ट्रंप सरकार के न्याय विभाग ने 18 मई को अदालत से कहा था कि वे इस केस पर और पैसे और समय बर्बाद नहीं करना चाहते हैं। इसलिए व्यक्तिगत रूप से गौतम अडानी और सागर अडानी के खिलाफ आपराधिक केस बंद किया जाए।बाद में ऐसी खबरें आई कि केस वापस लेने के लिए अडानी की ट्रंप सरकार से कोई डील हुई है। कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया कि गौतम अडानी के वकीलों ने न्याय विभाग से कहा था कि अगर केस बंद कर दिया जाए तो वे अमेरिका में 10 अरब डॉलर यानी क़रीब 84000 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे और 15000 नौकरियां पैदा करेंगे।

'24 कोसी परिक्रमा मार्ग' परियोजना पर रोक से इनकार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज- इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी 24 कोसी परिक्रमा मार्ग परियोजना पर रोक लगाने से इनकार करते हुए कहा कि यह सरकार की नीति के अनुरूप एक महत्वपूर्ण जनहित परियोजना है और ऐसे मामलों में व्यक्तिगत हित को व्यापक जनहित के आगे झुकना होगा। जस्टिस जे. जे. मुनीर और जस्टिस अरुण कुमार की खंडपीठ ने उस याचिका को खारिज किया, जिसमें संभल में प्रस्तावित परिक्रमा मार्ग के निर्माण को रोकने की मांग की गई। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि उनकी भूमि पर कोल्ड स्टोरेज बनाने की योजना है और परियोजना के कारण उनकी जमीन प्रभावित होगी। उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्ष 2025-26 के लिए अपनी योजना के तहत 24 कोसी वंश गोपाल तीर्थ परिक्रमा मार्ग के नए निर्माण, चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण को मंजूरी दी है, ताकि श्रद्धालुओं को सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। याचिकाकर्ताओं ने अदालत को बताया कि सरकार की धार्मिक परियोजना के कारण उनकी भूमि प्रभावित हो रही है, जहां वे कोल्ड स्टोरेज स्थापित करना चाहते हैं। उनका कहना था कि इसके लिए वे ऋण लेने की तैयारी कर रहे हैं और यदि परिक्रमा मार्ग का निर्माण हुआ तो उहालांकि, हाईकोर्ट ने इन दलीलों को स्वीकार नहीं किया। अदालत ने कहा, 'परिक्रमा मार्ग सरकार की नीति के अनुरूप एक महत्वपूर्ण जनहित परियोजना है। यह स्थापित विधिक सिद्धांत है कि सरकार की ऐसी नीतियों में, जो व्यापक जनहित की पूर्ति करती हैं, व्यक्तिगत हित को पीछे हटना पड़ता है। इसलिए हम परिक्रमा मार्ग के निर्माण पर रोक नहीं लगा सकते। सुनवाई के दौरान जब अदालत ने निर्माण पर रोक लगाने से इनकार किया तो याचिकाकर्ताओं की ओर से आग्रह किया गया कि कम-से-कम उन्हें यह बता दिया जाए कि उनकी कितनी भूमि परियोजना में आएगी।इस पर हाईकोर्ट ने संभल के जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि वह याचिकाकर्ताओं की उस भूमि का सीमांकन कराएं, जो परिक्रमा मार्ग में शामिल होगी। साथ ही शेष बची भूमि को स्पष्ट रूप से अलग चिन्हित किया जाए। अदालत ने कहा कि सीमांकन के बाद यह निर्णय याचिकाकर्ता स्वयं करेंगे कि बची हुई भूमि पर वे कोल्ड स्टोरेज का निर्माण करना चाहते हैं या नहीं। हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कानून के तहत अनुमति हो, तभी परिक्रमा मार्ग से बाहर बची हुई भूमि पर कोल्ड स्टोरेज का निर्माण किया जा सकेगा। इन निर्देशों के साथ हाईकोर्ट ने याचिका का निस्तारण किया।

प्रयागराज में तारों के मकड़जाल से मिलेगा छुटकारा, रुकेंगे हादसे

प्रयागराज। शहर को स्मार्ट सिटी का दर्जा मिले भले ही सात वर्ष से अधिक समय हो चुका है, लेकिन सड़कों के किनारे तारों का जाल आज भी बिछा हुआ है। प्रमुख चौराहों और मकानों के आसपास झूलते जर्जर तार से अक्सर हादसे की आशंका बनी रहती है। तेज हवा के कारण बारिश के दौरान अक्सर शर्ट सर्किट से बिजली आपूर्ति प्रभावित हो जाती है। स्ट्रीट लाइट भी बुझ जाती है, जिससे लोगों को रात में असुविधा होती है। अब बेहतर बिजली आपूर्ति और मार्ग प्रकाश के लिए नगर निगम सड़कों के किनारे लटकते तारों को अंडर ग्राउंड करने की योजना तैयार कर रहा है। 14 मीटर की चौड़ाई वाली सभी सड़कों के किनारे केबल को अंडर ग्राउंड किया जाएगा। पहले फेज में शहर की 10 सड़कों के किनारे लटकते तारों को भूमिगत करने की तैयारी की जा रही है। आठ से 10 करोड़ रुपये की धनराशि इसके लिए खर्च की जाएगी।

पंचायत चुनाव: हाईकोर्ट ने यूपी में प्रधानों को प्रशासक बनाने पर लगाई रोक, सरकार से मांगा चुनाव का स्पष्ट रोडमैप

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव टालने और ग्राम प्रधानों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद उन्हें प्रशासक के रूप में बनाए रखने के राज्य सरकार के फैसले पर कड़ा रुख अपनाया है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि पंचायतों का कार्यकाल संवैधानिक रूप से पांच वर्ष का होता है और सरकार किसी प्रशासनिक आदेश या कानून के जरिए इसे आगे नहीं बढ़ा सकती। अदालत ने प्रधानों को प्रशासक बनाए रखने संबंधी आदेशों के क्रियान्वयन पर रोक लगाते हुए राज्य सरकार से चुनाव कराने की समय-सीमा स्पष्ट करने को कहा है।

प्रयागराज में ताजिया जुलूस के दौरान बवाल

● चौकी प्रभारी समेत कई पुलिसकर्मी घायल; 11 आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। नवाबगंज थाना क्षेत्र के आनापुर इलाके में मुहर्रम के ताजिया जुलूस के दौरान दो पक्षों के बीच हुए विवाद ने अचानक उग्र रूप ले लिया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया, लेकिन इस दौरान उपद्रवियों ने पुलिस के साथ भी धक्का-मुक्की और पथराव कर दिया। घटना में चौकी प्रभारी समेत चार से पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। घटना के बाद पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे तथा हालात पर तत्काल काबू पा लिया। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज कराया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सभी पुलिसकर्मी खतरे से बाहर हैं। घटना के संबंध में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 11 आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए लोगों से पूछताछ की जा रही है तथा उनकी भूमिका के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस द्वारा घटना में शामिल अन्य उपद्रवियों की भी पहचान की जा रही है। इसके लिए क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और वायरल वीडियो की भी जांच की जा रही है। घटना के बाद आनापुर और आसपास के क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस लगातार क्षेत्र में गश्त कर रही है ताकि किसी भी प्रकार की अफवाह या अप्रिय स्थिति को रोका जा सके। प्रशासन ने लोगों से शांति एवं सौहार्द बनाए रखने तथा किसी भी भ्रामक सूचना पर ध्यान न देने की अपील की है।

शिक्षा विभाग की जिला टास्क फोर्स की समीक्षा बैठक सम्पन्न

● जिलाधिकारी ने खण्ड शिक्षा अधिकारी करछना व कोरांव के बैठक में अनुपस्थित रहने तथा कार्यों में लापरवाही बरतने पर स्पष्टीकरण देने का निर्देश

जिलाधिकारी ने विद्यालयों के ऊपर से गुजरने वाली हाईटेंशन लाइनों के तार को हटाये जाने के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को संगम सभागार में बेसिक शिक्षा विभाग से संबंधित जिला टास्क फोर्स की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक मे शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने खण्ड शिक्षा अधिकारी करछना व कोरांव के द्वारा कार्य में लापरवाही बरतने व बैठक में अनुपस्थित रहने पर उनसे स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है। बैठक में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के द्वारा बताया गया कि शिक्षा विभाग के द्वारा पैसा जमा करने बावजूद भी 26 विद्यालयों में भवनों के ऊपर से हाइटेंशन तार का अभी तक शिफ्ट करने का कार्य नहीं कराया गया है, इस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी एवं चेतावनी देते हुए सम्बंधित अधिशासी अभियंताओं को हाईटेंशन तार के शिफ्ट करने की कार्यवाही को शीघ्रता से सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी स्पष्ट रूप से कहा है कि यदि किसी भी प्रकार की घटना घटित होती है, तो सम्बंधित अधिशासी अभियंता की पूर्ण जिम्मेदारी होगी और उनके विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत किया जायेगा। इसी तरह से शिक्षा विभाग के द्वारा पैसा जमा करने के बावजूद भी 218 विद्यालयों में विद्युत संयोजन का कार्य अभी तक नहीं कराये जाने पर ने सम्बंधित अधिशासी अभियंताओं को चेतावनी देते हुए विद्यालयों में विद्युत संयोजन के कार्य को शीघ्रता से पूर्ण कराये जाने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने 01 जुलाई से 15 जुलाई तक चलने वाले दूसरे स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत शत-प्रतिशत बच्चों का नामांकन सुनिश्चित कराये जाने कोई भी बच्चा स्कूल जाने से छूटने न पाये। उन्होंने कहा कि कक्षा-5 एवं कक्षा-8 पास होने वाले विद्यार्थियों का क्रमशः कक्षा-6 एवं कक्षा-9 में अनिवार्य रूप से नामांकन सुनिश्चित कराया जाये। उन्होंने कहा कि नामांकन की कार्यवाही पोर्टल एप पर अपडेट भी होनी चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को विद्यालयों का नियमित निरीक्षण करने तथा नामांकन एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निरीक्षण का उद्देश्य केवल औपचारिकता न होकर शिक्षा व्यवस्था में गुणात्मक सुधार लाना होना चाहिए। जिलाधिकारी ने नए शैक्षिक सत्र के प्रारंभ होने पर विद्यालयों में बेहतर शैक्षणिक वातावरण, अनुशासन एवं पठन-पाठन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कहा है। अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालय, मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय-करछना तथा अन्य निर्माणाधीन विद्यालयों के कार्यों के प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्यदायी संस्था यूपीसिडको को निर्माण कार्य में तेजी लाते हुए निर्धारित समय में निर्माण कार्य को पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिए है। कायाकल्प योजना के अंतर्गत जिन विद्यालयों में कार्य अभी अधूरे हैं, उन्हें शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। कहा कि जिन कार्यो का निर्माण कार्य शुरू होना है उनके जल्द से जल्द जनपद प्रतिनिधियों से शिलान्यास करा कर निर्माण कार्य को शीघ्र प्रारंभ कराया जाए। जिलाधिकारी ने आपरेशन कायाकल्प की समीक्षा करते हुए आपरेशन कायाकल्प के सभी 19 पैरामीटरों के संतृप्तीकरण किए जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने ब्लाकवार आपरेशन कायाकल्प के पैरामीटरों के संतृप्तीकरण की समीक्षा करते हुए सभी विद्यालयों में फर्नीचर, विद्युतीकरण, दिव्यांग शौचालय, बाउंड्रीवॉल सहित सभी कार्यों को पूर्ण कराये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के साथ-साथ विद्यालयों में छायादार पौधे लगाये जाने के भी निर्देश दिए है। परिषदीय विद्यालयों में नवीन नामांकन की समीक्षा करते हुए सभी खण्ड शिक्षा अधिकारियों को विद्यालयों में ज्यादा से ज्यादा बच्चों का नवीन नामांकन कराये जाने, पीएम श्री विद्यालयों में नवीन नामांकन में प्रगति लाये जाने तथा कक्षा-8 पास होने वाले छात्रों का कक्षा-9 में प्रवेश अवश्य सुनिश्चित करने के लिए कहा है। मध्यान्ह भोजन क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए सभी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण तथा दिवस वार मीनू व मानक के अनुरूप भोजन उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने निपुण भारत मिशन के अन्तर्गत निपुण प्लस एप पर फीडिंग कम पाये जाने वाले सम्बंधित खण्ड शिक्षा अधिकारियों को कार्य में तेजी लाये जाने के निर्देश दिए है।

जिलाधिकारी ने विद्यालयों में उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को नवीन शिक्षण विधियों एवं शैक्षिक नवाचारों से जोड़ते हुए शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह, जिला पंचायत राज्य अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारीगण, जिला समन्वयकसहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

मुजफ्फरपुर की बेटी ने जबरन शादी के खिलाफ उठाई आवाज

'मैं अभी शादी के बंधन में नहीं बंधना चाहती हूं। मुझे आगे पढ़ाई करनी है, मेहनत करनी है और अफसर बनकर अपने पैरों पर खड़ा होना है। 'आंखों में आंसू और दिल में कुछ कर गुजरने का फौलादी जज्बा लेकर जब मिठनपुरा की एक स्नातक (Graduation) की छात्रा थाने पहुंची, तो वहां मौजूद पुलिस अधिकारी भी उसकी हिम्मत देखकर दंग रह गए। अपने ही घर में सपनों पर पहरा लगते देख इस साहसी बेटी ने किसी और से नहीं, बल्कि सीधे कानून से अपने हक की गुहार लगाई है। छात्रा का कसूर सिर्फ इतना है कि उसने अपने जीवन के लिए कुछ बड़े लक्ष्य तय किए हैं। वह पटना जाकर उच्च शिक्षा हासिल करना चाहती है और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सरकारी नौकरी पाना चाहती है। लेकिन उसके माता-पिता उसकी बात सुनने को तैयार नहीं हैं और उस पर जबरन शादी करने का लगातार दबाव बना रहे हैं। आखिरकार जब कोई रास्ता नहीं सूझा, तो उसने थानाध्यक्ष को आवेदन सौंपकर न्याय की मांग की। छात्रा ने पुलिस को अपनी पारिवारिक स्थिति के बारे में खुलकर बताया। उसके पिता एक प्राइवेट जॉब करते हैं और मां गृहिणी हैं। मध्यमवर्गीय परिवार होने के कारण घर की आर्थिक स्थिति सामान्य है। अब माता-पिता उसकी आगे की पढ़ाई का खर्च उठाने और उसे बाहर भेजने के पक्ष में नहीं हैं। इसी वजह से घर में उसकी मर्जी के खिलाफ शादी की बातें तय की जाने लगीं। जब बेटी ने इसका पुरजोर विरोध किया और साफ कहा कि वह आत्मनिर्भर बनना चाहती है, तो घर में कलह शुरू हो गई। माता-पिता ने दो टूक कह दिया कि अब आगे की पढ़ाई नहीं होगी और उसे हर हाल में डोली में बैठना ही पड़ेगा। अपनी बरसों की मेहनत और करियर को डूबता देख छात्रा ने घुटने टेकने के बजाय थाने का रुख करना बेहतर समझा।

मुजफ्फरपुर के पियर में ताजिया मिलन के दौरान हिंसक झड़प, पथराव में दो दर्जन से अधिक घायल

पियर थाना क्षेत्र के बरियारपुर चौक पर शुक्रवार को ताजिया मिलन के दौरान ताजिया रखने की जगह को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडे चले और पथराव शुरू हो गया। घटना में दो दर्जन से अधिक लोगों के घायल होने की सूचना है। घटना के बाद इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। जानकारी के अनुसार बरियारपुर चौक पर हर वर्ष आसपास के गांवों के ताजियों का मिलन कराया जाता है। इस बार बरियारपुर पूर्वी और पश्चिमी टोला के लोगों के बीच ताजिया रखने के स्थान को लेकर कहासुनी शुरू हुई। कुछ ही देर में विवाद ने उग्र रूप ले लिया और दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। विवाद बढ़ने के साथ दोनों ओर से लाठी-डंडे चलने लगे और पथराव शुरू हो गया। झड़प के दौरान बरियारपुर चौक कुछ समय के लिए रणक्षेत्र में तब्दील हो गया। घटना से इलाके में अफरातफरी मच गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दो दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। घटना के समय पियर थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद थे। पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित किया। इसके बाद अतिरिक्त पुलिस बल बुलाकर पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। एहतियात के तौर पर पुलिस कैंप भी किया गया है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। पियर थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। वीडियो फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर उपद्रवियों की पहचान कर उनके खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल क्षेत्र में स्थिति नियंत्रण में है। इधर, पियर थाना क्षेत्र के सिमरा गांव में भी ताजिया मिलन के दौरान झड़प होने की सूचना मिली है। इस घटना में भी कुछ लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस दोनों घटनाओं की जांच कर रही है।

'हम तो जेडीयू में हैं...' नीतीश से मुलाकात के बाद आरसीपी सिंह ने दिए बड़े संकेत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना। बिहार की राजनीति में शनिवार को उस समय हलचल तेज हो गई जब पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। लंबे समय से दोनों नेताओं के बीच चली आ रही दूरी के बाद हुई इस मुलाकात ने एक बार फिर आरसीपी सिंह की जेडीयू में संभावित वापसी की चर्चाओं को हवा दे दी है। हालांकि पार्टी की ओर से अभी तक इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। आरसीपी सिंह कभी नीतीश कुमार के सबसे करीबी सहयोगियों में गिने जाते थे, लेकिन वर्ष 2022 में दोनों के रिश्तों में आई खटास के बाद उन्होंने जेडीयू छोड़ दी थी। इसके बाद उन्होंने अलग राजनीतिक राह अपनाई और बाद में जन सुराज से भी जुड़े, लेकिन वहां भी उनकी सक्रियता ज्यादा दिन नहीं रही। अब नीतीश कुमार से मुलाकात के बाद उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर नए कयास लगाए जा रहे हैं। मुलाकात के बाद आरसीपी सिंह ने कहा, 'हम तो जेडीयू में हैई हैं मानकर चलिए न... इंतजार कीजिए, समय-काल पर छोड़ दीजिए।' उनके इस बयान को राजनीतिक हलकों में घर वापसी के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि उन्होंने औपचारिक तौर पर पार्टी में वापसी की घोषणा नहीं की। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि बिहार में कुर्मी समाज जेडीयू का अहम आधार रहा है। ऐसे में आरसीपी सिंह जैसे प्रभावशाली कुर्मी नेता की वापसी से पार्टी अपने पारंपरिक सामाजिक समीकरण को मजबूत करने की कोशिश कर सकती है। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए यह मुलाकात राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। सियासी गलियारों में यह चर्चा भी है कि पिछले कुछ समय से आरसीपी सिंह नीतीश कुमार से मिलने की कोशिश कर रहे थे। कुछ राजनीतिक सूत्रों का दावा है कि इस मुलाकात की पृष्ठभूमि तैयार करने में कई स्तरों पर बातचीत हुई। हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए इन्हें केवल राजनीतिक चर्चाओं के तौर पर ही देखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि आवास पर आरसीपी सिंह ने नीतीश कुमार का अभिवादन किया, जिसके बाद दोनों की संक्षिप्त मुलाकात हुई। इस दौरान कोई लंबी राजनीतिक बातचीत सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आई। हालांकि दोनों नेताओं का एक फ्रेम में नजर आना ही बिहार की राजनीति में चर्चा का विषय बन गया।

पटना के दानापुर में पूर्व पार्षद के घर बवाल! थाने में शिकायत, दूसरा पक्ष भी पहुंचा पुलिस के पास

दानापुर (पटना)। दानापुर थाना क्षेत्र के सगुना बुढ़िया कुंआ स्थित पूर्व पार्षद के घर पर पत्थरबाजी करने का मामला सामने आया है। इसकी शिकायत दानापुर थाने में की गई है। इसमें स्थानीय उपेन्द्र, पंचम यादव समेत छह लोगों को आरोपित किया गया है। पूर्व पार्षद ने रंगदारी के मामले में गवाही देने से रोकने को लेकर हमला किए जाने का आरोप लगाया है। इस मामले में दूसरे पक्ष की ओर से भी थाने में आवेदन दिया गया है। पूर्व पार्षद ने बताया कि पूर्व में उनके पति जयंत कुमार से रंगदारी मांगी गई थी। उसमें गवाही नहीं देने को लेकर सभी रोक रहे हैं। इसको लेकर धमकी दी जा रही है। बीती रात वे लोग हमारे पति को खोजते हुए घर पर आए। दरवाजा नहीं खोलने पर गालीगलौज करते हुए पत्थरबाजी कर चले गए। इससे परिवार में दहशत का माहौल है। आरोप है कि पहले भी उनके पत से रंगदारी मांगी गई थी। रंगदारी नहीं देने पर उनके स्कूल को बंद करने का प्रयास भी आरोपितों ने किया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सूचना के बावजूद पुलिस नहीं पहुंची। वहीं आरोपितों की झूठी शिकायत दर्ज करने के बाद पुलिस उनके घर पहुंची। बताया जाता है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

दिव्यांग महिला को मिली आत्मनिर्भरता की नई राह, लायंस क्लब ने भेंट की सिलाई मशीन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मधुपुर, देवघर, झारखंडः- समाजसेवा और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए अनुराग गुटगुटिया वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा प्रदत्त एवं लायंस क्लब ऑफ मधुपुर के सौजन्य से ग्राम धामनी निवासी मुनिया देवी, जो बोलने में असमर्थ हैं, को स्वरोजगार के लिए सिलाई मशीन भेंट की गई। यह सेवा कार्य पीएमजेएफ लायन डॉ. अरुण गुटगुटिया के कर-कमलों द्वारा उनके आवास पर संपन्न हुआ। इस अवसर पर पीएमजेएफ लायन डॉ. अरुण गुटगुटिया ने कहा कि जरूरतमंद एवं दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाना सबसे बड़ी सामाजिक सेवा है। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे सहयोग किसी परिवार के जीवन में बड़ा सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। लायंस क्लब सेवा और मानवता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी कार्य निरंतर करता रहेगा। लायंस क्लब ऑफ मधुपुर के अध्यक्ष लायन प्रेम पाठक ने कहा कि क्लब समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्ग के उत्थान के लिए सदैव तत्पर है। स्वरोजगार को बढ़ावा देने वाले ऐसे सेवा प्रकल्प आगे भी आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक लोगों को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिल सके। सिलाई मशीन प्राप्त करने के बाद लाभार्थी मुनिया देवी के पति ने अनुराग गुटगुटिया वेलफेयर ट्रस्ट, लायंस क्लब ऑफ मधुपुर एवं पीएमजेएफ लायन डॉ. अरुण गुटगुटिया के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सहयोग उनके परिवार के लिए आजीविका का महत्वपूर्ण साधन साबित होगा और उनकी पत्नी को सम्मानपूर्वक आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी।कार्यक्रम में क्लब के उपाध्यक्ष लायन सुमंत गुटगुटिया, सचिव लायन विजय आनंद लच्छीरामका, सह सचिव लायन राजेश तिवारी, लायन दीपक जायसवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने अनुराग गुटगुटिया वेलफेयर ट्रस्ट के इस सराहनीय सहयोग की प्रशंसा करते हुए लाभार्थी के उज्ज्वल एवं आत्मनिर्भर भविष्य की कामना की।

डीएलएसए ने चलाया 90 दिवसीय विधिक जागरूकता अभियान

● ग्रामीणों को बताए कानूनी अधिकार और नशा के दुष्प्रभाव का दिया जानकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चौपारण, हजारीबाग, झारखंडः- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) हजारीबाग के तत्वावधान में शुक्रवार को चौपारण प्रखंड की झापा पंचायत में 90 दिवसीय विशेष जागरूकता आउटरीच कार्यक्रम के तहत विधिक जागरूकता अभियान चलाया गया। यह कार्यक्रम प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हजारीबाग धुर्व चंद्र मिश्रा के निर्देश तथा सचिव डॉ. रवि प्रकाश तिवारी के मार्गदर्शन एवं निगरानी में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को उनके संवैधानिक अधिकारों, कानूनी कर्तव्यों तथा न्याय प्राप्ति के विभिन्न माध्यमों के साथ नशा के दुष्प्रभाव का विस्तृत जानकारी दी गई। उपस्थित लोगों को बताया गया कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, महिलाएं, बच्चे, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के सदस्य तथा अन्य पात्र व्यक्ति जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं। अभियान में विभिन्न सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं, कानूनी सेवाओं तथा नागरिक अधिकारों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां भी साझा की गईं। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने कानूनी विषयों से जुड़े कई प्रश्न पूछे, जिनका सरल और संतोषजनक उत्तर दिया गया। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से आम लोगों में कानून के प्रति जागरूकता बढ़ती है और उन्हें अपने अधिकारों की जानकारी मिलती है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक न्याय और कानूनी सहायता की पहुंच सुनिश्चित करना है, ताकि कोई भी व्यक्ति आर्थिक या सामाजिक कारणों से न्याय से वंचित न रहे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पीएलवी अस्मिता कुमारी, नवीन कुमार, रेहाना खातून, नंदा देवी, रेखा कुमारी एवं हरेंद्र राणा सहित अन्य लोगों की सक्रिय सहभागिता रही।

हुसैनाबाद के लोहबंधा में अकीदत के साथ शांतिपूर्ण संपन्न हुआ मोहर्रम का त्योहर

● मोहर्रम इंतेजामिया कमेटी द्वारा मैदान-ए- कर्बला के प्रारुप का निकाला गया भव्य ताजिया

मातमी जुलूस पर या अली,हसन या हुसैन की नारों से गूंजा लोहबंधा गांव

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर महुडंड ओपी प्रभारी केवा शंकर राणा के नेतृत्व में पुलिस बल थे तैनात

सभी धर्मों को आपसी मिल्लत के साथ मनाने से मिलता है अच्छा संदेशःट्ठ *विजय यादव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हुसैनाबाद/पलामू/झारखंडः- हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के महुडंड ओपी अंतर्गत लोहबंधा गांव में हजरत ईमाम हसन व हुसैन की शहादत की याद में मनाए जाने वाला मोहर्रम का त्योहार सौहार्द पूर्वक शाम सात बजे शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। मोहर्रम दशमीं पहलाम जुलूस के दौरान लोगों ने या अली,या हसन या हुसैन की नारों से मुस्लिम धर्मावलंबियों ने सदाएं बुलंद करते देखे गए। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मोहर्रम के दशमीं पहलाम के दिन महुडंड ओपी प्रभारी केवा शंकर राणा ने लोहबंधा गांव पहुंच मोहर्रम जुलूस में शामिल होकर शांति व्यवस्था का जायजा लिया। एवं मौके पर सभी मुस्लिम धर्मावलंबियों को मोहर्रम पर्व की शुभकामनाएं दी।

इस दौरान मोहर्रम के दशमीं पहलाम मातम व तजिया जुलूस देखने के लिए पंचायत क्षेत्र व आसपास के दर्जनों गांवों से हजारों की संख्या में विभिन्न समुदायों के लोगों की भीड़ देखी गई। मोहर्रम कमेटी के लोगों द्वारा मिलनी महुआ के पास एकत्रित होकर मातमी जुलूस के साथ मोहर्रम इंतेजामियां कमेटी के युवाओं , बच्चों एवं बुजुर्गों द्वारा परंपरागत हथियारों जैसे तलवार, डंडा, गड़ांसा आदि से एक से बढ़कर एक हैरतअंगेज खेल प्रदर्शन को देखाया गया। मालूम हो कि मोहर्रम पर्व के दशमीं पहलाम के दिन लोहबंधा गांव के कर्बला पर पहुंच कर मोहर्रम को देखने के साथ दर्जनों गांवों से आये विभिन्न समुदाय के लोगों ने अपनी मन्नत और दुआएं मांगने की फरियाद करते हैं। और सभी लोगों की फरियाद हमारे सोहदाएं कर्बला वाले ने सभी की मन्नत व दुआएं पुरी किया करते हैं। इस दौरान मोहर्रम के पहलाम के दिन कर्बला चौक पर लोगों ने अपनी शिरनी चढ़ाकर फतेहा पढ़ा व मन्नत पूरी होने वाले लोगों ने चादरपोशी की। मालूम हो कि मोहर्रम पर्व के साथ सभी त्योहार लोहबंधा गांव में सभी समुदाय के लोग हिंदू - मुस्लिम एकता का परिचय देते हुए हर्षोल्लास पूर्वक मनाया करते हैं ताकि हम सभी समुदायों में आपसी भाईचारा बनी रहे। इस मौके पर अपने सम्बोधन में पूर्व मुखिया विजय प्रसाद यादव ने कहा कि हम सभी इंसान हैं हम लोग को सभी धर्मों के त्योहार को आपसी मिल्लत के साथ मनाना चाहिए ताकि बाहर से आए हुए लोग को देखने में एकता और भाईचारे का संदेश मिले।

मोहर्रम दशमीं जुलूस के मौके पर महुडंड ओपी प्रभारी केवा शंकर राणा, पूर्व मुखिया विजय प्रसाद यादव, युवा समाज सेवी विनय परहिया, पूर्व पंचायत समिति सदस्य राजु कुमार रवि व हुसैन मोहर्रम इंतेजामिया कमेटी के अभिभावक तौहीद अंसारी, कादरी अंजुमन कमेटी के सरपरस्त अजीमुद्दीन अंसारी, सदर अकबर अंसारी, सेक्रेटरी मकसुद आलम, नायब सेक्रेटरी आलमगीर अंसारी,नायब सदर अजाद हुसैन, खजांची जहांगीर अंसारी, मोहर्रम इंतेजामियां कमेटी के सरपरस्त मासुम रजा, सदर अख्तर अंसारी,नाइफ सदर असगर अंसारी, सेक्रेटरी वसीर आलम, संरक्षक तैयब आलम, नायब सेक्रेटरी हफीज़ अंसारी, व्यवस्थापक मंजूर अंसारी,खेल निदेशक मंसुर आलम, मीडिया प्रभारी मसउद आलम व असलम अंसारी, हासीम अंसारी, मनउर अंसारी,सहित हजारों की संख्या लोग मौजूद थे।

बिहार के विश्वविद्यालयों में अब निगरानी सेल करेगा डिग्रियों की मॉनिटरिंग

● छबिहार के विश्वविद्यालयों में लंबित डिग्रियों के वितरण को लेकर राजभवन ने कड़ा रुख अपनाया है। राज्यपाल ने सभी विश्वविद्यालयों में डिग्री मॉनिटरिंग सेल गठित करने और 30 सितंबर तक सभी लंबित डिग्रियां बांटने का निर्देश दिया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना। बिहार के विश्वविद्यालयों में वर्षों से लंबित डिग्रियों के वितरण को लेकर अब राजभवन ने सख्त रुख अपनाया है। राज्यपाल एवं कुलाधिपति सैयद अता हसनैन ने सभी विश्वविद्यालयों में डिग्री मॉनिटरिंग सेल गठित करने का निर्देश दिया है, ताकि स्नातक और स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों को समय पर डिग्रियां उपलब्ध कराई जा सकें।

हर विश्वविद्यालय में बनेगा डिग्री मॉनिटरिंग सेल

राज्यपाल के निर्देश के अनुसार प्रत्येक विश्वविद्यालय में एक डिग्री मॉनिटरिंग सेल का गठन किया जाएगा। यह सेल एक नामित नोडल पदाधिकारी की निगरानी में काम करेगा, जो डिग्रियों के मुद्रण, वितरण और लंबित मामलों की नियमित समीक्षा करेगा। नोडल पदाधिकारी का नाम और संपर्क विवरण भी राजभवन को उपलब्ध कराना होगा।

30 सितंबर तक सभी लंबित डिग्रियां बांटने का लक्ष्य

कुलपतियों और कुलसचिवों को निर्देश दिया गया है कि लंबित डिग्रियों के मुद्रण और वितरण के लिए मिशन मोड में विशेष अभियान चलाया जाए। 30 सितंबर तक सभी लंबित डिग्रियां संबंधित छात्र-छात्राओं को उपलब्ध करानी होंगी। आदेश की अनदेखी को अनुशासनहीनता मानते हुए कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

2010 से 2024 तक का पूरा ब्योरा मांगा गया

राज्यपाल ने सभी विश्वविद्यालयों से वर्ष 2010 से 2024 तक स्नातक (यूजी) और स्नातकोत्तर (पीजी) स्तर पर उत्तीर्ण विद्यार्थियों की लंबित और वितरित डिग्रियों का विस्तृत विवरण मांगा है। यह जानकारी निर्धारित प्रारूप में राजभवन को भेजनी होगी, ताकि वास्तविक स्थिति की समीक्षा की जा सके।

विद्यार्थियों के भविष्य को देखते हुए सख्ती

राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि डिग्री मिलने में देरी से विद्यार्थियों के शैक्षणिक और व्यावसायिक भविष्य पर प्रतिकूल असर पड़ता है। इसलिए सभी विश्वविद्यालय समयबद्ध तरीके से निर्देशों का पालन सुनिश्चित करें और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतें।

जरूरत पड़ने पर बेल्ट्रान से ली जाएगी मदद

विश्वविद्यालयों में कर्मचारियों की कमी को देखते हुए कुलपतियों को सुझाव दिया गया है कि आवश्यकता पड़ने पर बेल्ट्रान के माध्यम से अतिरिक्त कर्मियों की सेवाएं ली जा सकती हैं। इसका उद्देश्य लंबित डिग्रियों के मुद्रण और वितरण की प्रक्रिया को तेज करना और विद्यार्थियों को समय पर उनकी डिग्री उपलब्ध कराना है।

बिहार में 15 जुलाई से बदल जाएगी रजिस्ट्री की प्रक्रिया; अब नहीं चलेगा कोई ऑफलाइन दस्तावेज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना। बिहार में जमीन और संपत्ति की रजिस्ट्री प्रक्रिया जल?द ही पूरी तरह डिजिटल होने जा रही है। राज्य सरकार ने 15 जुलाई से सभी जिला निबंधन कार्यालयों में पेपरलेस रजिस्ट्री व्यवस्था लागू करने का फैसला किया है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद आवेदन से लेकर दस्तावेजों की जांच, सत्यापन और रजिस्ट्री पूरी होने के बाद डीड उपलब्ध कराने तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन ही होगी। जानकारी के अनुसार, 15 जुलाई के बाद रजिस्ट्री के लिए किसी भी प्रकार के ऑफलाइन दस्तावेज स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सबकुछ हो जाएगा ऑनलाइन

आवेदकों को सभी आवश्यक प्रमाणपत्र और दस्तावेज ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड करने होंगे। दस्तावेजों का सत्यापन भी डिजिटल माध्यम से किया जाएगा, जिससे प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक तेज और पारदर्शी होगी। नई व्यवस्था के तहत रजिस्ट्री पूरी होने के बाद आवेदकों को डीड की हार्ड कॉपी के लिए कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इससे उन्हें राहत मिलेगी। विभाग की ओर से पंजीकृत डीड का पीडीएफ लिंक सीधे आवेदक के मोबाइल नंबर पर भेजा जाएगा। जरूरत पड़ने पर इसे कभी भी डाउनलोड कर सुरक्षित रखा जा सकेगा।

सभी निबंधन कार्यालयों में ट्रायल हुआ पूरा

विभाग ने राज्य के सभी जिला निबंधन कार्यालयों में पेपरलेस सिस्टम का ट्रायल पूरा कर लिया है। ट्रायल सफल रहने के बाद अब इसे पूरे बिहार में लागू करने की तैयारी अंतिम चरण में है। बताया जाता है कि नई व्यवस्था से रजिस्ट्री प्रक्रिया में लगने वाला समय कम होगा और रिकॉर्ड के रखरखाव में भी आसानी होगी। पेपरलेस सिस्टम लागू होने के बाद लोगों को दस्तावेजों की फोटो कॉपी बार-बार जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। इससे उन्?हें काफी सहुलियत होगी। ऑनलाइन आवेदन और डिजिटल रिकॉर्ड के कारण भविष्य में दस्तावेजों की खोज, सत्यापन और रिकॉर्ड प्रबंधन भी अधिक आसान हो जाएगा। साथ ही कागजी कार्रवाई कम होने से पारदर्शिता बढ़ने और अनावश्यक विलंब में कमी आने की उम्मीद है। राज्य सरकार इसे ई-गवर्नेंस की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मान रही है।

फोरलेन सड़क के लिए गंगा किनारे कटे पेड

पटना सिटी। भद्रघाट से लेकर दीदारगंज के बीच जेपी गंगा पथ के समानांतर गंगा किनारे निर्माण हो रही फोरलेन सड़क पटना सिटी वासियों के लिए बड़ी सौगात साबित होगी। अशोक राजपथ के जाम में फंसने, ईंधन व समय की बर्बादी के साथ प्रदूषण की समस्या से छुटकारा मिल जाएगा। सड़क निर्माण के लिए गंगा किनारे के दो दर्जन से अधिक हरे-भरे पेड़ों की कुर्बानी देनी पड़ी। भद्रघाट, महावीर घाट, चित्रगुप्त मंदिर परिसर, खाजेकलां, महाराज घाट समेत अन्य जगहों पर गंगा किनारे लगे पेड़ काटे गए हैं। पीपल के कई विशाल वृक्ष काटे जा रहे हैं। संबंधित पदाधिकारी का कहना है कि यह पेड़ नियमानुसार वन विभाग से अनुमति लेकर काटे गए हैं। चिंता है कि गंगा किनारे से खत्म हो रही हरियाली आने वाले दिनों में पर्यावरण के लिए बड़ी चुनौती बन जाएगी। पीपल, बरगद समेत अन्य हरे पेड़ों को काटने के बजाए इसे स्थानांतरित करने की मांग पूर्व में लोगों द्वारा की जा चुकी है। पर्यावरण संरक्षण की चिंता करते हुए बी एन कपूर, संजीव कुमार यादव, विजय कुमार सिंह, अनिल रश्मि, आलोक चोपड़ा, सुजीत कुमार कसेरा, मृत्युंजय समेत अन्य लोगों ने कहा कि फोरलेन सड़क निर्माण कार्य पूरा होने के बाद सड़क के दोनों ओर पेड़ लगाने और हरियाली सुनिश्चित करने की दिशा में ठोस योजना के तहत काम करना होगा। आज भीषण गर्मी से लोग परेशान हैं, लेकिन पेड़ लगाने व बचाने की चिंता से दूर होते जा रहे हैं।

बिहार में बिजली की मांग का नया रिकॉर्ड, कंपनी 12 हजार मेगावाट सप्लाई को तैयार

● बिजली कंपनी ने इस गर्मी के लिए 11995 मेगावाट बिजली खरीद का सबसे बड़ा समझौता किया है, जो 12 हजार मेगावाट तक की मांग पूरी करने में सक्षम है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना। बिजली कंपनी ने इस गर्मी के मौसम के लिए 11995 मेगावाट बिजली क्रय के लिए अलग-अलग उत्पादन इकाइयों से पावर परजेज एग्रीमेंट (पीपीपी) किया हुआ है। यह अब तक के सबसे बड़े आकार का पीपीपी है। इसी महीने की 24 तारीख को 9068 मेगावाट पीक लोड का नया रिकार्ड बना था। बिजली कंपनी के अनुसार ऐसे आसार हैं कि यह लोड आने वाले समय में और बढ़ेगा। बिजली कंपनी ने पीक लोड के तहत जो बिजली की आपूर्ति की उसमें बड़ा हिस्सा बिहार स्थित एनटीपीसी की उत्पादन इकाइयों का है। इनमें एनटीपीसी बाढ़, नवीनगर, कांटी , कहलगांव और बरौनी यूनिट की आपूर्ति है। इसी तरह बक्सर स्थित एसजेवीएनएल से भी आपूर्ति हो रही। बाहर की जिन उत्पादन कंपनियों के साथ करार है वहां से भी बिजली मिल रही। बिजली कंपनी का कहना है कि बिजली की मांग 12 हजार मेगावाट तक भी जाए तो आपूर्ति में किसी तरह की कोई परेशानी नहीं। समस्या स्थानीय स्तर पर उपभोक्ताओं के लोड अचानक बढ़ने से होती है। इसे भी ठीक किया गया है। ऊर्जा मंत्री शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल ने इस संदर्भ में कहा कि 2015 से बिजली की मांग में लगातार बढ़ोतरी हो रही। वर्ष 2015 में मांग 2831, 2017 में 3769, 2019 में 5139, 2021 में 5932, 2023 में 6778, 2024 में 7676 तथा 2025 में अधिकतम मांग 8752 मेगावाट पर पहुंची थी। इस वर्ष अब तक यह 9068 मेगावाट है। मंत्री ने कहा कि बिजली की मांग में बढ़ोतरी बिहार के आर्थिक विकास को दर्शाता है।

खान सर की गिरफ्तारी पर फिलहाल रोक, अब 30 जून को सुनवाई

● खान सर की अग्रिम जमानत याचिका पर पटना सिविल कोर्ट में सुनवाई 30 जून तक टल गई है, जिससे उनकी गिरफ्तारी पर रोक जारी रहेगी। पुलिस ने अपडेटेड केस डायरी जमा की है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना। खान ग्लोबल स्टडीज के संचालक फैजल खान उर्फ खान सर की अग्रिम जमानत याचिका पर शनिवार को पटना सिविल कोर्ट में सुनवाई हुई। कदमकुआं थाने की पुलिस ने अपडेटेड केस डायरी सबमिट कर दी है। कोर्ट ने इस केस डायरी को पढ़ने के लिए तीन दिनों का समय दिया है। अब 30 जून को केस की सुनवाई होगी। इस अवधि तक फैजल खान की गिरफ्तारी पर रोक जारी रहेगी। उनके दो गार्ड जो जेल में बंद हैं, उनकी जमानत याचिका पर भी उसी दिन सुनवाई होगी। फैजल खान की अग्रिम जमानत याचिका को लेकर सभी की नजरें कोर्ट की तरफ लगी थी। बताया जाता है कि कोर्ट में सुनवाई के दौरान उनके अधिवक्ता ने लगातार समय विस्तार का विरोध किया। हालांकि लोक अभियोजक एवं ज्ञान बिंदु के डायरेक्टर रौशन आनंद के वकील ने इसपर आपत्ति जताई। कहा कि केस डायरी ठीक से पढ़ने के लिए समय दिया जाए। इसपर कोर्ट ने तीन दिनों का समय दिया है। फैजल खान के वकील अरविंद कुमार मौआर ने बताया कि सरकारी वकील को अपडेटेड केस डायरी दी गई है। अब मंगलवार को फाइनल हियरिंग हो जाएगी। बताया जाता है कि अपडेटेड केस डायरी में

पुलिस ने लिखा है कि आत्मरक्षा में नहीं बल्कि दहशत के उद्देश्य से 2 जून की रात फायरिंग कराई गई थी। उस घटना को लेकर फैजल खान का नाम एफआईआर में बाद में जोड़ा गया था। 2 जून से अबतक हुए कई नाटकीय घटनाक्रम की वजह से केस में लोगों की दिलचस?पी बढ़ गई है। रौशन आनंद के भाई प्रिंस यादव की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बेल पर जेल से बाहर आए रौशन आनंद ने हत्या का आरोप सीधे फैजल खान और कोल्ड स्टोरेज के मालिक पर लगा दिया।

संक्षिप्त खबरें

आग से घर गृहस्थी का सामान जलकर खाक

कोंच (जालौन)- कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पनयारा स्थित एक घर में आग लगने से गेहूं समेत गृहस्थी का काफी सामान जलकर खाक हो गया। पीड़ित व्यक्ति ने पड़ोसी के घर हो रही बेल्डिंग से निकली चिंगारी से उसके घर में आग लग जाने का आरोप लगाते हुए एसडीएम को प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाही किए जाने की मांग की है। ग्राम पनयारा निवासी धर्मेंद्र कुमार पुत्र बालकिशुन ने एसडीएम हेमंत कुमार पटेल को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि शनिवार की सुबह करीब 11 बजे वह अपने काम से कोंच गया हुआ था। इसी दौरान पड़ोसी के घर पर हो रही बेल्डिंग से निकली चिंगारी उसके घर पर गिर पड़ी जिससे उसके घर में आग लग गई। सूचना मिलने पर जब तक वह घर पहुंचता तब तक 8 कुंतल गेहूं, 15 कुंतल भूसा, साइकिल, पंखा कूलर सहित गृहस्थी का अन्य सारा सामान जलकर खाक हो गया। पीड़ित धर्मेंद्र ने बताया कि सूचना पर डायल 112 पुलिस तो मौके पर आ गई थी लेकिन फायर ब्रिगेड गाड़ी नहीं आई जिससे आग काफी देर तक सुलगती रही। मामले को लेकर पीड़ित ने कार्यवाही किए जाने की मांग एसडीएम से की है।

डायल 112 पुलिस के चालक होमगार्ड को पीटने पर एफआईआर दर्ज

कोंच (जालौन)- सूचना पर पहुंची डायल यूपी-112 पुलिस के चालक/होमगार्ड के साथ कुछ लोगों द्वारा मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। होमगार्ड की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने दो नामजद समेत तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार की शाम ग्राम कुंवरपुरा निवासी आलोक शराब के नशे में गांव में गाली-गलौज कर रहा था। ग्रामीणों के मना करने पर वह विवाद करने लगा और डायल यूपी-112 को कॉल कर बुला लिया। मौके पर पहुंचे पीआरवी पुलिस कर्मियों से उसकी कहासुनी होने लगी, जो देखते ही देखते हाथापाई में बदल गई। आरोप है कि इसी दौरान आलोक ने पीआरवी चालक/होमगार्ड कमलेश कुमार के साथ मारपीट कर दी। सूचना मिलते ही कोतवाल बृजेश बहादुर सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे लेकिन आरोपी आलोक मौके से भाग गया। वहीं होमगार्ड चालक कमलेश कुमार की तहरीर पर पुलिस ने आलोक तिवारी और छिंगे पटेल निवासी ग्राम कुंवरपुरा समेत तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। सीओ परमेश्वर प्रसाद ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हत्या के प्रयास में आरोपित पति गिरफ्तार

कोंच (जालौन)- कस्बे के मोहल्ला नया पटेल नगर में बीती 21 जून की शाम एक महिला संदिग्ध परिस्थितियों में आग से झुलस गई थी। महिला ने पति पर मिट्टी का तेल डालकर आग लगाने का आरोप लगाया था। घटना के बाद परिजनों ने उसे कस्बे के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया था जहां से उसे सीएचसी और फिर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया था। हालत गंभीर होने पर महिला को उरई से झांसी भेज दिया गया था लेकिन हालत में सुधार न होने पर उसे ग्वालियर रेफर कर दिया गया था जहां फिलहाल उसका उपचार जारी है। मामले में महिला के बयानों और उसके पिता किशुन कुमार निवासी ग्राम सुलखना की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने आरोपित पति हरीकिशुन, ससुर पुनू, सास मीना और ननद निवासी नया पटेल नगर निकट बाबू पैलेस कोंच के विरुद्ध हत्या का प्रयास करने और दहेज उत्पीड़न की धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली थी। वहीं प्रभारी निरीक्षक बृजेश बहादुर सिंह के निर्देशन में पुलिस ने शनिवार को आरोपी पति हरीकिशुन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस फरार चल रहे शेष आरोपियों की तलाश में जुटी है। गौरतलब हो कि, कस्बे के नया पटेल नगर स्थित बाबू पैलेस के पास रहने वाले हरीकिशुन उर्फ बाबूजी की पत्नी महक (22) रविवार शाम संदिग्ध परिस्थितियों में आग से बुरी तरह झुलस गई थी। महिला का आरोप है कि पति अन्य महिलाओं से बातचीत करता है और मना करने पर उसने गुस्से में आकर मिट्टी का तेल डालकर उसे आग के हवाले कर दिया। वहीं पिता ने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में कहा था कि पति सहित अन्य ससुरालीजन आए दिन बेटी के साथ मारपीट कर अतिरिक्त दहेज में चार पहिया वाहन की भी मांग लगातार कर रहे थे।

सदर तहसील के समक्ष अधिवक्ताओं ने नारेबाजी कर किया विरोध प्रदर्शन

- तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं मनमानी का लगाया आरोप
- डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन ने 4 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन एसडीएम को सौंपा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश- सदर तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं मनमानी के विरुद्ध शनिवार को तहसील के समक्ष अधिवक्ताओं ने नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया। साथ ही अपने 4 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन, सोनभद्र के अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह एडवोकेट के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने शनिवार को उप जिलाधिकारी, रॉबर्ट्सगंज को ज्ञापन सौंपकर तहसील रॉबर्ट्सगंज में व्याप्त भ्रष्टाचार, अनियमितताओं एवं मनमानी कार्यशैली के विरुद्ध कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। डीबीए के पूर्व अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट ने कहा कि तहसील में अनेक वादों का निस्तारण बिना संबंधित पक्षों एवं अधिवक्ताओं को समुचित अवसर दिए किया जा रहा है, जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है। अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया कि नायब तहसीलदार विजयगढ़ द्वारा वादों का त्वरित एवं मनमाने ढंग से निस्तारण किया जा रहा है, जिससे अधिवक्ताओं एवं वादकारियों में व्यापक असंतोष व्याप्त है। आगे कहा कि कुछ वादकारियों द्वारा अवैध धनराशि लेकर प्रकरणों के निस्तारण किए जाने संबंधी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इन आरोपों की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की गई है।

बार एसोसिएशन के महामंत्री राजेंद्र कुमार यादव एडवोकेट ने कहा कि अधिवक्ताओं की बातों को गंभीरता से नहीं सुना जाता तथा वादकारियों के साथ असम्मानजनक व्यवहार एवं अनावश्यक विलंब की शिकायतें लगातार प्राप्त हो रही हैं, जिससे न्यायिक व्यवस्था की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लग रहा है । एसोसिएशन ने प्रशासन से मांग की कि तहसील रॉबर्ट्सगंज में न्यायिक एवं राजस्व कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए, प्रत्येक पक्ष को निष्पक्ष सुनवाई का अवसर प्रदान किया जाए तथा भ्रष्टाचार एवं मनमानी पर तत्काल प्रभावी अंकुश लगाया जाए डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो अधिवक्ता समुदाय जनहित एवं न्यायहित में लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा , जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। विरोध प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से अधिवक्ता कामता प्रसाद यादव,राजेश यादव, पवन कुमार सिंह, सुरेश सिंह कुशवाहा, टीटू प्रसाद गुप्ता, आदर्श देव पांडेय, राजकुमार सिंह, संतोष कुमार यादव, शाहनवाज आलम खान, रविंद्र पटेल, राकेश सिंह पटेल, रोशन खान आदि लोग शामिल रहे।

सामूहिक दुष्कर्म मामले में कार्यवाही न होने पर सीओ से लगाई गुहार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- नाबालिग बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना में शिकायत करने पर थाना नदीगांव पुलिस पर कोई कार्यवाही न किए जाने का आरोप लगाते हुए परेशान पिता ने सीओ को शिकायती पत्र देकर कार्यवाही किए जाने की गुहार लगाई है। नदीगांव थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने शनिवार को सीओ कोंच परमेश्वर प्रसाद को लिखित शिकायती पत्र देकर बताया कि बीती 14 जून को उसकी 16 वर्षीय नाबालिग बेटी को मुहल्ले का ही एक युवक पंडोखर मध्यप्रदेश क्षेत्र निवासी अपने साथी के सहयोग से बहला-फुसलाकर भगाकर ले गया था। मामले को लेकर उसने थाना नदीगांव पुलिस को शिकायती पत्र दिया था लेकिन पुलिस ने उससे कहा कि पहले लड़की को खोजो फिर मुकदमा दर्ज कर लेंगे। पीड़ित व्यक्ति ने सीओ को बताया कि किसी प्रकार से उसकी बेटी उक्त दोनों युवकों के चंगुल से छूटकर मध्यप्रदेश के थाना दबोह पहुंची जिसकी सूचना दबोह थाने से उसे मिली तो वह दबोह थाने पहुंचा। दबोह थाने में बेटी ने उसे बताया कि उक्त दोनों व्यक्तियों सहित दो अन्य अज्ञात व्यक्तियों ने उसे एक कमरे में बंद कर उसके साथ सामूहिक रूप से दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। बेटी ने बताया कि इससे पहले भी 21 मई को उक्त दोनों युवक उसे अपने साथ कोंच कस्बा लेकर गए थे जहां आधार कार्ड में उसकी उम्र बढ़वाने के लिए उससे हस्ताक्षर करवा कर कोंच में भी एक स्थान पर उक्त दोनों ने जबरन दुष्कर्म किया था। साथ ही दोनों ने उसे धमकी भी दी थी कि इस बाबत किसी को कुछ भी बताया तो जान से मार देंगे जिससे डर के मारे वह उस समय चुप रही थी।

पीड़ित व्यक्ति ने सीओ को बताया कि उक्त व्यक्ति अब उसके मोबाइल पर कॉल कर उसे धमका रहे हैं। सीओ को दिए शिकायती पत्र में पीड़ित व्यक्ति ने नदीगांव थाना पुलिस पर गलत टिप्पणी करने और मध्यप्रदेश की सिंध नदी से अवैध बालू खनन करने वाले मुख्य आरोपी युवक को बचाने का आरोप लगाते हुए पूरे मामले में कार्यवाही किए जाने की गुहार लगाई है। वहीं सीओ का कहना है कि सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए जो शिकायती पत्र दिया गया है उसकी जांच की जा रही है, जांच में जो भी तथ्य निकलकर सामने आयेंगे उसी अनुरूप कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने चोपन में थाना दिवस में सुनीं जनशिकायतें, दिये गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- जिलाधिकारी चर्चित गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने शनिवार को चोपन थाना परिसर में आयोजित थाना दिवस में पहुंचकर फरियादियों की जनसमस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता से सुना। इस दौरान प्राप्त शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम मौके पर जाकर शिकायतों का निष्पक्ष, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करे, ताकि आमजन को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी ओबरा विवेक कुमार सिंह सहित राजस्व एवं पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने गोठानी शिव मंदिर में की पूजा-अर्चना, पर्यटन विकास कार्यों का किया निरीक्षण

- गोठानी शिव मंदिर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने हेतु तैयार होगी व्यापक कार्ययोजना
- मंदिर मार्ग के सड़क निर्माण में देरी पर जिलाधिकारी नाराज, तत्काल कार्य प्रारंभ कराने के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- जिलाधिकारी ने शनिवार को गोठानी स्थित प्राचीन शिव मंदिर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा जनपदवासियों के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इसके उपरांत उन्होंने गोठानी शिव मंदिर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किए जाने हेतु प्रस्तावित कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पर्यटन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि गोठानी शिव मंदिर को एक आकर्षक धार्मिक एवं पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए ऐसी समग्र कार्ययोजना तैयार की जाए, जिससे श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकें और क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिले। इस दौरान जिलाधिकारी ने गोठानी शिव मंदिर तक पहुंचने हेतु स्वीकृत नवनिर्मित सड़क का कार्य अब तक प्रारंभ न होने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने अधिशासी अभियंता, निर्माण खंड को निर्देशित किया कि सड़क निर्माण का कार्य तत्काल प्रारंभ कराया जाए। साथ ही उप जिलाधिकारी ओबरा विवेक कुमार सिंह को निर्देश दिए कि जिन किसानों की भूमि सड़क निर्माण में अधिग्रहित हुई है, उन्हें मुआवजा वितरण हेतु सोमवार से तहसील में विशेष कैंप आयोजित कर धनराशि का वितरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि इस कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। इसके पश्चात जिलाधिकारी ने भूमि संरक्षण विभाग द्वारा प्रस्तावित नई बंधी के निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने भूमि संरक्षण अधिकारियों को निर्देशित किया कि बंधी का निर्माण वैज्ञानिक एवं तकनीकी मानकों के अनुरूप कराया जाए, जिससे अधिक से अधिक किसानों को सिंचाई एवं जल संरक्षण का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि बंधी निर्माण की कार्ययोजना को अंतिम रूप देने से पूर्व उसकी थर्ड पार्टी से तकनीकी जांच कराई जाएगी। साथ ही स्पष्ट निर्देश दिए कि निजी व्यक्तियों की भूमि पर जिला खनिज फाउंडेशन न्यास (डीएमएफ) के माध्यम से किसी भी प्रकार की स्वीकृति प्रदान नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी ओबरा विवेक कुमार सिंह, भूमि संरक्षण अधिकारी रॉबर्ट्सगंज, भूमि संरक्षण अधिकारी चोपन, जिला कृषि रक्षा अधिकारी संतपाल वर्मा सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अवैध वसूली और धमकी के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

- कोतवाली पुलिस की कार्रवाई, न्यायालय ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। कोतवाली पुलिस ने अवैध रुपयों की मांग, मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के मामले में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी सदर सुनील कुमार के पर्यवेक्षण में जनपद में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। कोतवाली पुलिस ने मुकदमा संख्या 585/2026 में वांछित आरोपी चौकाबाग मोहल्ला निवासी मनीष उर्फ कालू पुत्र रामचरण कुशवाहा को गिरफ्तार किया। आरोपी के विरुद्ध बीएनएस की धारा 191(2), 119(1), 351(3) एवं 115(2) के तहत मुकदमा दर्ज है। पुलिस के अनुसार, वादी ने प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया था कि आरोपी और उसके साथियों ने उससे अवैध रुपयों की मांग की।

विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की, गाली-गलौज की और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की थी। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक एवं चौकी प्रभारी सदर प्रशान्त राणा, आरक्षी अमित राजपूत तथा आरक्षी सूरज सिंह शामिल रहे।

करीमनगर तिगैला से दिनदहाड़े स्प्लेंडर बाइक चोरी

अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज

काम से आए युवक की खड़ी मोटरसाइकिल लेकर फरार हुए चोर

ललितपुर। शहर में वाहन चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। ताजा मामला कोतवाली ललितपुर क्षेत्र के करीमनगर तिगैला का है, जहां दिनदहाड़े एक युवक की खड़ी स्प्लेंडर मोटरसाइकिल अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। काफी तलाश के बाद भी जब वाहन का कोई सुराग नहीं मिला तो पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुरानी चुंगी के पास तालाबपुरा निवासी राहुल प्रजापति पुत्र मोहनलाल ने बताया कि 21 जून 2026 की शाम करीब 4.30 बजे किसी कार्य से करीमनगर तिगैला पहुंचे थे। उन्होंने अपनी काले रंग की हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (पंजीकरण संख्या यू.पी. 94 ए.ई. 5637 सड़क किनारे खड़ी की और अपने काम से चले गए। कुछ देर बाद जब राहुल वापस लौटे तो उनकी मोटरसाइकिल मौके से गायब थी। उन्होंने आसपास के लोगों, दुकानदारों और राहगीरों से पूछताछ की तथा काफी देर तक अपने स्तर पर वाहन की तलाश की, लेकिन बाइक का कोई पता नहीं चल सका।

अधिवक्ता ने पेट्रोल पंप पर घटतौली किए जाने की शिकायत की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- पेट्रोल पंप पर घटतौली किए जाने का आरोप लगाते हुए पूर्व बार संघ अध्यक्ष ने समाधान थाना दिवस में शिकायती पत्र देकर कार्यवाही किए जाने की मांग की है। पूर्व बार संघ अध्यक्ष कोंच रामशरण कुशवाहा ने शनिवार को कोतवाली में आयोजित समाधान थाना दिवस में प्रभारी निरीक्षक बृजेश बहादुर सिंह को लिखित शिकायती पत्र देकर बताया कि उन्होंने बीती 23 जून की सुबह गांधीनगर मेन रोड पर स्थित एक फिलिंग स्टेशन (पेट्रोल पंप) से अपनी बाइक में एक सौ रुपए का पेट्रोल डलवाया था। पेट्रोल डलते समय फ्यूल पंप ने जब दो बार झटके लिए तो उन्होंने इस बाबत पेट्रोल डाल रहे कर्मचारी से पूछा, कर्मचारी ने अमूमन ऐसा हो जाने की बात कहकर कहा कि बाइक की टंकी में पेट्रोल पूरा गिरा है और कर्मचारी की बात सही मानकर वह बाइक लेकर पेट्रोल पंप से चले गए थे।

पूर्व बार संघ अध्यक्ष ने बताया कि इसके बाद उनकी बाइक बमुश्किल 6 किमी तक ही चली और एक सौ रूपये का डलवाया हुआ पेट्रोल खत्म हो गया जिसके चलते बाइक फिर से रिजर्व में आ गई। अगले रोज वह पेट्रोल पंप पर पहुंचे और शिकायत की लेकिन पेट्रोल पंप मालिक सहित उक्त कर्मचारी उनकी कोई भी बात मानने को तैयार ही नहीं हैं। मामले को लेकर पूर्व बार संघ अध्यक्ष ने जांच कर कार्यवाही किए जाने की मांग की है। विदित हो कि पेट्रोल पंपों पर इस प्रकार की घटतौली की खबरें सामने आती रहती हैं और प्रशासन द्वारा समुचित कार्यवाही न किए जाने से इस पर रोक नहीं लग पा रही है।

बेटे को पाने के लिए 20 दिनों से भटक रही माँ

- घर से लापता होने के बाद बालगृह कानपुर में मौजूद है किशोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच (जालौन)- घर से लापता होने के बाद बालगृह कानपुर में मौजूद 13 वर्षीय बेटे को पाने के लिए मां करीब 20 दिनों से यहां वहां भटक रही है। परेशान मां ने अब कोतवाली पुलिस से बेटे को उसे दिलाए जाने की गुहार लगाई है।

मोहल्ला आज़ाद नगर कोंच एवं हाल पता कांशीराम कॉलोनी कोंच निवासी पीड़ित महिला सूफिया पत्नि साबिर ने शनिवार को कोंच कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि बीती 6 जून को उसका बेटा शुभान (13) कॉलोनी में खुली दुकान से सामान खरीदने कमरे से निकला हुआ था लेकिन वापस लौटकर कमरे पर नहीं आया जिसको लेकर उसने अगले रोज 7 जून को कोतवाली कोंच में बेटे की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। इसके बाद उसके भाई के मोबाइल पर फोन आया जिसने कहा कि वह बालगृह कल्याणपुर कानपुर से बोल रहा है और उसका बेटा यहां पर है जिसे यहां आकर अपने साथ ले जाए।

सूफिया ने बताया कि वह बालगृह पहुंची जहां उसने जरूरी कागजात जमा कर दिए तो बालगृह के कर्मचारी ने एसआईआर जांच यहां से उरई भेजने और उरई से जांच होकर यहां वापस कानपुर आ जाने के बाद बेटे को साथ लेकर जाने की बात कही। सूफिया ने बताया कि अब जांच पूरी होकर रिपोर्ट बालगृह कानपुर पहुंच गई है लेकिन उसके बेटे को उसे नहीं दिया जा रहा है। वहां का कर्मचारी अब टीआई पुलिस के फ्री होने का बहाना बनाकर लगातार टरका रहा है। बेटे को न तो उरई लाया जा रहा है और न ही उसे सौंपा जा रहा है। सूफिया ने आशंका जताते हुए कहा है कि बालगृह कानपुर का उक्त कर्मचारी उसके बेटे के शरीर से छेड़छाड़ कर अनहोनी की घटना को अंजाम दे सकता है। सूफिया ने कोतवाली पुलिस से जल्द ही मामले में कार्यवाही किए जाने की गुहार लगाई है।

मुख्य विकास अधिकारी ने पल्स पोलियो जनजागरूकता रैली को दिखाई हरी झंडी

- प्रत्येक बच्चे तक पोलियो की दो बूंद पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी- मुख्य विकास अधिकारी
- 28 जून से शुरू होगा सघन पल्स पोलियो महाअभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- सघन पल्स पोलियो महाअभियान के सफल संचालन एवं जनजागरूकता के उद्देश्य से शनिवार को विकास भवन परिसर से पल्स पोलियो जनजागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली को मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी, आशा कार्यकर्त्रियाँ, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियाँ, विभिन्न विभागों के कर्मचारी तथा स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। रैली को संबोधित करते हुए मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ने कहा कि पल्स पोलियो अभियान केवल स्वास्थ्य विभाग का कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनसहभागिता का महाअभियान है। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपील की कि 0 से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं तथा अभियान को सफल बनाने में अपना सहयोग दें। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि, ग्राम पंचायतें, स्वयं सहायता समूह, आंगनबाड़ी एवं आशा कार्यकर्त्रियाँ अभियान को घर-घर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं, जिससे कोई भी बच्चा पोलियो की दवा से वंचित न रहे। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि 28 जून 2026 को जनपद के सभी निर्धारित पोलियो बूथों पर प्रातः 9:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। इसके उपरांत स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगी। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि अपने बच्चों को निकटतम पोलियो बूथ पर अवश्य लेकर आएं और पोलियो मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने में सक्रिय सहभागिता निभाएं।

एसपी मो. मुश्ताक ने कोतवाली का किया आकस्मिक निरीक्षण

अभिलेख, महिला हेल्प डेस्क और ई-मालखाना की जांच

साफ-सफाई व व्यवस्थाओं को परखा

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक ने शनिवार को थाना कोतवाली ललितपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर की साफ-सफाई, कार्यालय की कार्यप्रणाली तथा पुलिस व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया। एसपी ने थाना कार्यालय में रखे विभिन्न अभिलेखों का निरीक्षण कर उनके सुव्यवस्थित संधारण की समीक्षा की। इसके साथ ही महिला हेल्प डेस्क, ई-मालखाना एवं अन्य महत्वपूर्ण शाखाओं का निरीक्षण करते हुए उपलब्ध व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अभिलेखों का नियमित अद्यतन, कार्यालय की साफ-सफाई बनाए रखने तथा जनता की शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाना परिसर में अनुशासन, स्वच्छता एवं अभिलेखों के रखरखाव पर विशेष ध्यान देने की हिदायत देते हुए कहा कि आमजन को बेहतर पुलिसिंग और त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराना पुलिस की प्राथमिकता है। साथ ही थाना प्रभारी एवं पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देकर व्यवस्थाओं को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

घंटाघर मैदान में आमरण अनशन पर बैठा पूरा परिवार

- » दुकान बेचने के नाम पर 48 लाख की कथित ठगी
- रुपये मांगने पर दंपी से मारपीट
- गिरवी संपी को अपना बताकर सौदा करने का आरोप
- पुलिस अधीक्षक व कोतवाली में शिकायत, परिवार को जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। शहर के मऊठाना मोहल्ले में दुकान का सौदा कर लाखों रुपये की कथित ठगी और बाद में पैसे मांगने पर दंपत्ति के साथ मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार समेत घंटाघर मैदान पर आमरण अनशन पर बैठ गया, जहां पीड़ित व्यापारी ने पुलिस अधीक्षक और कोतवाली पुलिस को अलग-अलग शिकायती पत्र देकर आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। मऊठाना निवासी राहुल जैन पुत्र चक्रेश कुमार जैन ने बताया कि वह नझाई बाजार में किराना व्यवसाय करते हैं। उनका आरोप है कि पड़ोस में स्थित दुकान संख्या 150/6 के संबंध में श्रेयांश जैन पुत्र स्व.राजकुमार जैन ने स्वयं को दुकान का एकमात्र स्वामी बताते हुए 75 लाख रुपये में बिक्री का सौदा तय किया था। भरोसा करके राहुल जैन ने अलग-अलग तिथियों में कुल 48,05,000 रुपये आरोपी को दे दिए। आरोप है कि बाद में जानकारी मिली कि संबंधित दुकान सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में लगभग 62 लाख रुपये के ऋण पर गिरवी रखी गई है। साथ ही यह भी पता चला कि दुकान का स्वामित्व केवल श्रेयांश जैन के नाम नहीं है, बल्कि परिवार के अन्य सदस्य भी उसके सह-स्वामी हैं। यह जानकारी मिलने पर उन्होंने दुकान को गिरवी से मुक्त कराने अथवा अपनी रकम वापस करने की मांग की। शिकायत में कहा गया है कि आरोपी लगातार टालमटोल करता रहा और अंततः रुपये लौटाने से इनकार कर दिया। आरोप है कि इस दौरान गाली-गलौज और अभद्र व्यवहार भी किया गया, जिसके संबंध में उसने पहले पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत दी थी। यह भी आरोप है कि 25 जून 2026 को जब उन्होंने दोबारा अपने रुपये मांगे तो श्रेयांश जैन चार अज्ञात लोगों के साथ पहुंचा और बीच रास्ते में उन्हें तथा उनकी पत्नी पूजा जैन को रोक लिया। आरोप है कि दोनों के साथ मारपीट की गई, पूजा जैन के साथ छीना झपटी की गई तथा पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई। शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने दोबारा रुपये मांगने पर पूरे परिवार को ट्रेन की पटरी पर फेंक देने जैसी धमकी भी दी। घटना के बाद पीड़ित दंपत्ति ने कोतवाली में लिखित शिकायत देकर आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई, अपनी जान-माल की सुरक्षा तथा बकाया धनराशि वापस दिलाए जाने की मांग की है। फिलहाल पुलिस ने शिकायत प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

सड़क सुरक्षा नियमों की मनमानी करने वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई, बड़ी संख्या में चालान

कानपुर। आरटीओ प्रवर्तन कानपुर राहुल श्रीवास्तव के निर्देशन में ट्रैफिक पुलिस व प्रवर्तन अधिकारियों ने सघन चेकिंग अभियान चलाया जिसमें बड़ी संख्या में कार्रवाई की गई। भीषण गर्मी व कड़ी धूप की परवाह किए बगैर आरटीओ प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव के निर्देशन व एआरटीओ सोमलता के नेतृत्व में की गई बड़ी कार्यवाही की गई। कार्रवाई के तहत एचएसआरपी के तहत 48 वाहनों के चालान किए गए। रेट्रो टेप के तहत 59,बिना हेलमेट के अभियोग में 104, बिना सीट वाले के अभियोग में 31, ओवरलोड में 8, रॉन्ग साइड पर 84 व वाहन चलाते समय मोबाइल प्रयोग पर 21 चालान किये गये। प्रदेश भर में हो रहे प्रवर्तन अभियान में आरटीओ कानपुर अव्वल स्थान पर है। आरटीओ प्रवर्तन राहुल श्रीवास्तव ने बताया, यह प्रवर्तन अभियान आगे भी जारी रहेगा।

एडीजी जोन कानपुर ने इटावा में महिला संबंधी व साईबर अपराधों पर अंकुश लगाने पर दिया जोर

कानपुर। अनुपम कुलश्रेष्ठ, अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानपुर द्वारा जनपद इटावा की रिजर्व पुलिस लाइन स्थित सभागार कक्ष में जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों के साथ अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था, महिला सम्बन्धी अपराधों की अद्यतन स्थित, साइबर अपराध, लंबित विवेचनाओं का निस्तारण, अपराधियों के विरूद्ध की जा रही कार्यवाहियों, संवेदनशील प्रकरणों की समीक्षा, माफियाओं के विरूद्ध कार्यवाही व अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं के सम्बन्ध में समीक्षा गोष्ठी कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। तत्पश्चात जनपद के जनप्रतिनिधियों व व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों/सदस्यों व स्थानीय व्यापारियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं, सुझावों एवं सुरक्षा सम्बन्धी अपेक्षाओं को गंभीरता से सुनकर उनके द्वारा उठायी गई समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। साथ ही उपस्थित गणमान्यों से शांति, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित सामाजिक वातावरण बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करनें की अपील की गई। इसके उपरान्त मीडिया से संवाद स्थापित कर जनहित एवं सुरक्षा सम्बन्धी विषयों पर विचार-विमर्श करते हुए सकारात्मक समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर पुलिस उपमहानिरीक्षक, कानपुर परिक्षेत्र, कानपुर व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, इटावा सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

एमएसएमई दिवस पर उद्यमिता को 250 प्रशिक्षार्थियों को मिली टूलकिट

● सरकारी योजनाएं युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का सशक्त माध्यम-विधायक सदर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के अवसर पर सरोज चौराहा स्थित ओम साई पैलेस में उद्योग विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में स्वरोजगार एवं उद्यमिता को प्रोत्साहित करने की दिशा में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति चेक एवं टूलकिट वितरित किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सदर विधायक राजेन्द्र कुमार मौर्य ने लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ प्रदान करते हुए आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम के दौरान उद्योग विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना एवं एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना के पांच लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति चेक प्रदान किए गए। वहीं विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अंतर्गत टेलरिंग ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके 250 प्रशिक्षार्थियों को टूलकिट वितरित की गई। जिला ग्रामोद्योग विभाग की मुख्यमंत्री टर्मलोन एवं माटी कला योजना के तीन लाभार्थियों को भी ऋण स्वीकृति चेक प्रदान किए गए।

इस अवसर पर विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार की स्वरोजगारपरक योजनाएं युवाओं को रोजगार मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनाने की दिशा में कार्य कर रही हैं। उन्होंने उपस्थित प्रशिक्षार्थियों एवं युवाओं से विभागीय योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने जनपद में संचालित ओडीओपी एवं ओडीओसी योजनाओं की उपयोगिता पर विस्तार से जानकारी दी। सहायक आयुक्त उद्योग जे.एन. यादव एवं अजय प्रसाद ने विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए पात्र अभ्यर्थियों से इन योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। उपायुक्त उद्योग एस.एस. रावत ने मुख्य अतिथि एवं लाभार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि विभाग का उद्देश्य अधिक से अधिक युवाओं और कारीगरों को स्वरोजगार से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। कार्यक्रम का संचालन ओडीओपी उत्पाद संघ के अध्यक्ष मो. अनाम ने शेरो-शायरी के माध्यम से किया, जिसने आयोजन को विशेष आकर्षण प्रदान किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अजय शर्मा, कफील अहमद, मनोज यादव, देवराज, ऋषिराज सिंह तथा विशाल विश्वकर्मा सहित विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा।

राज्यपाल के कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण: डीएम और एसएसपी ने सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन द्वारा राज्यपाल के कपिलवस्तु विश्वविद्यालय में प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल की सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत निरीक्षण किया गया। प्रदेश की राज्यपाल आनन्दी बेन पटेल का जनपद सिद्धार्थनगर में आगमन कपिलवस्तु विश्वविद्यालय थाना कपिलवस्तु जनपद सिद्धार्थनगर में प्रस्तावित कार्यक्रम के दृष्टिगत कार्यक्रम स्थल की सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य विभिन्न बिन्दुओं (हेलीपैड/कार्यक्रम-स्थल आदि) पर गहनता एवं सूक्ष्मता से निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गौरव श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार थानाध्यक्ष कपिलवस्तु सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

युवक ने घर में फांसी लगाई, गुजरात से लौटा था, पुलिस जांच में जुटी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। कानपुर कमिश्नरेट अंतर्गत थाना रेउना क्षेत्र अंतर्गत कटरी गांव में एक युवक ने बीती रात घर के अंदर कमरा बंद कर फांसी लगाकर आत्म हत्या कर ली। काफ़ी देर तक युवक के कमरे से बाहर न निकलने पर मां ने उसे आवाज लगाई। फिर भी कोई आहट आहट न होने पर मां काफी देर तक दरवाजा खोलने को खटखटाती रही। पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ कर जब मां कमरे के अंदर घुसी तो बेटे को फांसी पर झूलता देख बदहवास हो गई, घटना के समय म्रतक की पत्नी बच्चे के साथ मायके में थी, रेउना थाना क्षेत्र के कटरी गांव निवासी जयरानी पत्नी पप्पू निषाद ने पुलिस को बताया कि बीती रात बड़े बेटे लोकेंद्र 26 वर्ष ने घर के कमरे में लगें पंखे पर लटक कर आत्म हत्या कर ली, लोकेंद्र की शादी चार वर्ष पहले हुई थी। पत्नी पूजा दो वर्ष के बेटे सूर्यांश के साथ मायके बाराबीघा थाना जहानाबाद में हैं।

म्रतक का छोटा भाई छोटू गुजरात में हैं, जमरानी ने पुलिस को बताया कि लोकेंद्र अभी दो दिन पहले गुजरात से वापस परिवार के लाखन निषाद की बेटी की शादी में शामिल होने आया था। मां ने झगड़े जैसी बात से इंकार किया। पुलिस ने फारेसिक टीम के साथ सारे मामले की जांच के साथ शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रेउना थाना प्रभारी निरीक्षक अनुज राजपूत ने बताया कि युवक के शव को पोस्टमार्टम भेजकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

निखिल अग्नि वीर बनकर देश सेवा को रवाना, गांव में गूंजे देश भक्ति के नारे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। कानपुर के नरवल क्षेत्र के गांव बौसर स्थिति ऊषा पापुलर इंटर कालेज के पूर्व छात्र निखिल भारतीय सेना की अग्नि वीर योजना में चयन हुआ है, उनके प्रशिक्षण के लिए रवाना होने से पहले गांव में एक विदाई समारोह आयोजित किया गया। जिसमें ग्रामीणों ने उनका स्वागत किया निखिल ने नर्सरी से इंटर मीडियट तक की पढ़ाई ऊषा पापुलर इंटर कालेज से की हैं। बचपन से ही उनका सपना सेना में भर्ती होकर देश सेवा करना था, उन्होंने अपनी पढ़ाई के साथ साथ नियमित दौड़ व्यायाम, और अनुशासित दिनचर्या का पालन किया, जिसके परिणाम स्वरूप उन्हें अग्नि वीर भर्ती में सफलता मिली। विदाई समारोह के दौरान पूरा गांव देश भक्ति के नारों से गूंज उठा। भारत माता की जय, वंदे मातरम् और भारतीय सेना जिंदा बाद, जैसे नारे लगाए गए। युवाओं ने ढोल नगाड़ों की धुन पर निखिल को कंधों पर बैठाकर गांव में घुमाया,, वहीं बुजुर्गो ने उन्हें आशीर्वाद दिया निखिल के पिता हरी प्रसाद और मां जय देवी,ने बताया कि इसे परिवार के लिए गर्व का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि बेटे का भारतीय सेना में जाना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है। निखिल अपनी पांच बहनों के इकलौते भाई हैं। उनके परिवार में खेती किसानी,मेहनत, मज़दूरी करके उनकी तैयारी में पूरा सहयोग दिया। विद्यालय के संरक्षक रोटेरियन अमित, प्रधानाचार्य वीपी विद्यार्थी शिक्षक विजय सैनी, प्रांजुल कुमार,और एस एस प्रजापति, सहित समस्त स्टाफ ने निखिल को शुभकामनाएं दी, उनके मित्र आशु अविनाश, संस्कार, अक्षय, कौशल, और आयुष ने शायरी के माध्यम से उनका उत्साह बढ़ाया, पहली ज्वाइनिंग हैं तेरी, जज्बा पुराना है, वर्दी मिली है आज, वतन से वादा निभाना है।

75 लीटर डीजल के साथ एक गिरफ्तार

लोटन (सिद्धार्थनगर)। लोटन पुलिस व एसएसबी की संयुक्त टीम के द्वारा 75 लीटर डीजल (एक गैलन में 25 लीटर दूसरे गैलन में 50 लीटर) के साथ एक नेपाली मोटरसाइकिल गांव चिउरहिया के पकडण्डी से जाने वाले रास्ते पर इण्डो नेपाल बॉर्डर पर चेकिंग के दौरान एक अभियुक्त को पकड़ कर बरामद किया गया बरामद सामान को अग्रिम विधिक कार्यवाही हेतु कस्टम कार्यालय ककरहवा भेजा गया। गिरफ्तार अभियुक्त सन्तोष साहनी उम्र 28 वर्ष पुत्र अनिरुद्ध साकिन पिपरहवा थाना मधुबनिया जनपद रूपनदेही राष्ट्र नेपाल का निवासी है। गिरफ्तारी करने वालों में उ0नि0 हरिओम कुशवाहा थानाध्यक्ष लोटन, एस आई राहुल गुप्ता चौकी प्रभारी हरिवंशपुर कांस्टेबल बलराम यादव, विजय यादव, एएसआई विजय कुमार एसएसबी ओपी हरिवंशपुर दीपनारायन शर्मा, आकाश कुमार रहे।

पहले लाउड हेलर से समझाया, नहीं समझे तो कारों को पहुंचाया संबंधित थाने

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। आज दिनांक 27.06.2026 को पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार के निर्देशन में 'सुगम यातायात योजना 'Reducing Traffic Congestion (RTC) Scheme' के अंतर्गत शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने हेतु विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों पर सड़क किनारे नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही की गई। यातायात पुलिस कर्मियों द्वारा लाउड हेलर के माध्यम से वाहन स्वामियों/चालकों को सूचित करते हुए अपने वाहनों को तत्काल नो पार्किंग क्षेत्र से हटाने हेतु निर्देशित किया गया। इसके बावजूद भी जिन वाहन स्वामियों द्वारा अपने वाहन नहीं हटाए गए, उनके वाहनों को क्रेन के माध्यम से कुल 06 चार पहिया वाहनों को सम्बन्धित थाने में भेजा गया।

वाहन स्वामियों को यातायात नियमों का पालन करने हेतु अंतिम चेतावनी देते हुए नियमानुसार उनके वाहन सुपुर्द किए गए। यातायात पुलिस कानपुर नगर द्वारा आमजन से अपील की गई है कि वे अपने वाहन निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़े करें तथा नो पार्किंग जोन में वाहन खड़ा कर यातायात व्यवस्था बाधित न करें। यातायात नियमों का पालन कर शहर की यातायात व्यवस्था को

सुगम एवं सुरक्षित बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें। यातायात पुलिस ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें एवं किसी भी असुविधा की स्थिति में ट्रैफिक कण्ट्रोल/हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें।

सीडीओ ने पल्स पोलियो जागरूकता रैली को दिखाई हरी झण्डी

● शून्य से पांच वर्ष तक का कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से न छूटे-सीडीओ

● 4.11 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की खुराक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रातपगढ़। जनपद में आज 28 जून से प्रारम्भ होने वाले पल्स पोलियो अभियान के सफल संचालन एवं जनजागरूकता के उद्देश्य से मुख्य विकास अधिकारी डॉ. राममोहन मीना ने जिला महिला चिकित्सालय से जागरूकता रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। रैली के माध्यम से लोगों को शून्य से पांच वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की दो बूंद पिलाने के लिए जागरूक किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ए.एन. प्रसाद, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (महिला चिकित्सालय) डॉ. रमेश पाण्डेय, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्याम भार्गव, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवव्रत सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. आर.बी. यादव, नगर खण्ड शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार श्रीवास्तव, जिला सहायक प्रतिरक्षण अधिकारी महेश कुमार सिंह, एसपीबी कंसल्टेंट मनीष मिश्रा सहित ट्रेनी एएनएम, एनसीसीडी कैडेट तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पल्स पोलियो अभियान के तहत जनपद में कुल 411663 बच्चों को चिन्हित किया गया है। आज रविवार को 2,283 पोलियो बूथों के माध्यम से बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। इसके पश्चात 29 जून से 3 जुलाई तक 1,021 गठित टीमें घर-घर जाकर अभियान से छूटे हुए बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का कार्य करेंगी। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. राममोहन मीना ने सभी अभिभावकों, आशा, एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं तथा जनप्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने क्षेत्र के शून्य से पांच वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो बूथ तक अवश्य लाएं और उन्हें पोलियो की दो बूंद पिलाकर इस राष्ट्रीय अभियान को सफल बनाने में सहयोग दें।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
www.swatantraprabhat.com
स्वतंत्र प्रभात
जो लिखेगा, वही टिकेगा
ब्रेकिंग न्यूज़

डीएम एवं एसपी ने थाना कोतवाली देहात में सुनीं जनसामस्यायें, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। थाना कोतवाली देहात में आयोजित थाना समाधान दिवस में जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने संयुक्त रूप से जनसमस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। समाधान दिवस के दौरान फरियादियों ने भूमि विवाद, अवैध कब्जा तथा अन्य स्थानीय समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए। इस अवसर पर कुल 14 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें राजस्व विभाग से संबंधित 12 तथा पुलिस विभाग से संबंधित 2 शिकायतें रहीं। अधिकारियों ने सभी प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए उनके समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए।

समाधान दिवस में फरियादियों की शिकायतों को सुनते हुए जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक मामले को गंभीरता से लिया और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्राप्त शिकायतों का निस्तारण निष्पक्ष और समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जाए। डीएम ने कहा कि भूमि विवाद के प्रकरणों में राजस्व-पुलिस विभाग की संयुक्त टीम मौके पर जाकर स्थलीय निरीक्षण करे और समय-सीमा और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करे। डीएम ने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि आमजन को न्याय पाने के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। यह कार्यवाही दोनों पक्षों की उपस्थिति में पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण ढंग से संपन्न की जाएगी ताकि विवादों का स्थायी समाधान हो सके। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने पुलिस कर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वे आमजन की समस्याओं के प्रति संवेदनशील और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएं। शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर हल करना सुनिश्चित करें।इस दौरान राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

संपूर्ण समाधान दिवस : दो शिकायतें आईं, एक का निस्तारण

सिद्धार्थनगर। त्रिलोकपुर थाना परिसर में शनिवार को सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस का आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता प्रभारी निरीक्षक हरे कृष्ण उपाध्याय ने की। सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस में कुल दो मामले आए, जो राजस्व विभाग से संबंधित रहे ,जिसमें एक मामले का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। एक के लिए टीम गठित करके भेज दिया गया। इस मौके पर चौकी बिस्कोहर प्रभारी अमित कुमार शाही, उपनिरीक्षक तालामुद्दीन खान,विजय कुमार, शिव नारायण सिंह, रामायण प्रसाद, मान सिंह, जुनेद अहमद, सोनू शर्मा, कांस्टेबल प्रीति, सत्य प्रकाश यादव, मदन यादव, राजस्व निरीक्षक नरेन्द्र देव, हल्का लेखपाल राम गोपाल श्रीवास्तव, राम कुमार तिवारी, देवीलाल गिरी, विजय कुमार, प्रभाकांत मौर्य, आदि लोग मौजूद रहे।

दिव्यांग विद्यार्थियों हेतु डिजिटल रीडिंग मशीन एवं किलकारी बाल देखभाल केंद्र का लोकार्पण करेंगी कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर में आगामी 29 जून, 2026 को आयोजित होने वाले दशम दीक्षांत समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा विश्वविद्यालय में नवस्थापित केंद्रीय डिजिटल लाइब्रेरी में दिव्यांग विद्यार्थियों की सुविधा हेतु स्थापित डिजिटल रीडिंग मशीन तथा किलकारी बाल देखभाल केंद्र का लोकार्पण किया जाएगा। इस संबंध में पुस्तकालय प्रभारी डॉ. आशुतोष कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय का केंद्रीय पुस्तकालय पूर्णतः डिजिटल स्वरूप में विकसित किया गया है। इसमें दिव्यांग विद्यार्थियों के पठन-पाठन को सुगम बनाने के लिए कीबोर्ड सॉफ्टवेयर एवं अत्याधुनिक स्कैनिंग मशीन की व्यवस्था की गई है। इस मशीन के माध्यम से किसी भी पुस्तक को स्कैन कर उसे 100 से अधिक भाषाओं में अनुवादित किया जा सकता है। अनुवादित सामग्री को वॉइस सुविधा के माध्यम से सुना भी जा सकता है, जो विशेष रूप से दृष्टिबाधित एवं दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। दशम दीक्षांत समारोह की तैयारियों के क्रम में आज विश्वविद्यालय में कार्यक्रम का पूर्ण एवं व्यवस्थित पूर्वाभ्यास (रिहर्सल) भी किया गया। इस वर्ष समारोह स्थल में परिवर्तन किए जाने के कारण पूर्वाभ्यास विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा। पूर्वाभ्यास के दौरान मंच संचालन, अतिथियों के आगमन, पदक एवं उपाधि वितरण, सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा समस्त व्यवस्थाओं का क्रमबद्ध अभ्यास किया गया, जिससे समारोह का सफल एवं गरिमामय आयोजन सुनिश्चित किया जा सके।

जिलाधिकारी ने टीएचआर प्लान्ट बछन्दामऊ का निरीक्षण कर पुष्टाहार की गुणवत्ता को देखा

● परसीपुर में डीएम ने ग्रामीणों से किया संवाद जनकल्याणकारी योजनाओं की ली जानकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय ने विकास खण्ड कुण्डा के ग्राम बछन्दामऊ स्थित सूरज प्रेरणा लघु उद्योग राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) टीएचआर इकाई का निरीक्षण कर तैयार किए जा रहे पुष्टाहार की गुणवत्ता एवं निर्मित प्रक्रिया का गहन अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा संचालित इकाई में तैयार किये जा रहे उत्पादों की गुणवत्ता का परीक्षण किया तथा उत्पादन संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने इकाई में निर्मित किए जा रहे पुष्टाहार के विभिन्न घटकों, उसकी पैकेजिंग, भंडारण व्यवस्था एवं स्वच्छता मानकों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से संवाद स्थापित करते हुए उत्पादन प्रक्रिया, कच्चे माल की उपलब्धता, तैयार उत्पाद की गुणवत्ता तथा वितरण व्यवस्था के बारे में विस्तार से जानकारी ली।इस अवसर पर उपजिलाधिकारी कुण्डा वाचस्पति सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित रहीं। इसके उपरान्त जिलाधिकारी ने शिकायत के प्रकरण के सम्बन्ध में विकास खण्ड कुण्डा के ग्राम परसीपुर में जाकर स्थलीय निरीक्षण कर प्रकरण के निस्तारण हेतु मौके पर उपस्थित उपजिलाधिकारी कुण्डा को आवश्यक दिशा निर्देश दिये एवं ग्रामवासियों से संवाद कर संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ली एवं फीडबैक प्राप्त किया।

दशम दीक्षांत समारोह के लिए तैयारियां अंतिम चरण में, 28 जून को विश्वविद्यालय पहुंचेंगी कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर की कुलपति प्रोफेसर कविता शाह ने बताया कि विश्वविद्यालय का दशम दीक्षांत समारोह आगामी 29 जून, 2026 को अत्यंत गरिमामय एवं भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा।कुलपति ने अपने विज्ञप्ति में बताया कि जन भवन से प्राप्त सूचना के आधार पर विश्वविद्यालय की कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल 28 जून को अपराह्न विश्वविद्यालय परिसर में आगमन करेंगी तथा अगले दिन आयोजित दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होकर विद्यार्थियों को उपाधि एवं पदक प्रदान करेंगी।

दीक्षांत समारोह की मुख्य अतिथि प्रतिष्ठित पर्यावरणविद् एवं बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की प्रोफेसर डॉ. मधूलिका अग्रवाल होंगी। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय अति विशिष्ट अतिथि तथा उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगी। उन्होंने बताया कि दीक्षांत कार्यक्रम में एक से अधिक स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के माता-पिता को भी मंच तक आमंत्रित किया जाएगा, जिससे वे अपने बच्चों की उपलब्धि के इस गौरवपूर्ण क्षण के साक्षी बन सकें। विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के छोटे बच्चों द्वारा पर्यावरण संरक्षण पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएंगे।

पर्यावरण संरक्षण विषयक आयोजित भाषण, निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तीन विद्यार्थियों को भी कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल द्वारा सम्मानित किया जाएगा। भाषण प्रतियोगिता में कक्षा-7 की खुशी कुमारी, निबंध प्रतियोगिता में कक्षा-8 की रंजनी गुप्ता तथा चित्रकला प्रतियोगिता में कक्षा-8 की मधु को पुरस्कृत किया जाएगा।

कुलपति ने बताया कि जनभवन से प्राप्त निर्देशों के आधार पर इस वर्ष दीक्षांत समारोह के अवसर पर सिद्धार्थ विश्वविद्यालय एवं संबद्ध महाविद्यालयों से चार शिक्षकों को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु सम्मानित किया जाएगा। इसके लिए निर्धारित प्रोफार्मा पूर्व में ही विश्वविद्यालय एवं संबद्ध महाविद्यालयों को उपलब्ध करा दिया गया था। प्राप्त आवेदनों की स्क्रीनिंग के उपरांत चयनित शिक्षकों के नाम घोषित किए जाएंगे तथा उन्हें कुलाधिपति द्वारा मंच से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि दीक्षांत समारोह के अवसर पर सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के आठ शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का लोकार्पण भी मंच से

कुलाधिपति के कर-कमलों द्वारा किया जाएगा, जो विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं शोधपरक उपलब्धियों का महत्वपूर्ण प्रतिफल है।

साथ ही स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों को उनके संबंधित संकायाध्यक्षों के माध्यम से प्रमाण-पत्र वितरित किए जाएंगे। इस बार समारोह की व्यवस्था पूर्व वर्षों की अपेक्षा अधिक व्यवस्थित एवं सहभागी स्वरूप में की गई है। कुलपति ने बताया कि कुलाधिपति की उपस्थिति गौतम बुद्ध प्रेक्षागृह के सभागार में रहेगी तथा वहां से संपूर्ण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकायों में किया जाएगा। संबंधित संकायों के विद्यार्थी अपने-अपने संकायों में बैठकर कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देख सकेंगे तथा इन स्थलों पर शिक्षकों की भी उपस्थिति रहेगी, जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थी इस ऐतिहासिक अवसर के सहभागी बन सकें।

संक्षिप्त खबरें

'वॉर ऑन ड्रग्स' कैंपेन के तहत, हेल्थ डिपार्टमेंट और पुलिस डिपार्टमेंट ने मिलकर मेडिकल स्टोर चेक किए

फाजिल्का: पंजाब के माननीय मुख्यमंत्री भगवंत सिंह के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार, पंजाब से ड्रग्स को खत्म करने और पंजाब को ड्रग-फ्री बनाने के लिए कमिटेड है और इस लक्ष्य को पाने के लिए, पंजाब में 'वॉर ऑन ड्रग्स' कैंपेन चल रहा है। इस कैंपेन के तहत, आज हेल्थ डिपार्टमेंट, फाजिल्का की बनाई टीम ने सिविल सर्जन डॉ. कविता सिंह और श्री अमित दुग्गल असिस्टेंट कमिश्नर फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के आदेशों पर, हरजिंदर सिंह ड्रग कंट्रोल ऑफिसर के नेतृत्व में और पुलिस डिपार्टमेंट ने गुरसेवक सिंह DSP के आदेशों पर, SHO जुगराज सिंह के नेतृत्व में घुबाया, टाहलीवाला और प्रभात सिंह वाला के 5 मेडिकल स्टोर चेक किए। इस चेकिंग के दौरान, मेडिकल स्टोर में कई तरह की कमियां पाई गईं। कई मेडिकल स्टोर का शेड्यूल H-v रजिस्टर मेंटेन नहीं था, कुछ मेडिकल स्टोर पर फार्मासिस्ट मौजूद नहीं थे और दूसरी कमियां पाई गईं। इस बारे में ऊपर के अधिकारियों को लेटर लिखा गया है और ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940 के तहत सही एक्शन लिया जाएगा। डॉ. कविता सिंह ने कहा कि ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट का उल्लंघन करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने केमिस्ट दुकानदारों से अपील की कि वे दवाइयों की खरीद-बिक्री का पूरा रिकॉर्ड रखें, बैन दवाइयां न रखें, फार्मासिस्ट मौजूद रहें और रिकॉर्ड पूरा रखें। इसी तरह आने वाले दिनों में भी इस कैंपेन के तहत चेकिंग जारी रहेगी। इस मौके पर सुखदेव सिंह भी मौजूद थे।

दिल्ली में एक बार फिर दरिंदगी: शाहबाद डेरी में 5 साल की बच्ची से दुष्कर्म, सबूत मिटाने के लिए मासूम को नहलाया

दिल्ली। शाहबाद डेरी थाना क्षेत्र में एक रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात सामने आई है, जहां एक 25 वर्षीय युवक ने पड़ोस में रहने वाली पांच साल की मासूम बच्ची को अपनी हवस का शिकार बना डाला। आरोपित कितना शातिर है इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दुष्कर्म के बाद उसने सबूत मिटाने के इरादे से मासूम बच्ची को नहला दिया। इतना ही नहीं, किसी को कुछ न बताने के लिए उसने बच्ची को कई थप्पड़ मारे और धमकी भी दी। शिकायत मिलने पर पुलिस ने प्राथमिकी करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता अपने परिवार के साथ शाहबाद डेरी इलाके में किराए के एक मकान में रहती है। उसके माता-पिता पास की ही एक फैक्ट्री में काम करते हैं। मंगलवार दोपहर को जब बच्ची घर के पास खेल रही थी, तभी उसी इमारत में रहने वाला आरोपित वहां पहुंचा। चूंकि आरोपित का बच्ची के घर आना-जाना था, इसलिए वह उसे पहचानती थी। आरोपी ने बच्ची को बिस्किट दिलाने का झांसा दिया और उसे फुसलाकर अपने कमरे में ले गया, जहां उसने इस घिनौनी वारदात को अंजाम दिया। वारदात के बाद सहमी हुई बच्ची अपने घर लौट आई। रात के समय जब बच्ची असहज महसूस करने लगी और दर्द से रोने लगी, तब उसकी मां उसे तुरंत महर्षि वाल्मीकि अस्पताल लेकर गई। डॉक्टरों द्वारा उपचार और जांच के दौरान इस खौफनाक घटना का खुलासा हुआ। अस्पताल में ही बच्ची ने अपनी मां को पूरी आपबीती सुनाई। घटना की जानकारी मिलते ही पीड़िता की मां ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। अस्पताल में बच्ची का मेडिकल कराया गया, जिसमें दुष्कर्म की पुष्टि हुई। शाहबाद डेरी थाना पुलिस ने पोक्सो अधिनियम और दुष्कर्म की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आरोपित को दबोच लिया। आरोपित एक फैक्ट्री में मजदूरी करता है।

फिर दहल रहा होर्मुज; ईरान ने बहरीन पर दागीं मिसाइलें

● ओमान के पास अमेरिका बनाने जा रहा नया समुद्री मार्ग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शनिवार को ईरान ने बहरीन को निशाना बनाकर ड्रोन से हमला किया। इसी दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य (Strait of Hormuz) में एक जहाज पर भी हमला हुआ। माना जा रहा है कि यह अमेरिका की तरफ से रात भर किए गए हवाई हमलों का ईरान की ओर से जवाब था। फारस की खाड़ी में हुए इन हमलों से ईरान के साथ युद्ध के फिर से बेकाबू होने का खतरा पैदा हो गया है, जबकि ईरान और अमेरिका के बीच इस संघर्ष को खत्म करने के लिए एक अंतिम समझौते पर पहुंचने की कोशिश के तहत एक अंतरिम समझौता हो चुका था। यहां तक की कल रात ही अमेरिका-इजरायल-लेबनान के बीच भी एक त्रिपक्षीय समझौता हो गया। अमेरिका ने ये शुक्रवार रात हवाई हमले गुरुवार को जलडमरूमध्य से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे एक जहाज पर ईरानी ड्रोन हमले के जवाब में किए थे. यह उन हमलों की कड़ी का हिस्सा था, जिन्होंने युद्ध के दौरान बने नाजुक संघर्ष-विराम को हिलाकर रख दिया है. इस बीच, अमेरिकी नौसेना की देखरेख में काम करने वाले एक बहुराष्ट्रीय समुद्री संगठन ने शनिवार को कहा कि वह जलडमरूमध्य में ओमान के पास एक रास्ते का विस्तार करेगा ताकि आने-जाने वाले जहाजों की आवाजाही हो सके। इससे ईरान के साथ तनाव का एक नया केंद्र बनने की संभावना है। ईरान का बहरीन को निशाना बनाना शायद कोई इत्तेफाक नहीं था. यह देश ईरान के सबसे बड़े आलोचकों में से एक रहा है और यहां अमेरिकी नौसेना का 5वां बेड़ा (फ्लीट) तैनात है. हाल ही में इसने गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल के विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की मेजबानी की थी. इस बैठक के आखिर में ईरान के हमलों को रोकने और जलडमरूमध्य (स्टेट) को पूरी तरह खुला रखने की मांग की गई थी. बहरीन के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा गया है कि 'कई ईरानी ड्रोन्स' ने देश को निशाना बनाया. मंत्रालय ने इस हमले को 'नागरिकों और निवासियों की सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा' बताया।

इससे पहले शनिवार को ईरान के अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड ने सरकारी समाचार एजेंसी IRNA के जरिए एक बयान जारी किया. इसमें कहा गया कि उसने 'इस इलाके में अमेरिकी आतंकवादी सेना' के कई ठिकानों को निशाना बनाया है. इसमें यह नहीं बताया गया कि किन इलाकों को निशाना बनाया गया. अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड ने कहा कि सेना ने रात भर चले हमलों में ईरान के मिसाइल और ड्रोन ठिकानों और तटीय रडार साइटों पर हमला किया. ईरान के साथ अमेरिकी बातचीत की अगुवाई करने वाले अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने शुक्रवार रात सोशल मीडिया पर कहा कि अगर सीजफायर समझौते को लेकर कोई मतभेद है, तो ईरान को 'फोन उठाना' चाहिए, लेकिन हिंसा का जवाब हिंसा से ही दिया जाएगा। अमेरिका और ईरान अभी भी समझौते की शर्तों पर बातचीत कर रहे हैं, जिसमें अहम जलडमरूमध्य (strait) से जहाजों को गुजारने और ईरान के अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम के भंडार के भविष्य से जुड़े मुद्दे शामिल हैं। अंतरिम समझौते के तहत, दोनों पक्षों के पास विवरण तय करने के लिए 60 दिन का समय है. इस बीच, ब्रिटिश सेना के 'यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन्स' सेंटर ने बताया कि शनिवार को जलडमरूमध्य (स्टेट) में एक टैंकर पर हमला हुआ. सेंटर ने कहा कि क्रू सुरक्षित है और पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है. हमले की जिम्मेदारी तुरंत किसी ने नहीं ली, लेकिन शक फौरन ईरान पर गया. जहाज पर हमले की खबर के ठीक बाद, अमेरिकी नौसेना की देखरेख में चल रहे 'जॉइंट मैरीटाइम इन्फॉर्मेशन सेंटर' ने कहा कि ओमान के तट के पास वाले रास्ते का विस्तार किया जा रहा है ताकि आने-जाने वाले ट्रैफिक को जगह मिल सके।

सलमान खान छोड़ेंगे गैलेक्सी अपार्टमेंट?

● गैलेक्सी अपार्टमेंट्स छोड़ेंगे सलमान खान? बांद्रा में समंदर किनारे बनेगा 'भाईजान' का नया 6 मंजिला आशियाना!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सलमान खान का मुंबई वाला गैलेक्सी अपार्टमेंट्स पिछले काफी समय से चर्चा का विषय बना हुआ है. जहां उनके घर पर हमले की खबरें आईं तो वहीं किसी के घुसपैठ की जानकारी मिली. लेकिन अब एक खबर आई है, जिसे सुनकर उनके फैंस खुश हो जाएंगे. दरअसल, सलमान खान को नया घर बनाने की मंजूरी मिल गई है, जो उनकी मां सलमा खान के नाम पर है. कहा जा रहा है कि समंदर किनारे जमीन पर 6 मंजिला इमारत बनाने की तैयारी की जाएगी। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान जल्द ही बांद्रा में अपने परिवार के लिए समंदर किनारे एक नया 6 मंजिला घर बनाने जा रहे हैं। MCZMA ने समंदर किनारे 6 मंजिला इमारत बनाने की इजाजत दे दी है. महाराष्ट्र तटीय क्षेत्र प्रबंधन प्राधिकरण MCZMA ने 16 जून को इस प्रोजेक्ट को अपनी मंजूरी दे दी थी। रिपोर्ट के मुताबिक, सलमान खान का नया घर बांद्रा के चिंबई इलाके में बनेगा, जो उनके मौजूदा घर 'गैलेक्सी अपार्टमेंट' से कुछ ही दूरी पर है. MCZMA के सूत्रों के मुताबिक, यह घर सलमान खान की मां सलमा खान के नाम पर दर्ज प्लॉट पर बनाया जाएगा. यहां पहले 1956 से पूर्व का बना एक दो मंजिला मकान था, जिसे जर्जर हालत के चलते गिरा दिया गया था। जैसा कि सब जानते हैं सलमान खान 1974 से गैलेक्सी अपार्टमेंट में रह रहे हैं. जबकि नई इमारत में ग्राउंड फ्लोर, स्टिल्ट पार्किंग और 6 मंजिलें होंगी. इसका कुल निर्माण क्षेत्र लगभग 1,014 वर्ग मीटर होगा और इसे Sach Developers द्वारा बनाया जाएगा. BMC ने अक्टूबर 2025 में ही इसके लिए प्राथमिक अनुमति IOD जारी कर दी थी. पर्यावरण का ध्यान रखते हुए निर्माण के दौरान एक भी पेड़ नहीं काटा जाएगा, आस-पास के इलाके में स्थानीय प्रजातियों के नए पेड़ लगाए जाएंगे। बिश्नोई गैंग के गुर्गों द्वारा गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर की गई फायरिंग के बाद सलमान की सुरक्षा बढ़ाकर Y+ कर दी गई है. मुख्य सड़क से दूर एक शांत गली में बनने वाला यह नया घर सलमान और उनके परिवार को पहले से अधिक सुरक्षा और प्राइवेसी प्रदान करेगा।

विजिलेंस ब्यूरो ने असिस्टेंट रजिस्ट्रार को 1,00,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंडीगढ़- राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रहे अभियान के दौरान, पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने निखिल गर्ग, असिस्टेंट रजिस्ट्रार कोऑपरेटिव सोसाइटीज़, जगराओं, जिला लुधियाना, जो दोराहा ऑफिस का एडिशनल चार्ज भी संभालते हैं, को पटियाला में उनके घर पर 1,00,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा है। आज यहां यह जानकारी देते हुए, स्टेट विजिलेंस ब्यूरो के एक प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को एक कोऑपरेटिव सोसाइटी के मैनेजर की शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उक्त आरोपी ने दोराहा में उसके ट्रांसफर एप्लीकेशन की सिफारिश करने के बदले में उससे 5 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। रिश्वत की रकम लेने के बाद, आरोपी निखिल गर्ग ने शिकायतकर्ता के ट्रांसफर के संबंध में कोऑपरेटिव सोसाइटी दोराहा की प्रोसिडिंग बुक में पिछली तारीख की एंट्री पर साइन कर दिए। इसके अलावा, आरोपी ने सीनियर अधिकारियों के नाम पर रिश्वत की रकम मांगी थी और रिश्वत की रकम मिलने के बाद उसने कोऑपरेटिव सोसाइटी के अपने सीनियर अधिकारी को भी इसकी जानकारी दी थी। शिकायत करने वाले ने रिश्वत की मांग के बारे में पूरी बातचीत रिकॉर्ड कर ली थी। रिश्वत देने के लिए तैयार न होने पर, शिकायत करने वाले ने लुधियाना के विजिलेंस ब्यूरो की इकोनॉमिक ऑफेंस विंग (EOW) से संपर्क किया। उसकी शिकायत पर कार्रवाई करते हुए, विजिलेंस ब्यूरो की टीम ने जाल बिछाया, जिसके दौरान आरोपी असिस्टेंट रजिस्ट्रार को दो ऑफिशियल गवाहों की मौजूदगी में शिकायत करने वाले से 1,00,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। उसके पास से मौके पर ही रिश्वत के नोट बरामद किए गए। इस संबंध में, आरोपी के खिलाफ विजिलेंस ब्यूरो के EOW पुलिस स्टेशन लुधियाना में प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है और मामले की आगे की जांच चल रही है।

यमुनापार में बेसहारा गोवंश का आतंक, अवैध डेयरियों पर कार्रवाई की मांग तेज

पूर्वी दिल्ली। यमुनापार की सड़कों पर घूम रहे बेसहारा गोवंश राहगीरों के लिए बड़ी परेशानी बन गए हैं। सड़कों पर झुंड बनाकर खड़े गोवंश अचानक हमलावर हो जाते हैं, जिससे आए दिन दोपहिया वाहन सवार और पैदल यात्री दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। बीते बुधवार मंडावली वार्ड की पार्षद शशि चांदना घर अपने कार्यालय जाने के दौरान श्रीराम चौक के पास अचानक एक गोवंश ने हमला कर दिया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। फिलहाल उनका उपचार अस्पताल में चल रहा है। इस घटना के बाद इलाके के लोगों में भय का माहौल है। लोगों का आरोप है कि ये गोवंश अवैध डेयरी संचालकों के हैं, जिनके खिलाफ शिकायतों के बावजूद नगर निगम कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं करता। गीता कॉलोनी, मंडावली, आइपी एक्सटेंशन, गणेश नगर और गोकलपुरी की सड़कों पर हर दिन सैकड़ों की संख्या में बेसहारा गोवंश नजर आते हैं। व्यस्त सड़कों और बाजारों में इनकी मौजूदगी जाम और दुर्घटनाओं का कारण बन रही है। कई बार ये पैदल यात्रियों पर अचानक हमला भी कर देते हैं। मंडावली निवासी रतन का कहना है कि लगभग हर सड़क पर बेसहारा पशुओं का झुंड खड़ा रहता है, जिसके कारण महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सड़क पर निकलने से घबराते हैं। उनका कहना है कि इलाके में चल रहे अवैध डेयरी कारोबार के कारण सड़कों पर गोवंशों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने पटियाला से 'वॉर ऑन ड्रग्स' कैंपेन के तहत एक अनोखी पहल शुरू की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटियाला- युवाओं को सेना और पुलिस में भर्ती होने के लिए मोटिवेट करने वाले खास फ्लेक्स बोर्ड इंटरनेशनल डे अगेंस्ट ड्रग्स एब्यूज एंड इलिसिट ट्रैफिकिंग के मौके पर, पंजाब सरकार ने 'वॉर ऑन ड्रग्स' कैंपेन के तहत एक बड़ी और अनोखी पहल शुरू की, ताकि राज्य के युवाओं को ड्रग्स की बुराई से दूर रखा जा सके और उन्हें देश सेवा और रोजगार के अच्छे कामों की तरफ मोड़ा जा सके। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज पटियाला में डिप्टी कमिश्नर पटियाला डॉ. हिमांशु अग्रवाल की अच्छी गाइडेंस में जिला प्रशासन और जिला रोजगार और बिजनेस ब्यूरो, पटियाला द्वारा तैयार किए गए खास जानकारी देने वाले फ्लेक्स बोर्ड ऑफिशियली जारी किए। ये फ्लेक्स बोर्ड जल्द ही पटियाला के 400 खेल के मैदानों में लगाए जाएंगे, ताकि ज़्यादा से ज़्यादा युवा इनका फायदा उठा सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार ड्रग्स को पूरी तरह खत्म करने के लिए कमिटेड है और ऐसा करने का सबसे असरदार तरीका युवाओं की एनर्जी को सही दिशा देना है। इन खास फ्लेक्स बोर्ड के ज़रिए, यूनिफॉर्मड सर्विस में शामिल होने के इच्छुक युवाओं की सुविधा के लिए पंजाब पुलिस, इंडियन आर्मी और सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स में भर्ती के लिए ज़रूरी फिजिकल स्टैंडर्ड और टेस्ट की पूरी जानकारी दिखाई गई है। मुख्यमंत्री ने डिस्ट्रिक्ट एम्प्लॉयमेंट ब्यूरो और पटियाला एडमिनिस्ट्रेशन के इस अनोखे कदम की बहुत तारीफ़ की। इस बारे में और जानकारी देते हुए डिप्टी कमिश्नर पटियाला डॉ. हिमांशु अग्रवाल ने कहा कि महाराजा भलिंदर सिंह पोलो ग्राउंड में लगाए गए बोर्ड की तरह, आने वाले दिनों में ये अवेयरनेस फ्लेक्स बोर्ड पटियाला जिले के सभी मेन एथलेटिक ग्राउंड, स्कूल प्लेग्राउंड और गांवों के कॉमन प्लेग्राउंड में लगाए जाएंगे, ताकि ग्रामीण और शहरी इलाकों के युवा इसका ज़्यादा से ज़्यादा फ़ायदा उठा सकें और ड्रग्स को नकारने और देश की सेवा में अपना कीमती योगदान दे सकें।

बठिंडा पेट्रोल बम हमला केस में बड़ी कामयाबी: जॉइंट पुलिस ऑपरेशन में दो आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बठिंडा- बठिंडा में हाल ही में एक क्लिनिक पर हुए पेट्रोल बम हमले में एक अहम कामयाबी मिली है। छट्ठ हरजीत सिंह की लीडरशिप में डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने काउंटर इंटेलिजेंस टीम के साथ मिलकर इस घटना में कथित तौर पर शामिल दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, हमले के तुरंत बाद केस दर्ज किया गया और मामले की जांच के लिए बठिंडा पुलिस की कई टीमें बनाई गईं। टीमों ने टेक्निकल सबूतों की जांच करते हुए और जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के लिए अलग-अलग सुरागों का पीछा करते हुए गहराई से जांच की। लगातार जांच और इंटेलिजेंस-बेस्ड इनपुट्स पर कार्रवाई करते हुए, बठिंडा पुलिस और काउंटर इंटेलिजेंस टीम ने एक जॉइंट ऑपरेशन चलाया, जिससे हमले से जुड़े दो संदिग्धों को पकड़ने में कामयाबी मिली। अधिकारियों ने इस मामले में गिरफ्तारियों को एक बड़ी कामयाबी बताया और कहा कि यह ऑपरेशन लोगों की सुरक्षा पक्का करने और अपराधियों को सज़ा दिलाने के लिए कानून लागू करने वाली एजेंसियों की मिलकर की गई कोशिशों को दिखाता है। पुलिस ने कहा है कि घटना के सभी पहलुओं का पता लगाने के लिए आगे की पूछताछ और जांच चल रही है, जिसमें हमले के पीछे का मकसद और दूसरे लोगों का शामिल होना भी शामिल है। जांच आगे बढ़ने पर और गिरफ्तारियां और खुलासे हो सकते हैं। सीनियर पुलिस अधिकारियों ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने का अपना वादा दोहराया और जनता को भरोसा दिलाया कि जो भी क्रिमिनल एक्टिविटी में शामिल पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

फरीदाबाद में बैनर-पोस्टर लेकर निकले बच्चे, कुत्तों के आतंक से बचाने की मांग की

फरीदाबाद। आवारा कुत्तों के आतंक से परेशान सेक्टर-70 स्थित मलबरी काउंटी सोसायटी के लोगों ने शनिवार को डाग फीडर्स और बिल्डर के खिलाफ रोष जताया। छोटे-छोटे बच्चे बैनर और पोस्टर लेकर एकसाथ निकले तथा कुत्तों के आतंक से बचाने की मांग की। जिला उपायुक्त आयुष सिन्हा और नगर निगम से आरडब्ल्यू व निवासियों की शिकायत के बाद सोसायटी के आठ कुत्तों को उठाया गया है। लोगों ने इन कुत्तों को दोबारा सोसायटी में नहीं छोड़ने की मांग की है। सोसायटी की आरडब्ल्यूए प्रधान डाली उपाध्याय, सचिव नितिन गर्ग, निवासी विमल उपाध्याय और मनीष गुप्ता ने बताया कि कुत्तों का आतंक बढ़ता जा रहा है। सोसायटी में 32 से अधिक कुत्ते हैं। कुत्तों के हमले के हर महीने दस से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। बुधवार को दस वर्षीय पार्थ पर चार-पांच कुत्तों ने हमला दिया था। उसे नीचे दबा लिया और पंजों व दांतों से उसे नोंचना शुरू कर दिया। पार्थ की चीख सुनकर कुछ लोग दौड़कर पहुंचे और काफी मुश्किल से उसे कुत्तों से छुड़ाया था। पार्थ का निजी अस्पताल में इलाज कर रहा है। इससे अन्य बच्चों में भी भय का माहौल है। सोसायटी में बच्चे बैनर और पोस्टर लेकर एकत्रित हुए। जिसपर संदेश लिखा था कि कुत्तों को सोसायटी के बाहर किया जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों को सुरक्षित माहौल मिल सके। इस दौरान स्थानीय निवासी और आरडब्ल्यूए पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

मानसून में फलदार वृक्षों की गुठलियाँ लगाएँ

● पर्यावरण की सुरक्षा करें योगेंद्र कुमार सह अधीक्षक तिहाड़ जेल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली: हम सभी जानते हैं कि फल खाने वाले पक्षियों की संख्या दिल्ली में लगातार घटती जा रही है। इसका एक प्रमुख कारण फलदार वृक्षों की लगातार कम होती संख्या है। इसी चिंता को ध्यान में रखते हुए मैंने अपने मित्रों के साथ वर्ष 2012 में फलदार वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत की।हम अपने स्वयं के पैसों से फलदार पौधे खरीदकर लगाते थे। उस समय 3-4 फीट ऊँचे एक स्वस्थ पौधे की कीमत लगभग ?100 से ?150 होती थी, जिससे यह अभियान काफी खर्चीला था।फिर एक दिन मेरे मन में विचार आया कि क्यों न मानसून के दौरान फलों की गुठलियाँ और बीज ही लगाए जाएँ। हमने इस विचार को व्यवहार में उतारा और वर्षा ऋतु में बड़ी संख्या में जामुन, आम, इमली, बेर तथा अन्य फलदार वृक्षों की गुठलियाँ बोईं। अगले मानसून तक उनसे लगभग ढाई से तीन फीट ऊँचे स्वस्थ पौधे तैयार हो गए।इसके बाद हमने इन पौधों का निःशुल्क वितरण शुरू किया और स्वयं भी उन्हें उपयुक्त स्थानों पर रोपित किया। आज हमारा पौधारोपण अभियान पूरी तरह निःशुल्क है।मैं आप सभी से भी विनम्र आग्रह करता हूँ कि अपनी सामर्थ्य के अनुसार इस मानसून में फलों की गुठलियाँ और बीज अवश्य लगाएँ। अगले वर्ष मानसून में तैयार पौधों को किसी उपयुक्त स्थान पर रोपित करें। बिना किसी बड़े खर्च के हम सभी पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।पिछले वर्ष तिहाड़ जेल के बंदियों एवं स्टाफ के सहयोग से हमने बड़ी संख्या में जामुन की गुठलियाँ लगाई थीं, जो आज 2-3 फीट ऊँचे पौधों में विकसित हो चुकी हैं। इस वर्ष मानसून के दौरान दिल्ली सरकार के 'वन महोत्सव' अभियान में हम इन पौधों का निःशुल्क वितरण करेंगे तथा उन्हें उपयुक्त स्थानों पर रोपित भी करेंगे।फलदार वृक्ष लगाने के अनेक लाभ

हैं। ये न केवल पर्यावरण को हरा-भरा बनाते हैं, बल्कि फल खाने वाले सुंदर पक्षियों को भी पुनः उनके प्राकृतिक आवास में लौटने का अवसर प्रदान करते हैं। साथ ही हमें भी बिना किसी रासायनिक प्रक्रिया के ताजे और पौष्टिक फल प्राप्त होते हैं। इसके अतिरिक्त ये वृक्ष प्रदूषण कम करने, वातावरण को शुद्ध रखने तथा भरपूर ऑक्सीजन उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।आइए, इस मानसून एक संकल्प लें–हर घर, हर परिवार और हर नागरिक कम से कम एक फलदार वृक्ष की गुठली अवश्य लगाए। यही छोटा-सा प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित, स्वच्छ और समृद्ध पर्यावरण की नींव बनेगा।

बराक घाटी में स्थायी हाईकोर्ट बेंच की मांग को मिला जनसमर्थन, श्रीभूमि में 300 से अधिक लोगों ने किए हस्ताक्षर

●स्थायी हाईकोर्ट बेंच के लिए बराक घाटी में तेज हुई मुहिम, श्रीभूमि की जनसभा में उठी न्याय की मजबूत आवाज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि : असम के गुवाहाटी हाईकोर्ट की एक स्थायी बेंच बराक घाटी के किसी उपयुक्त स्थान पर स्थापित किए जाने की मांग के समर्थन में आज 27 जून शनिवार को श्रीभूमि जिले के बिपिन पाल स्मृति भवन में एक महत्वपूर्ण जन-जागरूकता सभा आयोजित की गई। रवींद्र सदन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सब्यसाची राय की पहल पर आयोजित इस बैठक में बराक घाटी में स्थायी हाईकोर्ट बेंच की संवैधानिक आवश्यकता, न्याय तक समान पहुंच तथा इस मांग को एक संगठित जनआंदोलन का रूप देने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की शुरुआत हाईकोर्ट बेंच मांग कार्यान्वयन समिति के महासचिव निखिल पाल के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने इस महत्वपूर्ण आयोजन के लिए डॉ. सब्यसाची राय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बराक घाटी के लोगों की लंबे समय से चली आ रही इस न्यायसंगत मांग को पूरा करने के लिए समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की जागरूकता सभाएं जनमत तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सभा में पूर्व सांसद मिशन रंजन दास, करीमगंज महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य राधिका रंजन चक्रवर्ती, बंग साहित्य एवं संस्कृति सम्मेलन की केंद्रीय समिति के अध्यक्ष सत्यु राय, सांस्कृतिक हस्ती सुलेखा दत्त चौधरी, प्रोफेसर विश्वतोष चौधरी, शिक्षाविद विभाष देव, महासचिव निखिल पाल, रसराज दास, धर्मानंद देव, अधिवक्ता देवोमिता चक्रवर्ती, अधिवक्ता तुहिना शर्मा, अधिवक्ता दुर्गा पुरकायस्थ, अधिवक्ता अर्चना दत्त सहित जिले के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इसके अलावा विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और नाट्य संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी चर्चा में भाग लिया। वक्ताओं ने कहा कि बराक घाटी के लाखों लोगों को न्याय के लिए गुवाहाटी तक लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जो अत्यंत महंगा, समय लेने वाला और कठिन है। आर्थिक तथा भौगोलिक बाधाओं के कारण अनेक लोग प्रभावी रूप से न्याय प्राप्त करने से वंचित रह जाते हैं। इसलिए बराक घाटी के किसी उपयुक्त स्थान पर गुवाहाटी हाईकोर्ट की स्थायी बेंच की स्थापना समय की मांग है और यह संविधान में निहित समानता एवं न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह कोई क्षेत्रीय या राजनीतिक मांग नहीं है, बल्कि नागरिकों के संवैधानिक न्याय के अधिकार को सुनिश्चित करने की एक उचित मांग है। इस मांग को बराक घाटी के सभी वर्गों का व्यापक समर्थन प्राप्त है और सरकार तथा संबंधित अधिकारियों से इस दिशा में शीघ्र सकारात्मक कदम उठाने की अपील की गई।

सभा के अंत में गुवाहाटी हाईकोर्ट की स्थायी बेंच की स्थापना के समर्थन में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया, जिसमें लगभग 300 से अधिक नागरिकों ने हस्ताक्षर कर अपना समर्थन दर्ज कराया। यह इस मांग के प्रति जनता के व्यापक समर्थन का प्रमाण माना गया। बैठक में सर्वसम्मति से बराक घाटी में शीघ्र स्थायी हाईकोर्ट बेंच स्थापित करने की मांग दोहराई गई तथा समाज के सभी वर्गों से लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से इस जनआंदोलन को और मजबूत बनाने का आह्वान किया गया।

स्थानीय लोगों ने विकास में जनभागीदारी बढ़ाने की अपील

● समाजसेवी पूजा ढौडियाल शर्मा ने उठाए सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। आया नगर में विकास कार्यों को लेकर स्थानीय लोगों के बीच चर्चा तेज हो गई है। समाजसेवी पूजा ढौडियाल शर्मा ने क्षेत्र में सड़कों और नालियों के निर्माण कार्यों पर हो रहे खर्च को लेकर पारदर्शिता की आवश्यकता जताते हुए नागरिकों से सक्रिय भागीदारी की अपील की है। पूजा ढौडियाल शर्मा ने कहा कि आया नगर में सड़कों और नालियों पर बड़े पैमाने पर धन खर्च होने की बात कही जाती है, लेकिन यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि विकास कार्य केवल कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि उनका लाभ वास्तव में लोगों को जमीन पर दिखाई दे। उन्होंने कहा कि इसका आकलन क्षेत्र की जनता स्वयं कर सकती है। उन्होंने बताया कि आया नगर के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर उनकी ओर से संबंधित विभागों और जनप्रतिनिधियों के साथ लगातार बैठकें की जा रही हैं, ताकि क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं का समाधान कराया जा सके।समाजसेवी पूजा ढौडियाल शर्मा ने कहा कि केवल सोशल मीडिया या व्हाट्सएप समूहों में चर्चा करने से समस्याओं का समाधान नहीं होगा। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे छुट्टी के दिनों में छोटी-छोटी बैठकों के माध्यम से अपने सुझाव साझा करें और क्षेत्र के विकास के लिए सामूहिक रूप से आगे आएं। उनका कहना है कि लोगों के सुझावों को संकलित कर संबंधित विभागों और जनप्रतिनिधियों के समक्ष प्रभावी ढंग से रखा जाएगा, जिससे जनहित के कार्यों को गति मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि आज की व्यस्त जीवनशैली में सभी लोग अपने-अपने कार्यों में लगे रहते हैं, लेकिन अपने मोहल्ले, गलियों और समाज की देखभाल करना भी प्रत्येक नागरिक की

जिम्मेदारी है। यदि हर नागरिक थोड़ी-सी भागीदारी निभाए, तो क्षेत्र के विकास कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता दोनों सुनिश्चित की जा सकती हैं। गौरतलब है कि समाजसेवी पूजा ढौडियाल शर्मा लंबे समय से आया नगर क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं, महिलाओं के मुद्दों, स्वच्छता, सड़क, नाली, पेयजल तथा अन्य जनसमस्याओं को लेकर सक्रिय रूप से आवाज उठाती रही हैं। वे समय-समय पर स्थानीय लोगों, जनप्रतिनिधियों और सरकारी अधिकारियों के बीच संवाद स्थापित कर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रयासरत रहती हैं।